वार्षिक रिपोर्ट | Annual Report

2016-2017

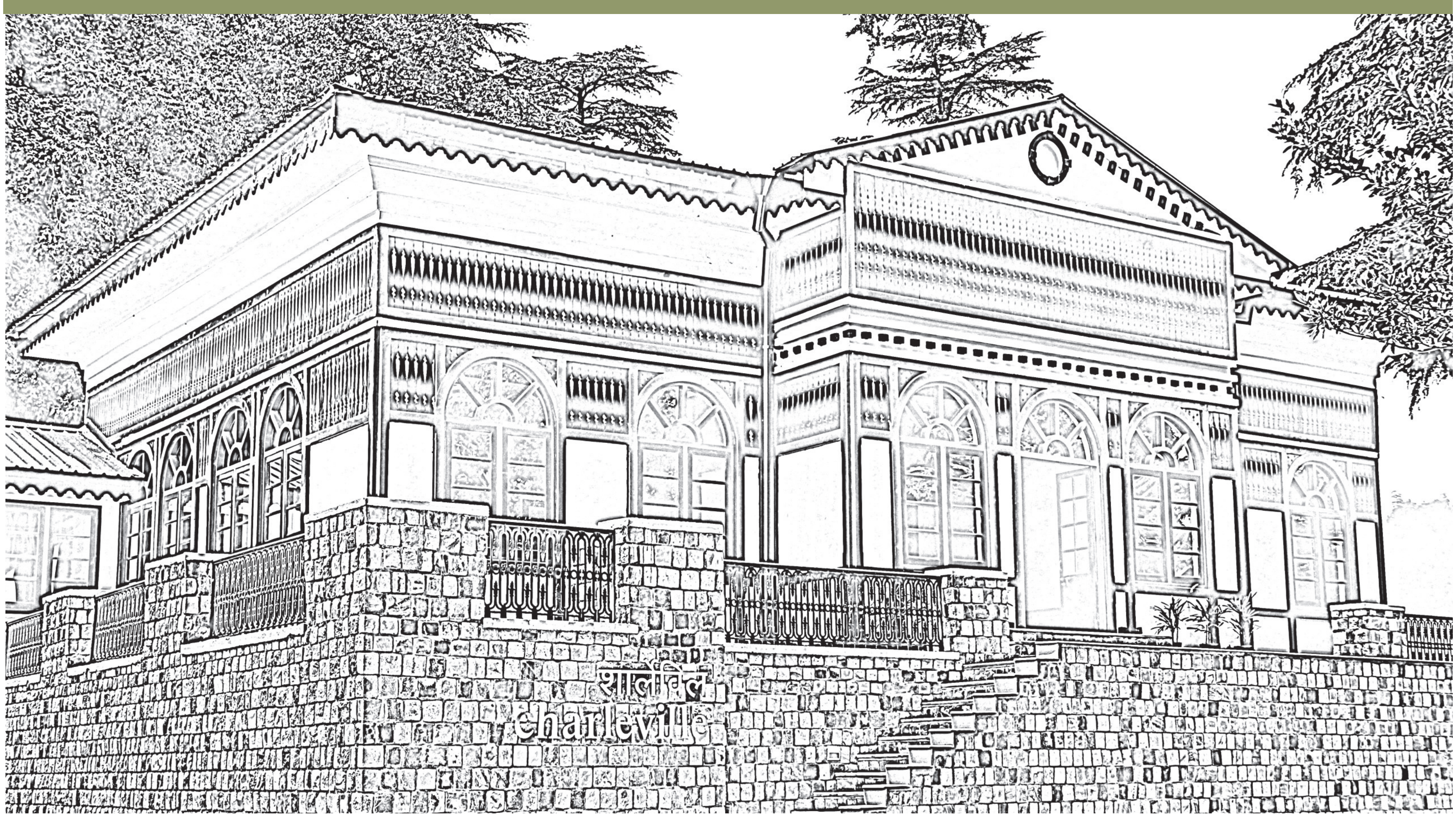

वार्षिक रिपोर्ट
2016 &17

विषय सूची

अकादमी मिशन तथा आधारभूत मूल्य १
- मिशन १
- आधारभूत मूल्य १

अध्याय -१
- लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ३
- एक परिचय ३
- उत्पत्ति एवं विकास क्रम ३
- प्रशिक्षण पद्धति ४
- परिसर ५

अध्याय -२
- वर्ष २०१६-१७ के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम ६

अध्याय-३
- पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां - विशेषताएं ८
  - आधारिक पाठ्यक्रम (१५ सप्ताह) ८
  - ९१वां आधारिक पाठ्यक्रम ८
  - भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। (२६ सप्ताह) ११
  - भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। (२०१५-१७ बैच) १२
  - भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-।। (६ सप्ताह) १७
  - भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-।। (२०१४-१६ बैच) १८
- भा.प्र. सेवा अधिकारियों के लिए मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम २०
  - मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-३ (१०वां दौर) २१
  - मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-४ (११वां दौर) २३
  - मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-५ (१०वां दौर) २५
- राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण (८ सप्ताह) २७
  - भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए ११८वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम २७
- अल्पकालीन पाठ्यक्रम/संकोष्ठी/कार्यशाला/अन्य २९
  - भा.प्र. सेवा १९६६ बैच के अधिकारियों का स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन २९

अध्याय -४
- क्लब और सोसाइटियां ३०
  - साहसिक खेलकूल क्लब ३०
  - कंप्यूटर सोसाइटी ३०
  - ललित कला एसोसिएशन ३१
  - फिल्म सोसाइटी ३२
  - अभिरूचि क्लब ३२

गृह पत्रिका सोसाइटी ३३
प्रबंधन मंडल ३३
प्रकृति प्रेमी क्लब ३४
अधिकारी क्लब ३४
अधिकारी मेस ३५
राइफल एवं धनुर्विद्या क्लब ३७
समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी ३७
समाज सेवा सोसाइटी ३८

अध्याय – ५
एन.आई.सी. प्रशिक्षण यूनिट ४०

अध्याय – ६
अनुसंधान केन्द्र ४२
आपदा प्रबंधन केंद्र ४२
ग्रामीण अध्ययन केंद्र (सीआरएस) ४४
राष्ट्रीय भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीरण कार्यक्रम कोष्ठ (एलएलआरएमपी) ४७
राष्ट्रीय जेंडर केंद्र ४७

अध्याय – ७
अन्य गतिविधियां ५०
गांधी स्मृति पुस्तकालय ५०
राजभाषा ५२
गणमान्य व्यक्ति/प्रतिनिधि मंडल ५३
संकाय विकास ५४

अध्याय – ८
वित्तीय विवरण ५६

संलग्नक –१
भौतिक अवसंरचना ५७

संलग्नक –२
अकादमी प्रमुख ५८

संलग्नक –३
अकादमी में संकाय एवं अधिकारी ६०

अकादमी मिशन तथा आधारभूत मूल्य

मिशन

''हम उचित देखभाल, नैतिक और परदर्शी ढांचे में एक व्यावसायिक एवं जिम्मेदार सिविल सेवा के निर्माण की दिशा में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर के सुशासन को बढ़ाना चाहते हैं।''

आधारभूत मूल्य

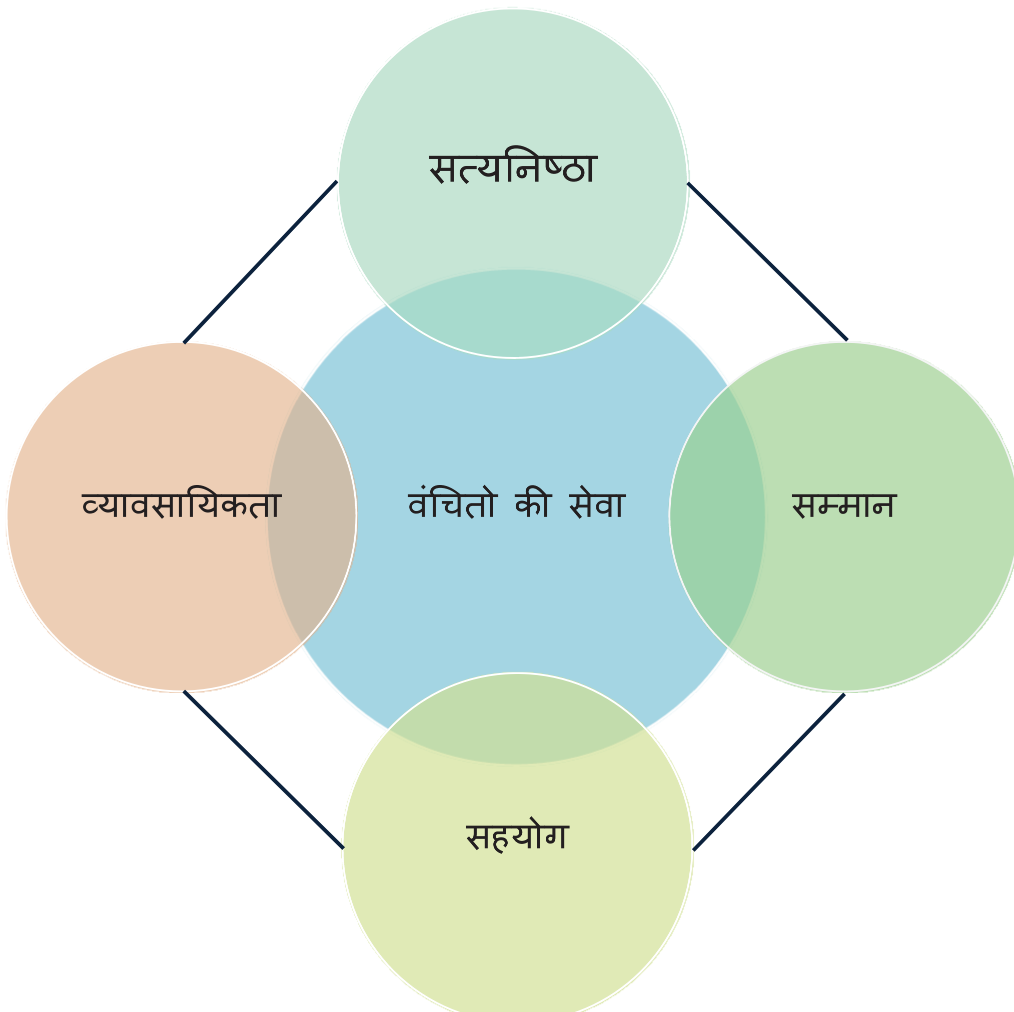

वंचितो की सेवा

लोगों के साथ व्यवहार में अपने दृष्टिकोण में मानवता रखना, वंचितों की ताकत बनना तथा उनके खिलाफ किसी भी अन्याय के समाधान में सक्रिय होना। आप इस प्रयास में सफलता प्राप्त कर सकते हैं यदि आप सत्यनिष्ठा, सम्मान, व्यावसायिकता और सहयोग के साथ कार्य करें।

सत्यनिष्ठा

अपने विचारों, शब्दों तथा कार्यों में एकरूप होना जो आप को विश्वसनीय बनाती है। दोशारोपण में साहस रखना तथा सदैव बिना किसी भय के, यहां तक कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति से भी सत्य बोलना। किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को कदापि सहन न करें, भले वो राशि सामग्री या बौद्धिक हो।

सम्मान

जाति, धर्म, रंग, लिंग, आयु, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा तथा सामाजिक – आर्थिक स्थिति की भिन्न्ता को अपनाना। सभी के साथ विनम्रता तथा सहानुभूति के साथ पेश आएं। भावात्मक रूप से स्थिर रहें, विश्वास के साथ तथा अहंकार के बिना आगे बढ़ें।

व्यावसायिकता

अपने दृष्टिकोण में न्यायसंगत तथा अराजनैतिक रहना, कार्य तथा परिणाम के लिए पूर्वाग्रह के साथ अपने कार्य के प्रति व्यावसायिक तथा पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहना और नियमित रूप से सुधार एवं उत्कृष्टता का लक्ष्य रखना।

सहयोग

मतैक्य के लिए सभी के साथ गंभीरता से कार्य कर के विचारों तथा कार्यों में सहयोग करना। दूसरों को प्रोत्साहित करना, टीम भावना को बढ़ावा देना तथा दूसरों से सीखने के लिए खुलकर चर्चा करना। पहल करना तथा जिम्मेदारी लेना।

अध्याय -1

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

एक परिचय

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, (ला.ब.शा.रा.प्र.अ.) मसूरी भारत में सर्वोच्च सिविल सेवाओं के सदस्यों के लिए एक मुख्य प्रशिक्षण संस्थान है। ला.ब.शा.रा.प्र.अ. कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार का अधीनस्थ कार्यालय है। इसका नेतृत्व निदेशक द्वारा किया जाता है जो भारत सरकार के अपर सचिव/संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी होता है।

ला.ब.शा.रा.प्र.अ. विभिन्न रेंकों पर नियुक्त सिविल सेवकों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूलों का संचालन करता है। यहां अखिल भारतीय सेवाओं और केन्द्रीय सेवाओं के समूह 'क' के नव-नियुक्त अधिकारियों के लिए साझा आधारिक पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। यह अकादमी आधारिक पाठ्यक्रम के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा के नियमित सदस्यों तथा रॉयल भूटान सेवा के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देती है। अकादमी भा० प्र० सेवा के सदस्यों के लिए सेवाकालीन तथा मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) और राज्य सिविल सेवाओं से भा० प्र० सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए अकादमी में नियमित अंतरात पर प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ-साथ नीतिगत मामलों पर कार्यशालाओं तथा सेमिनारों का भी आयोजन करती है।

उत्पत्ति एवं विकास क्रम

तत्कालीन गृहमंत्री ने १५ अप्रैल, १९५८ को लोकसभा में एक ऐसी राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव की घोषणा की थी जहां वरिष्ठ सिविल सेवाओं में भर्ती सभी सदस्यों को आधारिक और मूलभूत विषयों का प्रशिक्षण दिया जाए। गृह मंत्रालय ने आई.ए.एस. ट्रेनिंग स्कूल, दिल्ली और आई.ए.एस. स्टाफ कालेज, शिमला को मिलाकर मसूरी में राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने का निर्णय लिया। १९५९ में अकादमी की स्थापना की गई तथा इसका नाम 'राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' रखा गया। इसे भारत सरकार गृह मंत्रालय के अंतर्गत 'संबद्ध कार्यालय' का दर्जा प्राप्त था। अक्तूबर, १९७२ में इसका नाम बदलकर 'लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी' कर दिया गया। जुलाई १९७३ में, इसके नाम में 'राष्ट्रीय' शब्द भी जोड़ा गया और अब यह अकादमी 'लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' के नाम से जानी जाती है। यह अकादमी १८७० में बने प्रतिष्ठित ''चार्लिविल होटल'' में शुरू की गई थी। यहां अकादमी की शुरुआत के लिए आधारिक संरचना मौजूद थी। इसके बाद इसमें काफी विस्तार किया गया। पिछले कई वर्षों में कई नए भवन बनाए और खरीदे भी गए।

१५ अप्रैल, १९५८	लोकसभा में तत्कालीन गृह मंत्री द्वारा अकादमी स्थापित करने की घोषणा
१३ अप्रैल, १९५९	मेटकॉफ हाऊस, नई दिल्ली में ११५ अधिकारियों के प्रथम बैच ने प्रशिक्षण आरंभ किया
१ सितम्बर, १९५९	मसूरी में अकादमी की शुरुआत
१९६९	अकादमी में चरण-। का सेंडविच पैटर्न की शुरूआत। जिला प्रशिक्षण (संबंधित राज्य संवर्गों के संबंध में) के बाद कैंपस प्रशिक्षण पर चरण-।। प्रशिक्षण आरंभ किया गया। इससे पूर्व आधारिक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जा रहा था, बाद में ८ माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण आरंभ किया गया।
आरंभ से ३१.८.१९७० तक	अकादमी गृह मंत्रालय के अधीन कार्य कर रही थी।
१.९.१९७० से अप्रैल ७७ तक	अकादमी ने मंत्रिमंडल सचिवालय मामले विभाग के अधीन कार्य-किया
अक्टूबर, १९७२	अकादमी के पूर्व नाम "प्रशासन अकादमी" में "लाल बहादुर शास्त्री" जोड़ा गया

जुलाई, १९७३	"राष्ट्रीय" शब्द जोड़ा गया और अब अकादमी को "लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी" के नाम से जाना जाता है।
अप्रैल, १९७७ से मार्च, १९८५	अकादमी ने गृह मंत्रालय के अधीन कार्य कर रही थी।
अप्रैल, ८५ से अब तक	अकादमी ने कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के अधीन कार्य करना आरंभ किया।
१९८८	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र एवं प्रशिक्षण यूनिट (निक्टू) की स्थापना की गई।
१९८९	राष्ट्रीय जेंडर केंद्र - यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम १९६१ के अंतर्गत पंजीकृत सोसाइटी है।
१९८९	ग्रामीण अध्ययन केंद्र की स्थापना
२००४	आपदा प्रबंधन केंद्र की स्थापना
३ नवंबर, १९९२	कर्मशिला भवन का उद्घाटन, भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति माननीय श्री आर.के. नारायण द्वारा किया गया।
६ अगस्त १९९६	कालिंदी भवन का उद्घाटन तत्कालीन राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्यमंत्री माननीय श्री एस.आर. बालासुब्रह्मणयम द्वारा किया गया।
६ अगस्त, १९९६	ध्रुवशिला भवन का उदघाटन, तत्कालीन राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्यमंत्री माननीय श्री एस.आर. बालासुब्रह्मणयम द्वारा किया गया।
८ सितंबर, २००४	अस्पताल ब्लॉक का उद्घाटन तत्कालीन गृह मंत्री माननीय श्री शिराज वी. पाटिल द्वारा किया गया।
२६ जून, २०१५	आधारशिला ब्लॉक का उद्घाटन राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन, माननीय डॉ० जितेन्द्र सिंह द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण पद्धति

इस अकादमी का यह प्रयास रहता है कि देश के लिए ऐसा अधिकारी-तंत्र तैयार करने में मदद की जाए जो अपने पद की अपेक्षा, अपने कार्यों से सम्मान पा सकें। पाठ्य-विवरण को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उनकी निरंतर समीक्षा कर अद्यतन किया जाता है। ऐसा करने के लिए राज्य काउंसलरों के माध्यम से राज्य सरकारों से और अर्धवार्षिक सम्मलेनों में राज्य सरकारों की सलाह, प्रतिभागियों के फीडबैक और इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से भी समय-समय पर विचार-विमर्श किया जाता है। यह स्पष्ट है कि प्रवृत्तियों और मूल्यों की महत्ता को उजागर करने के लिए कक्षा-व्याख्यान की विधि बहुत उपयुक्त नहीं है। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूल के अनुसार चलते हैं, इसके अनुसार उपयुक्त विषय चुने जाते हैं और उसके सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, सुव्यस्थित तरीके से उसका व्यापक अध्ययन किया जाता है।

मॉड्यूल में निम्नलिखित सभी या कुछ विधियां प्रयुक्त की जाती हैं:-

- अकादमी के संकाय तथा अतिथि संकाय, दोनों द्वारा व्याख्यान
- विविध विचारों को जानने के लिए पैनल परिचर्चा
- प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी)
- फिल्में
- समूह परिचर्चा
- अनुकरण अभ्यास
- संगोष्ठियां
- मूट कोर्ट और मॉक ट्रायल
- आदेश और निर्णय लेखन अभ्यास
- प्रयोगात्मक निदर्शन
- समस्या समाधान अभ्यास
- रिपोर्ट लेखन (सत्र आलेख)
- समूह कार्य

फील्ड भ्रमणः

हिमालय ट्रैक- ऐसे ट्रैकों के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थी कठिन भू-क्षेत्र, अप्रत्याशित मौसम, अपर्याप्त आवास और खाद्य-पदार्थों कम उपलब्धता जैसी दशाओं में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की हिम्मत की परीक्षा होती है। इस यात्रा के दौरान उनकी वास्तविक सामर्थ्य और दुर्बलताएं सामने आ जाती हैं।

पिछड़े जिलों के गांव का दौरा

ऐसे दौरे अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की ग्रामीण जीवन की समस्याओं और वास्तविकताओं को समझने के लिए पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा किया जाता है। इन फील्ड भ्रमणों तथा लाभार्थियों के साथ विचार-विनिमय के जरिए, समाज पर सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव, कार्य अनुसंधान भी किया जाता है।

संघ-भाव को बढ़ावा

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केंद्रीय सेवा समूह 'क' के सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से ही अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत करते हैं। यह सरकारी क्षेत्र में कार्य करने का उनका पहला अनुभव होता है। परिणामस्वरूप, यह संस्था विभिन्न सिविल सेवाओं के युवा अधिकारियों के बीच जुड़ाव की भावना कायम करते हैं। इस प्रकार यह अकादमी अधिकारियों के बीच ऐसा भाईचारा स्थापित करती है कि वे अपने पुराने दिनों को याद करते हैं। अकादमी की यह अनोखी विशिष्टता, इसकी आधुनिक अवसंरचना के अतिरिक्त, नवीन एवं पुरातन का अनोखा मिश्रण है।

परिसर

अकादमी की मुख्य विशेषता यह है कि उसकी नवीनतम अवसंरचना के अतिरिक्त, उसके अद्वितीय पुरातन एवं नवीनता का मेल है। प्रसिद्ध शार्लेविले होटल जिसका निर्माण १८७० में किया गया था, अकादमी की अवस्थिति एवं आरंभिक अवसंरचना उपलब्ध कराता है तत्पश्चात इसका विस्तार किया गया। विभिन्न विगत पाठ्यक्रमों के दौरान नये भवन निर्मित किए गए तथा अन्य का अधिग्रहण किया गया। अकादमी तीन परिसरों शार्लेविले, ग्लेनमायर तथा इंदिरा भवन में फैला हुआ है। प्रत्येक की अपनी विशिष्ट प्रकृति है। शार्लेविले में नये प्रशिक्षणार्थियों को तथा संरचित पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जाता है। ग्लेनमायर में पूर्व का राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान अवस्थित है तथा इंदिरा भवन परिसर में सेवाकालीन प्रशिक्षण तथा अन्य विशिष्ट पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। अकादमी की अवसंरचनाओं का अतिरिक्त विवरण अनुलग्नक-१ में संलग्न है।

अध्याय -२

वर्ष २०१६-१७ के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

वित्तीय वर्ष २०१६-१७ के दौरान ला.ब.शा.रा.प्र.अ. की विभिन्न अनुसंधान इकाइयों द्वारा आयोजित गोष्ठियों/कार्यशालाओं के अतिरिक्तयावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गएए जिसमें कुल १७०३ प्रतिभागी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में उपस्थित रहे। निम्नलिखित तालिका वर्ष २०१६-१७ के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षणार्थियों का वितरण प्रदर्शित करती है। पाठ्यक्रम की विशेषताएं अध्याय-३ में दी गई है।

	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम समन्वयक श्री/श्रीमती	कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या		
				पु.	म.	योग
प्रवेशकालीन पाठ्यक्रम						
	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-I (२०१५ बैच)	सी.श्रीधर	२१.१२.२०१५ से १०.०६.२०१६ तक अवधि : २५ सप्ताह	१२५	५६	१८१
२.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-II (२०१४ बैच)	जसप्रीत तलवार	२६ जून, २०१६ से २६ जुलाई, २०१६ तक अवधि : ६ सप्ताह	१२४	५७	१८१
३,	६१वां आधारिक पाठ्यक्रम	श्रीमती अश्वती एस	०८ अगस्त, २०१६ से ०६ दिसंबर, २०१६ तक अवधि : १५ सप्ताह	२६३	८४	३७७
४.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-I (२०१६ बैच)	सी.श्रीधर	१२ दिसंबर, २०१६ से १२.०५.२०१७ अवधि : ६ सप्ताह	१४३	३७	१८०
५.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-II (२०१५ बैच)	तुलसी मद्दिनेनी	२२ मई, २०१७ से ३० जून २०१७ तक अवधि : ६ सप्ताह	१२५	६१	१८६
६.	राज्य सिविल सेवा से पदोन्नत/भा.प्र. सेवा की चयन सूची में आने वाले अधिकारियों के लिए ११८वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	तुलसी मद्दिनेनी	०१ अगस्त, २०१६ से १० सितंबर, २०१६ तक अवधि : ६ सप्ताह	४६	०७	५६
भा.प्र. सेवा अधिकारियों के लिए मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम						
७.	७ से ६ वर्ष की वरिष्ठता वाले भा०प्र० सेवा अधिकारियों के लिए १०वां मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम, चरण- III	जसप्रीत तलवार	२८ नवंबर, २०१६ से २३ दिसंबर, २०१६ तक अवधि : ४ सप्ताह	५४	०३	५७
८.	१४ से १६ वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए ११वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-IV	तेजवीर सिंह	२७ जून, २०१६ से २२ जुलाई, २०१६ तक अवधि : ४ सप्ताह	५४	०३	५७
६.	२६ से २८ वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए १०वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-V	राजीव कपूर	३ अक्टूबर २०१६ से २१ अक्टूबर, २०१६ अवधि : ३ सप्ताह	७८	१०	८८
कार्यशाला/सेमिनार तथा अन्य कार्यक्रम						
१०.	भा.प्र. सेवा तथा सैन्य बलों के लिए २२वां संयुक्त सिविल मिलिट्री कार्यक्रम	जयंत सिंह	१२ जून, २०१६ से १७ जून, २०१६ तक अवधि : ६ दिवस	४३	०४	४७
११.	१६६६ बैच के अधिकारियों का स्वर्ण जयंति पुनर्मिलन	एम.एच. खान	३० मई २०१६ से ३१ मई २०१६ तक अवधि : २ दिवस	८१	०७	८८
१२.	भा.प्र. सेवा अधिकारियों के लिए आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	जयंत सिंह	२३ मार्च, २०१६ से २५ मई, २०१६ अवधि : ३ दिवस	२०	०३	२३

१३.	जिला कलेक्टर तथा वरिष्ठ भा.प्र.से. अधिकारियों के लिए जिला आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	सी. श्रीधर	२५ जुलाई, २०१६ से २७ जुलाई २०१६ तक अवधि : ३ दिवस	२१	०६	२७
१४.	जिला संरक्षण तथा प्रबंधन पर एक मॉड्यूल सृजित करने के लिए कार्यशाला	सी. श्रीधर	१८ अगस्त २०१६ अवधि : १ दिवस	१९	०२	२१
१५.	नैतिकता एवं भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों के मॉड्यूल के विकास के लिए कार्यशाला	अश्वती एस०	२४ अगस्त २०१६ अवधि : १ दिवस	१२	०४	१६
१६.	क्षमता आकलन पर वैधीकरण कार्यशाला जेंडर के प्रति संवेदनशील परियोजना का प्रयोग	अश्वती एस०	२ फरवरी, २०१७ अवधि : १ दिवस	१०	१६	२६
१७.	महिलाओं और बच्चों पर मानव व्यापार रोकने के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम	अश्वती एस०	२० मार्च, २०१७ से २२ मार्च, २०१७ अवधि : ३ दिवस	१४	०६	२०
				१३१२	**३६१**	**१७०३**

अध्याय-३

पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां - विषेशताएं

अकादमी में प्रत्येक वर्ष कई पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें से आधारिक पाठ्यक्रम मुख्यतः ज्ञान पर आधारित होता है। व्यावसायिक पाठ्यक्रम मूलतः कौशल केंद्रित होता है तथा सेवाकालीन पाठ्यक्रम मुख्यतः सरकार में वरिष्ठ पदभार ग्रहण करने हेतु नीति निर्धारण क्षमताओं में वृद्धि करने पर केंद्रित होते हैं।

आधारिक पाठ्यक्रम (१५ सप्ताह)

यह पाठ्यक्रम अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों के लिए है : भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा एवं विभिन्न केंद्रीय सेवाएं (समूह -'क'), इसे अब वर्ष में सामान्यत : एक बार सितंबर से दिसंबर तक संचालित किया जाता है तथा सामान्यतः २६ अगस्त २०१६ से ०६ दिसंबर २०१६ तक आयोजित किया जाता है। चूंकि अधिकारी पशिक्षणार्थी सरकार में नए प्रवेशक होते हैं अतः हम उनको एक निर्धारित पाठ्य विवरण पाठ्यक्रम द्वारा राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा प्रशासनिक विषयों से अवगत कराने का प्रयास करते हैं।

९१वां आधारिक पाठ्यक्रम

(२६ अगस्त, २०१६ से ०६ दिसंबर, २०१६)

पाठ्यक्रम का लक्ष्य/लक्ष्य समूह	अखिल भारतीय सेवाओं, रॉयल भूटान सेवाओं की नई भर्ती
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती अश्वती एस., उपनिदेशक (वरि०)
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री सी. श्रीधर, उपनिदेशक (वरिष्ठ) श्री आलोक मिश्रा, उपनिदेशक (वरिष्ठ) श्री एम.एच खान, उपनिदेशक (वरिष्ठ) श्री आर रविशंकर, उपनिदेशक डॉ० सुनीता रानी, प्रोफेसर
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री राजीव कपूर, निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
विदाई समारोह संबोधन	श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के महामहिम राष्ट्रपति
प्रतिभागियों की संख्या	कुल ३७७ (पुरुष २९३, महिला ८४)

लक्ष्य

९१वें अधारिक पाठ्यक्रम का उद्देश्य ३७७ युवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में अधिकारी सदृश गुणों को विकसित करना है। आधारिक पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की विभिन्न सेवाओं में संबद्ध अधिकारियों में संघ-भाव को विकसित करना है। अकादमी रॉयल भूटान सिविल सेवा के अधिकारियों को भी ९१वें आधारिक पाठ्यक्रम के भाग के रूप में प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की। १५ सप्ताह का यह पाठ्यक्रम २६ अगस्त, २०१६ से आरंभ हो कर ०६ दिसंबर को समाप्त हुआ। यह प्रशिक्षण अध्ययन विषय तथा पाठयेत्तर गतिविधियों का एक सम्मिश्रण है जिसे अकादमी के संकाय के अतिरिक्त प्रशिक्षकों और सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों से बुलाए गए वक्ताओं के एक विवेक पूर्ण मिश्रण द्वारा पूरा किया जाता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को देश के प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिदृश्य की जानकारी देना।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सिविल सेवा में आने वाली चुनौतियों तथा अवसरों से अवगत कराना।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व की सभी विशेषताओं जैसे बुद्धिमत्ता, नैतिकता, शारीरिक तथा सौंदर्य का विकास करना।
- संघ–भाव को विकसित करके विभिन्न सिविल सेवाओं के सदस्यों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

आधारिक पाठ्यक्रम में कॉलेज तथा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक दुनिया से अलग सरकार की व्यवस्थित प्रणाली में कार्य करने पर ध्यान दिया जाता है। अधिकांश प्रतिभागियों के लिए यह पाठ्यक्रम सरकार और शासन एवं समाज में सरकार की भूमिका के बारे में पहला परिचय था। पाठ्यक्रम की रूपरेखा इस तरह से बनाई गई है ताकि शैक्षणिक, बाह्य क्रियाकलाप, पाठ्येत्तर तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का समिश्रण करके रेखांकित उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके। अकादमी का उद्देश्य प्रत्येक अधिकारी प्रशिक्षणार्थी को उन आधारिक मूल्यों, कौशलताओं तथा ज्ञान से तैयार करना है जो उनके व्यवसाय में सहायक हो। उन्हें सरकारी क्षेत्रों में प्रभावी कार्य-निष्पादन के लिए जरूरी शासन की बुनियादी अवधारणाओं, नियमों तथा विनियमों को समझने में उपयोगी प्रशिक्षण सामग्रियां उपलब्ध कराई जाती है।

शैक्षिक इनपुट

इस पाठ्यक्रम में लोक प्रशासन में शैक्षिक इनपुट दिए गए : प्रबंधन एवं व्यवहार ज्ञान, विधि प्रशासकों के लिए मूल अर्थशास्त्र राजनीतिक अवधारणा तथा संवैधानिक विधि, भारतीय इतिहास तथा संस्कृति एवं भाषाएं

इसके अतिरिक्त कक्षा रूम से बाहर की गतिविधियों द्वारा पाठ्येत्तर इनपुट दिए गए। (शारीरिक प्रशिक्षण, योग कक्षाएं तथा घुड़सवारी) सांस्ककृति गतिविधियां : पाठ्येत्तेयर मॉड्यूल

प्रशिक्षु अधिकारियों को परामर्शदाताओं तथा अन्य संकाय सदस्यों के साथ मिलने तथा उनके उनके आवास पर अनौपचारिक रूप से मिलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ये अनौपचारिक बैठकें अकादमी प्रशिक्षु अधिकारियों के सामुदायिक जीवन महत्वपूर्ण भाग समझा जाता है।

प्रशिक्षु अधिकारियों को जो अकादमी में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्टता दिखाते हैं को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान किए गए।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

हमने भूटान के अपने प्रशिक्षणार्थियों सहित विभिन्न सेवाओं के ३७७ अधिकारियों के साथ ९१वें आधारिक पाठ्यक्रम की यात्रा का आरंभ किया। प्रशिक्षणार्थियों को अधिकारी सदृश गुणों तथा प्रवृत्तियों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने और संघ-भाव को आत्मसात करने के लिए उन्हें जेंडर सेवा तथा क्षेत्र जैसे परिवर्तनशील परिस्थितियों पर समूहबद्ध, पुनः समूहबद्ध तथा क्रमबद्ध किया गया ताकि वे एक तो अल्प समय एवं दूसरा पाठ्यक्रम टीम की दो प्रतिकूल परिस्थितियों में चुनौतीपूर्ण कार्यों को निष्पादित कर सके।

यद्यपि इन्होंने कक्षा में आचार नीति, शिष्टाचार तथा नेतृत्व की बुनियादी जानकारी प्राप्त की तथापि ये अन्य स्थानों के अलावा रूप कुंड तथा रुपिन पास की कठिन ऊंचाइयों सहित कैम्पटी फॉल, बिनोग हिल तथा लाल टिब्बा के लघु ट्रेकों के दौरान खराब मौसम और घातक जोंक से भी झूजते रहे।यद्यपि इन्होंने विभिन्न अन्य विधाओं के अलावा विधि, लोक प्रशासन तथा अर्थशास्त्र की गहन पढ़ाई की तथापि वे भारत दिवस समारोह के दौरान सूक्ष्म जगत अर्थात भारत की संस्कृति और परंपराओं को इस मंच पर प्रदर्शित करने के लिए देर रात तक कठिन परिश्रम करते रहे।आईसीटी लैब सत्रों में नए युग की सूचना प्रोद्यौगिकी के बारे में उनकी कौशलता को निखारा गया जबकि भारत के गांवों के भ्रमण कार्यक्रम से शुरूआती स्तर पर प्रशासन की वास्तविकताओं को समझने का अवसर मिला।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी
- श्री के.के. पॉल महामहिम राज्यपाल उत्तराखंड
- श्री दिनेश अग्रवाल, केबिनेट मंत्री, उत्तराखंड सरकार
- श्री किरेन रीजीजू, माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री
- सुश्री के. गंगा, उप-महालेखा नियंत्रक एवं परिक्षक, नई दिल्ली
- श्री नंद कुमार सर्वाडे, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), मुंबई
- श्री अपुपम कॉल, उप- महालेखा नियंत्रक एवं परिक्षक, नई दिल्ली
- श्री नवीण वर्मा, सचिव, डोनेर, नई दिल्ली
- एन. गोपाला स्वामी, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, चैन्नई
- लेफ्टिनेंट जेनरल श्री सईद अटा हसनैन, (सेवानिवृत्त), गुड़गांव, हरियाणा
- डॉ० ज्ञानेन्द्र डी बडगैयां, महानिदेशक, सुशासन राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली
- मेजर जे. बलराज मेहता, एस.एम.जी.आो.सी, यू.के. उप डिविजन, उत्तराखंड
- श्री जोश फेलमन, सहायक निदेशक, आई.एम.ए. नई दिल्ली
- श्री राजीव लोचन, प्रो. पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ
- श्री अनिल कुमार सिन्हा, निदेशक, सी.बी.आई., नई दिल्ली
- श्री जयप्रकाश नरायण, संस्थापक, लोक सत्ता पार्टी
- सुश्री राजेशवरी सेनगुप्त, सहायक प्रो. इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई
- डॉ० अजय साह, प्रो. एन.आई.पी.एफ.पी. नई दिल्ली
- श्री गुरूचरण दास, प्रबंधन परामर्शदाता एवं लेखक, नई दिल्ली
- प्रो. हिमांशु राय, आई.आई.एम., लखनऊ
- श्री के.एस. समरेन्द्रनाथ, निदेशक स्टील मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री प्रवेश शर्मा, विजिटिंग सिनियर फैलो, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध पर भारतीय अनुसंधान परिसर, नई दिल्ली
- श्री प्रजापति त्रिवेदी, लोक नीति संलग्न प्रोफेसर, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद
- डॉ० निलंजन सरकार, सिनियर फैलो, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली
- डॉ. अनिल काकोदकर, भारतीय नाभीकीय वैज्ञानिक, मुंबई
- श्री सुरेन्द्र एस. जोधका, सोसियोलॉजी प्रोफेसर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय
- श्री आर. लक्ष्मणन, भा.प्र.सेवा, प्रबंधन निदेशक, नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, बिहार
- श्री चेरियान थॉमस, सी.ई.ओ. एंड राष्ट्रीय निदेशक, वल्ड विजन इंडिया काडाम्बकम, चेन्नई
- श्री एस.एस. नेगी, महानिदेशक, वन, विशेष सचिव, वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ० अरघया सेन गुप्ता, अनुसंधान निदेशक, विधि नीति हेतु विधि केंद्र, नई दिल्ली
- श्री नजीब साह, अध्यक्ष आयकर एवं उत्पाद शुल्क केन्द्रीय बोर्ड, नई दिल्ली
- सुश्री सौम्या संबासिवन, आई.पी.एस, पुलिस अधिक्षक, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश
- सश्री शिखा शर्मा, महा प्रबंधक एवं सी.ई.ओ. एक्सिस बैंक लि. मुंबई
- श्री नरेश भारद्वाज अवर सचिव, सर्तकता, नई दिल्ली
- श्री रूपक डी तालुकदार, अवर सचिव वित्त, नई दिल्ली
- श्री टी.वी. सोमानाथन, भा.प्र.से., प्रधानमंत्री के संयुक्त सचिव, पीएमओ, नई दिल्ली
- श्री नजीबजंग माननीय ले. गवर्नर, नई दिल्ली
- श्री इंजेती श्रीनिवास, एथलेटिक मिट के मुख्य अतिथि
- श्री राजेश अग्रवाल, संयुक्त सचिव, जनजातीय मामले मंत्रालय, नई दिल्ली

- सुश्री शालिनी रजनिस, मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, बैंगलुरू
- श्री राजीव के. कुंडी, उप निदेशक, आई.एस.टी.एम., नई दिल्ली
- सुश्री रानी सिंह नायर, अध्यक्ष प्रत्यक्षकर, केंद्रीय बोर्ड, नई दिल्ली
- विंग कमोडोर ए.के. श्रीनिवास (सेवानिवृत्त) संस्थापक निदेशक, ए.आई.पी.ई.आर., हैदराबाद
- श्री बी.वी. आर. सुब्रह्मणयम, भा.प्र. सेवा, मुख्य सचिव, गृह मंत्रालय, छत्तीसगढ़ सरकार
- श्री जयंत सिंह, संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, विनियमन, नई दिल्ली
- श्री अरविंद मोदी, प्रधान सी.सी.आई.टी. एवं अध्यक्ष टी.पी.आर.यू., नई दिल्ली
- सुश्री निरा चंदौक, प्रो. राजनीति विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- श्री अश्विनी लोहानी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एयर इंडिया लि., नई दिल्ली
- श्री रविन्द्र कुमार, भा.प्र.सेवा, मुख्य विकास अधिकारी, जिला सीतापुर, उत्तरप्रदेश
- श्री एस. प्रभाकरण, उप वन संरक्षक, कोपाल डिविजन, कर्नाटक
- श्री सुहेल शर्मा, ए.एस.पी. कोलहापुर, महाराष्ट्र
- श्री फैजन मुस्तफा, वाइस चांसलर, नालसार, विधि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- श्री टी.आर. रघुनंदन सलाहकार नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली
- सुश्री सुनीता कृष्णन, प्राजवाला, हैदराबाद
- श्री प्रमेश्वरण अय्यर, सचिव, पेय जल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री प्रजापति त्रिवेदी, लोक नीति संलग्न प्रोफेसर, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद
- सुश्री किरण बेदी, माननीय ले. गवर्नर, पुडुचेरी
- सुश्री श्रुति मोहोपात्रा, मुख्य अधिशासी, स्वाभिमान, ओडिशा
- श्री प्रजापति त्रिवेदी, लोक नीति संलग्न प्रोफेसर, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद
- श्री मुकेश जैन, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री के. विजय कुमार, भा.पु.सेवा, (सेवानिवृत्त) वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० अजय गोदावर्थी, राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जे.एन.यू, नई दिल्ली
- डॉ० आशिश बहुगुणा, अध्यक्ष खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रतिकार, भारत, नई दिल्ली
- प्रो. गुरप्रित महाजन, राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जे.एन.यू., नई दिल्ली
- श्री जयंत सिंह, संयुक्त सचिव राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद विनियमन, नई दिल्ली
- श्री जी.के. बंसल, निदेशक, एन.सी.जेड.सी.सी. इलाहाबाद
- श्री अनिल स्वरूप, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, कोल मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री प्रेम सिंह, पूर्व संयुक्त निदेशक, राजभाषा, नई दिल्ली

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। (२६ सप्ताह)

आधारिक पाठ्यक्रम के पश्चात भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। में पहुंचते हैं। यह पाठ्यक्रम उस वातावरण की समझ को मजबूत करने का प्रयास करता है, जिसके अंतर्गत भा.प्र. सेवा के अधिकारी को कार्य करना होता है। जन व्यवस्था एवं उसके प्रबंधन पर बल दिया जाता है। चरण-। के दौरान भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को शीतकालीन अध्ययन भ्रमण पर भेजा जाता है जिसमें तीन सेना बलों, सार्वजनिक उपक्रम, निजी सेक्टर, नगर निगम निकाय, स्वैच्छिक एर्जेसियां, जनजाति क्षेत्र, निजी क्षेत्र तथा गैर सरकारी संगठन के साथ संबद्धता शामिल है। सेना बलों के साथ संबद्धता से उनकी भूमिका की बेहतर सराहना का प्रयोजन पूरा होता है। संसदीय अध्ययन ब्यूरो के साथ प्रशिक्षण तथा संवैधानिक प्राधिकारियों के साथ भी प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है।

ये संबद्धताएं अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को देश की विविध मोजेक का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। उन्हें विभिन्न संगठनों की कार्य पद्धति को नजदीक से देखने तथा समझने का अवसर भी प्राप्त होता है। तत्पश्चात,

अधिकारियों को कक्षाकक्ष प्रशिक्षण की व्यवस्था से गुजरना होता है। अतः भारत सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को लोक प्रशासन, प्रबंधन, विधि, कंप्यूटर तथा अर्थ शास्त्र के व्यावसायिक विषयों की शिक्षा दी जाती है। चरण-। पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को एक वर्ष के जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। (२०१५-१७ बैच)

(२१ दिसंबर, २०१४ से १० जून, २०१६ तक)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	भा.प्र. सेवा में नवनियुक्त अधिकारियों के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती सी. श्रीधर, उपनिदेशक (वरिष्ठ)
सह- पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती अश्वती एस., उपनिदेशक (वरिष्ठ) श्री आर. रविशंकर उपनिदेशक डॉ० सुनीता रानी, प्रोफेसर
विदाई समारोह	सुश्री वृंदा स्वरूप, भा.प्र.सेवा, सचिव, खाद्य एवं जनवितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, भारत सरकार, नई दिल्ली
कुल प्रतिभागी	१८१ (पुरुष -१२५, महिला- ५६)

लक्ष्य

- एक प्रभावी सिविल सेवक बनने के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के ज्ञान, कौशल तथा मनोभावों में वृध्दि करना।
- आचार - नीति एवं विकासात्मक प्रशासन से संबंधित लर्निंग एक्सपीरियेंस से अवगत करना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य में हमारी उभरती सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक - विधिक प्रवृत्तियों से अवगत होना, भा०प्र० सेवा की उभरती भूमिका एवं अन्य सेवाओं के साथ अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझना।
- सेवा (कैरियर) के पहले दशक में निम्न क्षेत्रों में प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्राप्त करना :
    - विधि एवं विधिक कार्यवाहियां
    - प्रशासनिक नियम, प्रक्रियाएं तथा कार्यक्रम दिशानिर्देश
    - आधुनिक प्रबंधन साधन तथा
    - आर्थिक विश्लेषण
- अपनी प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक लोकाचार की बेहतर समझ के लिए आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में कुशलता सिध्द करना।
- आवंटित राज्य की सांस्कृतिक तथा सामाजिक - आर्थिक पृष्ठभूमि को समझना।
- अंतर्वैयक्तिक तथा संगठनात्मक, दोनों संदर्भों में लिखित/मौखिक संप्रेषण कौशल का प्रभावी प्रदर्शन करना।
- उचित जीवन मूल्यों एवं मनोभावों का प्रदर्शन करना।
- शारीरिक स्वास्थता को बनाए रखना।
- ''शीलम परम भूषणम्'' की भावना पर दृढ़ रहना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा तथा विषय

चरण- ८ कार्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा ज्ञान एवं विषय वस्तु के संदर्भ सोच-समझ कर सामान्य बनायी गई है। अध्ययन, शिक्षा, खेल-कूद तथा मनोरंजन को पर्याप्त स्थान देते हुए यहां अधि० प्रशि० में ज्ञान, कौशल तथा मनोभावों का एक ऐसा परिवेश तैयार किया जाता है जिससे वे कार्यक्षेत्र तथा पहल दोनों में भावी उत्तरदायित्वों को उठा पाने में सक्षम होंगे जो कि काफी चौंकाने वाली तथा पेचीदगी भरी होती है।

२५ सप्ताह का भा०प्र० सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण-। २०१५ बैच २१ दिसंबर, २०१५ को प्रारंभ हुआ तथा १० जून, २०१६ को समाप्त हुआ था। इसमें दो मुख्य घटक थेः-

- शीतकालीन अध्ययन भ्रमण एवं बीपीएसटी (नौ सप्ताह का कार्यक्रम - २५ दिसंबर, २०१५ से २६ फरवरी, २०१६ तक हुआ था)।
- ८ मार्च, २०१६ से १० जून, २०१६ तक ऑन कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

चरण-। पाठ्यक्रम एक पूर्णकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है जिसमें पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतिविधियों का मिश्रण होता है। दिन की शुरूआत पोलोग्राउंड में शारीरिक व्यायाम के साथ ६:३० बजे शुरू होती है। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ क्लब तथा सोसाइटियों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे।

शैक्षणिक विषय

ऑन कैंपस शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम ८ मार्च, २०१६ को आरंभ हुआ था। हालांकि ''भारतीय प्रशासकि सेवा (अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की अंतिम परीक्षा) विनियम, १९५५'' के अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम एक आधारिक पाठ्यक्रम है, तथापि भा०प्र० सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं में परिवर्तन करने के लिए समुचित संशोधन किए गए हैं। शैक्षणिक मॉड्यूल विषयवार तैयार किए जाते हैं जिसमें अलग-अलग कार्य के ऐसे विषय शामिल किए जाते हैं जो विभिन्न कार्य-क्षेत्रों में भा०प्र० सेवा के अधिकारियों को करना होता है। इसमें विधि, अर्थशास्त्र, राजनैतिक सिद्धांत तथा संविधान, भाषा एवं आई.सी.टी. के व्यापक सत्र आयोजित किए गए।

अपनाई गई प्रशिक्षण कार्य-प्रणाली में अन्य बातों के साथ-साथ मिश्रित व्याख्यान, प्रकरण अध्ययन परिचर्चा, सेमीनार, पैनल चर्चा, आदेश लेखन अभ्यास, मूट कोर्ट तथा मॉक ट्रायल, मेनेजमेंट गेम तथा रोल प्ले समूह अभ्यास, फिल्म, क्षेत्रीय तथा आउटडोर भ्रमण कार्यक्रम शामिल है। अधिकारियों को संबोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ एवं ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया।

एक भा.प्र. सेवा अधिकारी के बतौर अधिकारी प्रशिक्षणार्थी को आवंटित राज्य भाषा में निपुण होना होता है। चरण-। पाठ्यक्रम में वैधानिक भाषा परीक्षा आयोजित की गई। अधिकारी प्रशिक्षणार्थी जो पहले से ही संवर्ग की भाषा से परिचित थे उनको भाषा के प्रशासनिक प्रयोग में विकसित अनुदेश उपलब्ध कराए गए तथा उनसे वैकल्पिक मॉड्यूल एवं गतिविधियां भी कराई गई। प्रशिक्षु अधिकारियों से अपना राज्य पेपर संवर्ग की भाषा में प्रस्तुत करने को कहा गया जबकि उनकी हार्ड कॉपी भी अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत किया जा सकता है। चरण-। का आईसीटी का मॉड्यूल अधिकारी प्रशिक्षणार्थी को किसी सिस्टम का कंप्यूट्रीकरण करने में उपयोग होने वाले कॉनसेप्ट/विषय, क्लाइंट/सर्वर कंप्यूटिंग, ई-गवर्नेन्स इत्यादि से परिचित करने हेतु डिजाइन किया गया है। इस विषय का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को कंप्यूटर प्रोफेशनल बनाना नहीं है बल्कि उनको वास्तविक कार्य वातावरण से परिचित कराना है।

मूल्यांकित शैक्षिक कार्य : - पाठ्यक्रम में पुस्तक समीक्षा तथा स्टेट टर्म पेपर के माध्यम से एक स्वअध्ययन आधारित तत्व भी उसके डिजाइन में समाहित किए गए थे जिसे परामर्शी समूह बैठक में आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में प्रस्तुत किया गया, शीतकालीन अध्ययन भ्रमण समूह प्रस्तुतियां, वैयक्तिक शीतकालीन अध्ययन डायरी तथा यात्रावृत्त, बाह्य गतिविधियों में भागीदारी, पाठ्यत्तर गतिविधियों में भागीदारी भी इसमें शामिल थे।

बाह्य गतिविधियां : भा.प्र. सेवा में कैरियर अक्सर कार्यलय केंद्रित तथा तनावपूर्ण होता है। सेवा के अधिकारी का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना सेवा की आवश्यकता है। चरण-। पाठ्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम की आदत विकसित करने एवं बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सुबह का शारीरिक प्रशिक्षण अनिवार्य होता है। शारीरिक व्यायाम तथा बाह्य गतिविधियां इस पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण भाग होता है।

पाठ्येतर गतिविधियां : अधिकारी जिनका कार्यालयी कार्य के अतिरिक्त अन्य रूचियां भी होती है वह सेवा में उत्पन्न होने वाले तनाव से अधिक सक्षमता से निपट सकते हैं। चरण-। पाठ्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को मॉड्यूल द्वारा सृजनात्मक गतिविधियों में रूचि उत्पन्न करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

आंचलिक दिवस : अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा चरण-। पाठ्यक्रम में आंचलिक दिवस आयोजित किया गया। आंचलिक दिवस आयोजित करने का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को उनके आवंटित संवर्गों की संस्कृति एवं खान-पान से परिचित करना है। प्रत्येक क्षेत्र के लिए समूह का गठन आवंटित राज्य पर आधारित होगा।

अंतर - सेवा संगम : क्लब एवं सोसाइटियों द्वारा एक अंतर सेवा अधिकारी संगम भी ०७ अप्रैल २०१६ से १० अप्रैल, २०१६ के दौरान आयोजित किया गया। इस समागम में अध्ययन तथा पाठ्येतर प्रतियोगिता का आयोजन शामिल थे जिससे अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अन्य सेवाओं के अपने बैच के साथियों से परस्पर संपर्क करने का अवसर प्राप्त हुआ तथा विभिन्न सेवाओं के बीच सौहार्द एवं संघ भाव को प्रोत्साहित किया।

नवाचार सम्मेलन : पाठ्यक्रम के अंतिम सप्ताह में एक नवाचार सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट प्रयास एवं नयाचार पद्धतियों को विकसित करने वाले अधिकारियों द्वारा अन्य अधिकारियों के साथ साझा किया गया।

मॉड्यूल : विषय पर आधारित जिला प्रशासन मॉड्यूल : भू-प्रशासन, ग्रामीण विकास विकेन्द्रीकरण, कृषि एवं पीडीएफ, मीडिया नेतृत्व मॉड्यूल, कार्यालय प्रबंधन, सामाजिक क्षेत्र (स्वास्थ्य), सामाजिक क्षेत्र (शिक्षा) सामाजिक सुरक्षा, ई-गवर्नेन्स एवं बीपीआर, लोक वित्त, नगर निगम प्रशासन, प्रशासकों के लिए अवसंरचना एवं इंजीनियरिंग कौशल, वातावरण, वन एवं जनवायु परिवर्तन, कानून एवं व्यवस्था, आपदा प्रबंधन नीतियां, नैतिक एवं भ्रष्टाचार निवारण नीतियां तथा चुनाव और नवाचार संगोष्ठियां भी पाठ्यक्रम के दौरान आयोजित की गई।

सराहनीय कार्य निष्पादन के लिए पुरस्कार : व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। के दौरान भा.प्र. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अध्ययन एवं पाठ्येतर गतिविधियों में सराहनीय निष्पादन के लिए उनको पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- डॉ० जी.डी. बडगैयां, भा.प्र.सेवा (सेवानिवृत्त) महानिदेशक, एन.एस.जी.जी, नई दिल्ली
- श्री बिपलब पॉल, निदेशक नईरीता सर्विसेज प्राईवेट लि., गुजराज
- श्री डी बालामुरूगन, भा.प्र.से., सी.ई.ओ, बिहार रूरल, लाईलीहुड्स प्रमोशन सोसाइटी, बिहार सरकार
- श्री नारेन्द्रनाथ दामोदरन, इंटिग्रेटर, प्रदान
- श्री एम.के. प्रधान, अपर कार्यकारी निदेशक, सिक्किम औरगेनिक मिशन, कृषि विभाग, सिक्किम सरकार
- श्री अनुप कॉल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, सवावेशी वृत्ति, बेसिक एकेडमी फॉर बिल्डिंग, लाइफ लॉन्ग, इंप्लाईबिलिटी, लि.
- सुश्री अलका मित्तम, जी.एम. अध्यक्ष, सीएसआर, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस लिमिटेड
- श्री मनोज कुमार, वरिष्ठ सलाहकार, टाटा ट्रस्ट
- श्री एस.एन. सिंह, जी.एम. (सीएसआर) कोल इंडिया लिमिटेड
- श्री अनिर्वान घोष, उप अध्यक्ष (सस्टेनेबिलिटी) महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा
- श्री आतरी भट्टाचार्य, भा.प्र.से. मुख्य सचिव, सूचना एवं संस्कृति मामले, पश्चिम बंगाल सरकार
- श्री अनुप कॉल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, सवावेशी वृत्ति, बेसिक एकेडमी फॉर बिल्डिंग, लाइफ लॉन्ग, इंप्लाईबिलिटी, लि.
- सुश्री पल्लवी गुप्ता, अशोका फैलो, प्रबंध निदेशक, ५वां स्टेट
- सुश्री मुनेरा सेन, निदेशक एवं पाठ्यक्रम निदेशक, कॉमन परपज इंडिया
- श्री संजीव चोपड़ा, भा.प्र.से. प्रधान सचिव, उद्योग विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर
- श्री पी.के. सिन्हा, भा.पु.से., पुलिस महानिरीक्षक, साइबर सुरक्षा, पी.एच.पी, पंचाब सरकार, चंडीगढ़
- डॉ० अमर के.जे.आर. नायक, प्रो. रणनीति प्रबंधन जेवियर प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर
- श्री निशांत वर्वादे, भा.प्र.से. कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, भोपाल, मध्यप्रदेश
- श्री ए.पी.एम. मुहम्मद हनीश, भा.प्र.से. सचिव, केरल सरकार, सचिवालय, त्रिवनंतपुरम, केरल
- डॉ० डी.पी. उनियाल, एसोसिएट प्रोफेसर मार्केटिंग एण्ड रिटेलिंग, आई.आई.एम. यू.एस. नगर, उत्तराखंड
- श्री मुनेश मॉडगिल, भा.प्र. सेवा, आयुक्त सर्वे सेटलमेंट एण्ड लैंड रिकॉर्ड, बैंगलुरू

- श्री ऑनजन्य कुमार सिंह, भा.प्र.से. विशेष सचिव, सिंचाई एवं जल संस्थान, जल संसाधन विभाग, उत्तरप्रदेश सरकार, लखनऊ
- विंग कमोडोर, ए.के. श्रीनिवास (सेवानिवृत्त) कार्यक्रम प्रबंधनक विशेषज्ञ, आई.सी.आई.एस. परियोजना, महाराष्ट्र सरकार, पुणे
- डॉ० मघु वर्मा, प्रोफेसर, पर्यावरण एवं विकास अर्थशास्त्र समन्वयक, सेन्टर फॉर इकॉलोजिकल सर्विसेज मैनेजमेंट, आई.आई.एम. ऑफ फोरेस्ट मैनेजमेंट, भोपाल, मध्यप्रदेश
- डॉ० पी.जी. दिवाकर, उपनिदेशक, आर.एस. एवं जी.आई.एस.ए.ए. राष्ट्रीय रिमोट सेसिंग सेंटर, हैदराबाद, तेलंगाना
- श्री पंकज कुमार, भा.प्र.से., जिला मजिस्ट्रेट, जिला आगरा, उत्तरप्रदेश
- श्री सुरेन सिस्ता, मार्केटिंग प्रोफेसर, प्रबंधन संस्थान, कोलकाता
- प्रो. संजोय हजारिका, निदेशक, उत्तरपूर्व अध्येयन तथा नीति अनुसंधान केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- सुश्री सौम्या संबासिवन, भा.पु.से., पुलिस अधिक्षक सिरमौर, हिमाचल प्रदेश
- डॉ० आरोमर रेवी, निदेशक, इंडियन इंस्टट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट बैंगलौर (कर्नाटक)
- श्री अजोय मेहता, भा.प्र. सेवा, नगर निगम आयुक्त ग्रेटर मुंबई, निगर निगम, मुंबई (महाराष्ट्र
- डॉ० प्रेम सिंह, भा.प्र.सेवा, निदेशक, (जापान) आर्थिक मामले विभाग, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
- सुश्री निधी शर्मा, आई.आर.एस., अतिरिक्त निदेशक, आयकर, मानव संसाधन विभाग, निदेशालय, नई दिल्ली
- श्री प्रमेश्वरन अय्यर, भा.प्र.से., सचिव, पेय जल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ० देबोलिना कुंडू, एसोसिएट प्रोफेसर, शहरी विभाग, राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली
- श्री सजीस कुमार नायर, उप सचिव स्मार्ट सिटी मिशन, भारत सरकार, शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री वी. रविचंद्र, अध्यक्ष फिडबैक परामर्श, बैंगलौर (कर्नाटक)
- श्री संजय सेठी, भा.प्र.से. मुख्य अधिशासी अधिकारी, एम.आई.डी.सी. महाराष्ट्र सरकार, मुंबई
- श्री निशिथ कुमार, नॉलेज लिंक्स इंडिया, नई दिल्ली
- श्री नीतिन सिंह भदोरिया, भा.प्र.सेवा, नगर निगम आयुक्त, नगर निगम, देहरादून, उत्तराखंड
- डॉ० वी. भाषकर, भा.प्र.से. (सेवानिवृत्त) सिकंदराबाद, तेलंगाना
- श्री एल.एन. पंत, निदेशक, कोषागार, पेंशन एवं पात्रता, उत्तराखंड सरकार, देहरादून
- श्री प्रशांत एम. वादनेरे, भा.प्र. सेवा, उप सचिव, वित्त विभाग, सदस्य सचिव, राज्य वित्त आयोग, तमिलनाडु सरकार, चेन्नई
- श्री अमिताभ प्रसाद, भा.प्र.सेवा, राज्य मंत्री, कोयला प्रभाग के ओ.एस.डी. भारत सरकार, कोयला मंत्रालय, शास्त्री भावन, नई दिल्ली
- सुश्री सारोन बानहाट, संकाय, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
- श्री शैलेश पाठक, कार्यकारी निदेशक, भारतीय ग्रुप, गुड़गांव
- श्री कार्तिकेन मिश्रा, भा.प्र.से. उद्योग निदेशक, उद्योग विभाग, हैदराबाद, आंध्रप्रदेश
- श्री आर. लक्ष्मण, भा.प्र.सेवा, प्रबंधन निदेशक नॉर्थ बिहार, पावर डिस्ट्रिब्यूशन, कंपनी लिमिटेड, पटना, बिहार
- श्री अमरजीत सिन्हा, भा.प्र.सेवा, अपर सचिव, भारत सरकार, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० डारेज अहमद, भा.प्र.सेवा, मिशन निदेशक, एन.एच.एम, तमिलनाडु, चेन्नई
- श्री बालामुरूगण डी., भा.प्र.सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, दरभंगा, बिहार
- श्री सुशील रमोला, सी.ई.ओ., बीएबल बेसिक्स एकेडमी फॉर बिल्डिंग लाइफ लॉन्ग इंप्लोइबिलिटी लिमिटेड, नई दिल्ली
- श्री मनोहर लाल खट्टर, माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा
- श्री मुकेश जैन, भा.पु.सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, सामाजिक न्याय तथा असक्तता विभाग के सशक्तिकरण विभाग मंत्रालय, नई दिल्ली।
- श्री मनोज झलानी, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री अमित कुमार घोष, भा.प्र.सेवा, मिशन निदेशक (एन.एच.एम.) उत्तरप्रदेश सरकार, लखनऊ
- श्री एस. शिवा कुमार, समुह अध्यक्ष कृषि एवं आई.टी. वेबसाइट आई.टी.सी. लिमिटेड, सिकंदराबाद
- डॉ० सतीष बी. अग्निहोत्री, भा.प्र.सेवा (सेवानिवृत्त) पूर्व सचिव (समन्वयन एवं लोक शिकायत) मंत्रीमंडल सचिवालय, भारल सरकार नई दिल्ली
- श्री पी.के. मिश्रा भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त) प्रधानमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव, भारत सरकार, प्रधानमंत्री कार्यालय नई दिल्ली
- श्री प्रवेश शर्मा, भा.प्र.सेवा (सेवानिवृत्त) विजिटिंग सिनियर फैलो, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध पर भारतीय अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
- श्री इकबाल धालिवाल, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त) उपनिदेशक, जेपाल एवं वैज्ञानिक निदेशक, जेपाल साउथ एशिया, नई दिल्ली

- श्री मनोज राजन, आई.एफ.एस., अपर सचिव (बाजार सुधार) सहयोग विभाग एवं सी.ई.ओ. एवं एम.डी. आर.ई.एम.एस.एल. कर्नाटक सरकार, बैंगलोर
- डॉ० ए. संतोष मैथ्यू, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव (दक्षता/आई.टी.) भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास विभाग, नई दिल्ली
- राजेश पी. पाटिल, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जिला मयूरभंज, ओडिशा
- श्री एस.के. दास, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) ग्राम मैसूर, कर्नाटक
- डॉ. सेबल गुप्ता, एशियन डवलपमेंट रिसर्च संस्थान, पटना, बिहार
- श्री संजय भूस रेड्डी, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री तुकाराम मुंडे, भा.प्र. सेवा, नगर आयुक्त, नवी मुंबई नगर, कॉरपोरेशन
- श्री सोमनाथ जाधव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सिंचाई परियोजना, जैन सिंचाई सिस्टम लिमिटेड
- श्री ए. गुरूनाथन, निदेशक, धन वाया लागम संस्थान
- सुश्री रितु सिंह, भा.प्र.सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, सुरगुजा जिला, छत्तीसगढ़
- श्री एन. प्रशांत, भा.प्र.सेवा, जिला कलेक्टर, कोजिकोट जिला
- श्री वेंकटकृष्णन एन., निदेशक गीव इंडिया
- श्री प्रवीण गेदाम, भा.प्र.सेवा, आयुक्त नासिक, नगर कॉरपोरेशन
- श्री प्रशांत शुक्ला, राष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया
- श्री बी.एम. मोदी, प्रबंधन निदेशक, गुजराज स्टेट, शिर्ष कॉरपोरेशन लिमिटेड, गुजरात, सरकार
- श्री आमिस्ट्रॉन्ग पामे, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, (टी.ए.) एवं हिल्स/पी.एच.ई.डी, मणिपुर सरकार
- श्री कशिश मित्त, भा.प्र. सेवा, जिला कलेक्टर, तवांग
- सुश्री रंजना चोपड़ा, भा.प्र. सेवा, आयुक्त सह सचिव, स्कूल एवं जन शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार, भूवनेश्वर
- श्री आर.के. ककाणी, एक्स.एल.आर.आई. जेविया स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सर्किट हाउस एरिया, जमशेदपुर
- श्री संजय बहादुर, आई.आर.एस., आयकर आयुक्त (अपील) मित्तल न्यायालय, मुंबई
- श्री सोनल अग्निहोत्री, पुलिस अधिक्षक, केन्द्रीय अन्वेशन ब्यूरो, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- श्री आर. लक्ष्मणन, भा.प्र. सेवा, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, बिहार सराकर, पटना, बिहार
- डॉ० एन यूराज, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर, विशाखापतनम, आंध्रप्रदेश
- प्रो. के. सिता प्रभु, टाटा चेयर प्रोफेसर प्रोग्राम, डाएरेक्ट प्राईमिनिस्टर रूरल डेवलपमेंट फैलोज स्कीम टी.आई.एस.एस.एस., मुंबई
- डॉ० अजय कुमार, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० सोनाली घोष, आई.एफ.एस., वैज्ञानिक एफ. भारत वन्य संस्थान चंद्रवानी, देहरादून, उत्तराखंड
- डॉ० रवि श्रीवास्व, प्रोफेसर सेंटर फॉर स्टडी ऑफ रिजनल डेवलपमेंट स्कूल ऑफ सोसल साइंसेज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- डॉ० संदीप शास्त्री, प्रो वाइस चांसलर, जे.एन. विश्वविद्यालय, नेशनल समन्वयक, बैंगलोर
- श्री अतुल गुप्ता, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य सचिव, उत्तरप्रदेश सरकार
- प्रो. सतीश देश पांडे, समाज शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- सुश्री डी. थारा, भा.प्र. सेवा, नगर आयुक्त, अहमदाबाद, नगर निगम, अहमदाबाद
- श्री विकास गुप्ता, भा.प्र. सेवा, निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय, हरियाणा सरकार, चंडीगढ
- डॉ० तेजस्वी एस. नायक, नगर आयुक्त भोपाल नगर निगम, भोपाल
- श्री प्रवीण प्रकाश, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव (एसडीएम) शहरी विकास मंत्रालय, भारत सराकर, नई दिल्ली
- श्री सुहास पालसीकर, निदेशक (लोक नीति) तथा प्रोफेसर राजनीति तथा लोक प्रशासन विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे (महाराष्ट्र)
- श्री मन्निवानन पी., भा.प्र. सेवा, प्रबंध निदेशक, कर्नाटक, अरबन वाटर सप्लाई एंड रेनेज बोर्ड, कर्नाटक सराकर, बैंगलोर, कर्नाटक
- श्री मैरियो मोसकेरा, मुख्य संचारक विकास, यूनिसेफ इंडिया, कंट्री ऑफिस, नई दिल्ली
- सुश्री शालिनी प्रसाद, वॉस विशेषज्ञ, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, नई दिल्ली
- श्री जे.पी. शुक्ला, नॉलेज लिक्स इंडिया, नई दिल्ली
- सुश्री एम. गिथा, भा.प्र.सेवा, मिशन निदेशक एस.बी.एम.जी., छत्तीसगढ़

- श्री प्रशांत नरनावरे, भा.प्र.सेवा, कलेक्टर ओसमानाबाद, महाराष्ट्र
- श्री अरविंद श्रीवास्तव, भा.प्र.सेवा, सचिव, वित्तीय विभाग, कर्नाटक सरकार बैगलोर
- श्री एम.एन. विद्याशंकर, भा.प्र.सेवा (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमिकंडेक्टर एसोसिएशन, बैगलोर
- श्री उपेन्द्र त्रिपाठी, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, नवीकरण एवं पुनः नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री सुधीर कुमार भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) सलाहकार सड़क निर्माण विभाग, बिहार सरकार
- श्री अरूण गोयल, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव, परियोजना मॉनिटरिंग समूह, भारत सरकार, मंत्रीमडल सचिवालय, नई दिल्ली
- श्री कृष्ण सिंह रौतेला, पीपीपी कोष्ठ, उत्तराखंड सराकर, देहरादून
- श्री अरूण जेटली, माननीय वित्त मंत्री
- डॉ० एम.वी. दुर्गा प्रसाद, प्रोफेसर, उत्पादन संचालन प्रबंधन तथा ग्रामीण प्रबंधन क्यूटी संस्थान, आनंद, गुजरात
- श्री शैलेन्द्र शर्मा, अध्यक्ष प्रचालन प्रथम शिक्षा फाउंडेशन, नई दिल्ली
- श्री रोहित नंदन, भा.प्र. सेवा, सचिव, दक्षता विकास एवं उद्यमी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- सुश्री अपर्णा यू., भा.प्र. सेवा उप सी.ई.ओ. ए.पी. स्टेट स्केल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, आंध्रप्रदेश सरकार
- श्री वजाहत हबिबुल्ला, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), नई दिल्ली
- सुश्री मधु पी. किश्वर, संपादक, मानुष्वी जरनल संस्थापक मानुषी संगठन, नई दिल्ली
- श्री सी.के. मिश्रा, भा.प्र. सेवा, अतिरिक्त सचिव, एवं एम.डी. (एन.आर.एच.एम) भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० नचिकेत मोर, अध्यक्ष, बेल एण्ड मैलिंडा गेट्स फाउंडेशन, नई दिल्ली
- डॉ. जॉनी उमेन, उप चिकित्सा अधिक्षक, क्रिश्चन हॉस्पिटल विषम, कटक, रायगढ़ डिस्ट्रिक, ओडिशा
- डॉ० नीलम सिंह, सचिव वातशल्य, एनजीओ, लखनऊ, उत्तरप्रदेश
- सुश्री सैरोन बानहाट, संकाय, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
- डॉ० बी. राजेन्द्र, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, (पीपी) जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास तथा गंगा पुनरूद्धार, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री बाबू ए., भा.प्र. सेवा, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, कृष्णा जिला, आंध्रप्रदेश
- श्री शकील पी अहमद, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय,कृषि एवं निगम विभाग, नई दिल्ली
- श्री जयप्रकाश नरायण, संस्थापक लोकसत्ता पार्टी, तेलंगाना
- डॉ० संजीव चोपड़ा, भा.प्र. सेवा, प्रधान सचिव, श्रम पश्चिम बंगाल

जिला प्रशिक्षण (४६ सप्ताह)

इस प्रशिक्षण के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थी जिला स्तर पर प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से अवगत होते है। वे प्रत्यक्ष रूप से जिला कलेक्टर तथा राज्य सरकार के नियंत्रण में रहते हैं तथा उन्हें कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट एवं राज्य सरकार के विभिन्न संस्थानों की भूमिका की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्हें विभिन्न क्षेत्र पदाधिकारियों के स्तर के रूप में स्वतंत्र प्रभार संभालने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। इसके साथ-साथ अधिकारी प्रशिक्षणार्थी जिले में क्षेत्र अध्ययन पर आधारित अकादमी द्वारा दिए गए असाइनमेंट पूरे करते हैं।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-।। (६ सप्ताह)

हालांकि आधारिक पाठ्यक्रम तथा चरण-। में सैद्धांतिक संकल्पनाएँ देने के लिए जिला प्रशिक्षण के दौरान पृष्ठ भूमि स्तर की वास्तविकताओं का अध्ययन किया जाता हैं, चरण-।। पाठ्यक्रम देशभर से प्राप्त अनुभवों को बांटने का समय होता है जब अधिकारी प्रशिक्षणार्थी भारत के अलग-अलग जिलों से अकादमी में वापिस लौटते हैं। चरण-।। पाठ्यक्रम की विषय वस्तु प्रशासन में शामिल मुद्दों को समझने के लिए जिला प्रशिक्षण में राज्य स्तर पर वर्ष-भर अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्राप्त शिक्षा तथा जिला अनुभव से अवगत कराने के लिए तैयार की गई है। यह उनके कैरियर के आरंभिक वर्षों में आने वाली समस्याओं तथा परिस्थितियों से अवगत कराता है।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-।। (२०१४-१६ बैच)
(२० जून, २०१६ से २६ जुलाई, २०१६)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	भा.प्र. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थी
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती जसप्रीत तलवार, संयुक्त निदेशक
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती अश्वती एस, उप निदेशक श्रीमती तुलसी मद्दिनेनी, उपनिदेशक डॉ० सुनीता रानी, प्रोफेसर
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्रीमती अलका सिरोही, भा.प्र.सेवा, (सेवानिवृत्त), सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली
प्रतिभागियों की कुल संख्या	१८१, (पुरुष-१२४, महिला-५७)

लक्ष्य

भा०प्र० सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- ॥ में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को व्यापक विषयों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे पहले दस साल की सेवा में विभिन्न तरह के कार्य भार संभालने में सक्षम हो सकें।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

जिला प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त व्यक्तिगत तथा सामूहिक अनुभवों के विश्लेषण और उसकी मीमांसा के लिए संरचित दृष्टिकोण अपनाना।

- कार्यालय एवं मानव संसाधन प्रबंधन के व्यावहारिक विषय पर बल
- राजनीतिक अर्थशास्त्र, सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली तथा विधि में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना।
- प्रशासनिक, प्रबंधकीय तथा आईसीटी कौशल में निखार लाना।
- संवर्ग की क्षेत्रीय भाषा में दक्षता हासिल करना।
- नेतृत्व भूमिका के लिए प्रगतिशील मूल्यों एवं प्रवृत्तियों को अपनाना तथा उस पर अमल करना।
- श्रेष्ठ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्यों की जानकारी प्रदान करना।
- अधिकारियों को उत्तम स्वास्थ्य एवं उच्च स्तरीय स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सक्रिय परिसरीय जीवन के माध्यम से बैच के अंदर सौहार्द एवं एकता का विकास करना।

पाठ्यक्रम डिजाइन

भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में उनकी प्रवृतियों, ज्ञान और कौशलताओं को निखाने तथा अधि.प्रशि. में उनकी संभावनाओं को महसूस कराने का प्रयास किया जाता है। यह पाठ्यक्रम आधारित और भा.प्र.से. व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। से काभी अलग है। जिसमें अधि.प्रशि. को प्रशासनिक सिद्धांत, आरंभिक दक्षताओं की बुनियादी ज्ञान तथा सरकारी स्कीमों और कार्यक्रमों की जानकारी से लैश किया जाता है। इन ५४ सप्ताह के कार्यक्रमों में अधि.प्रशि. को अत्याधुनिक जिला प्रशासन के विभिन्न पहलुओं के कार्यकरण का अनुभाव दिलाया जाता है और कार्यक्रम की रूप रेखा तथा चरण-।। की संरचना पर अधि.प्रशि. से सुझाव मांगे जाते हैं तथा उनसे प्राप्त सुझाव कार्यक्रम की रूप रेखा का आधार होता है। जिसमें समूह द्वारा किए गए उन सत्रों, परिचर्चाओं और सेमिनारों को शामिल किया जाता है जब वे मुख्य रूप से क्षेत्र में रहते हुए कमियों की पहचान करते हैं।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

इस पाठ्यक्रम में १८१ प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें से २०१४ बैच के १७२, २०१५ बैच के ५, और २०१२ बैच के १ तथा रॉयल भूटान सिविल सेवा के ३ अधिकारी प्रशिक्षणार्थी थे जिन्होंने इस पाठ्यक्रम को समृद्ध तथा स्मरणीय बनाया। यह पाठ्यक्रम ३ दिवसीय वैचारिक सत्र से शुरू हुआ जिसमें अधि.प्रशि. ने छोटे-छोटे समूह में जिला प्रशिक्षण

के मुख्य जानकारियों पर अपना विचार व्यक्त किया। लघु विषय के मॉड्यूलों पर चर्चा की गई जिसमें प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुतीयों, विशेषज्ञों द्वारा सेक्टर में चुनौतियों संबंधी कुछ विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है। पाठ्यक्रम में ग्रामीण विकास, कानून व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक सेवा वितरण, कल्याण, शहरी विकास, ई-गर्वेनेन्स और कार्यालय प्रबंधन विषय शामिल हैं। इसके अलावा पाठ्यक्रम में प्रभावी क्षेत्रीय अधिकारी अर्थात कलेक्टर, जिला परिषद के सीईओ, नगर विकास आयुक्त और एसडीओ बनने के संबंध में सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। एसडीओ संबंधी सेमिनार पाठ्यक्रम का केप्स्टोन होता है जिसे अधि.प्रशि. द्वारा बहुत उपयोगी पाया गया है। इन विशिष्ट क्षेत्रों के अलावा विधि के बारे में पुनरावृति सत्र, एक दिवसीय वार्ता मॉड्यूल तथा स्वांग और आचार नीति चुनौतियों पर आधारित कुछ प्रकरण पर परिचर्चाएं की गईं।

विदेश अध्ययन भ्रमण

पाठ्यक्रम में एक सप्ताह के लिए आधे-आधे समूह में सिंगापुर तथा दक्षिण कोरिया के लिए विदेश अध्ययन भ्रमण का भी आयोजन किया गया। सिंगापुर अध्ययन भ्रमण का आयोजन सिविल सेवा कॉलेज, सिंगापुर की भागीदारी से किया गया और सिंगापुर के मुख्य पहलुओं पर कक्षा सत्रों पर प्रकाश डाला गया जिसमें जन-वितरण प्रणाली पर अधिक ध्यान देते हुए साइट भ्रमण किया गया। पहली बार कोरिया अध्ययन भ्रमण का आयोजन कोरिया डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के सहयोग से किया गया जिसमें मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अधिकारियों को विगत कार्यक्रमों से अवगत कराया गया। हैन नदी के बारे में आश्चर्य जनक कहावत है क्योंकि कोरिया के विकास की कथा इतनी सरल भाषा में कही गई है कि इसमें विकासशील देश के रूप में कोरिया के विकास में परिवर्तन को दिखाया गया है। कोरिया में ६० के दशक में भारत के समान प्रतिव्यक्ति आय ६२ अमेरिकी डॉलर को ३० हजार डॉलर प्रति व्यक्ति आय तक पहुंचाया जो एक ओईसीडी स्तर है। दोनों अध्ययन भ्रमण की अच्छी सराहना की गई तथा स्वदेशी अध्ययन में सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं को पूरा करने के लिए इस जानकारी का लाभ उठाया जाना चाहिए। धन का वास्तविक महत्व तब प्राप्त किया जा सकेगा यदि यह हमारे प्रशिक्षु अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ने के लिए उन्हें ज्वलंत कर दे।

यद्यपि यह पाठ्यक्रम ५ सप्ताह के अकादमी प्रशिक्षण का ही है तथापि इसे कक्षा सत्र के बाद अत्यधिक संवेदीक्षण के रूप में याद किया जाएगा। इस में से अगर कुछ का उल्लेख करें तो ये हैं रॉक क्लाइंबिंग, रीवर राफ्टिंग, अकादमी से बाहर और अकादमी की टीम में मैच, नियमित फिल्म प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी, डम्ब शर्राट, चित्रकला सत्र तथा पाक कला प्रतियोगिता जो उस समय लगभग हुरदंग में बदल गई जब प्रशिक्षु अधिकारी निर्णायकों द्वारा उनका स्वाद की जांच करने के कुछ सेकण्ड के पश्चात प्रशिक्षु अधिकारी स्वादिष्ट व्यंजनों पर टूट पड़े।

पाठ्यक्रम का मूल्यांकन प्रकरण अध्ययन के जरिए किया जाता है जिसे अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा जिला सेवा और विदेश अध्ययन भ्रमण के महत्वपूर्ण घटनाओं पर लिखे गए जिसमें उनके मुख्य अध्ययन और भारतीय परिप्रेक्ष्य में उनके प्रयोग की प्रासंगिता है।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- सुश्री अलका सिरोही, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त) माननीय सदस्य यूपीएससी, नई दिल्ली
- श्री एम.एस. कासना, अधिवक्ता, मास्टर ट्रेनर, विधि एवं एच.आर, विशेषज्ञ, नई दिल्ली
- श्री सर्वेश कौशल, भा.प्र. सेवा, मुख्य सचिव, पंजाब सरकार, चंडीगढ
- डॉ० प्रमोद कुमार, अध्यक्ष, पंजाब, गवर्नेन्स, रिफॉर्मस कमीशन, चंडीगढ़
- श्री प्रशांत कुमार, भा.प्र. सेवा, नगर निगम आयुक्त, रांची नगर निगम रांची
- श्री एस. हरिकोशोर, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर, जिला पठानन ठिट्टा, केरला
- डॉ. ए. संतोष मेथ्यू, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, (एस) दक्षता एवं सूचना प्रोद्योगिकी डिविजन, ग्रामीण विकास विभाग, नई दिल्ली
- श्री रोहन चंद्र ठाकुर, भा.प्र. सेवा, उप आयुक्त जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

- डॉ० एन. यूराज, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर, जिला विशाखापतनम, आंध्रप्रदेश
- डॉ. निपुण विनायक, भा.प्र. सेवा, निदेशक, (एसबीएम) पेय जल एवं स्वच्छता मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री प्रशांत नदनावारे, भा.प्र. सेवा, जिला कलेक्टर, जिला ओसमानाबाद, महाराष्ट्र
- श्री फैज अहमद किदवई, भा.प्र. सेवा, प्रबंधन निदेशक, खाद्य एवं जन वितरण विभाग मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन, लिमिटेड, भोपाल
- श्री शैलेश नवल, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर, जिला वर्धा, महाराष्ट्र
- श्री प्रकाश सिंह, भा.पु. सेवा (सेवानिवृत्त) नोएडा उत्तरप्रदेश
- श्री साकेत कुमार, भा.पु.सेवा, निदेशक (हैंडलुम)एवं शहरी कलचर, उद्योग विभाग, बिहार सरकार, पटना
- श्री समीर शुक्ला, भा.प्र. सेवा, उप आयुक्त, जिला बेलरी, कर्नाटक
- श्री आशुतोष शुक्ला, एमसीटीपी, चरण- पअ भागीदार
- सुश्री रोली सिंह, भा.प्र.सेवा, सचिव (पर्यटन) राजस्थान सचिवालय सराकर, जयपुर राजस्थान
- सुश्री सैडिंग पूई चुआक, भा.प्र.सेवा, उप सचिव, गुजरात सरकार, गांधीनगर, गुजरात
- श्री सुप्रीत सिंह गुलाटी, भा.प्र. सेवा, अपर उत्पाद शुल्क एवं आयकर आयुक्त, उत्पाद एवं आयकर विभाग, पंजाब सरकार
- श्री नरेश भारद्वा, पूर्व उपनिदेशक, आईटीएसएम, अवर सचिव सर्तकता इकाई, शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री गौरव द्विवेदी, भा.प्र.सेवा, सीईओ, माई गवर्नमेंट, संचार एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री अमरीत अभिजात, भा.प्र.सेवा, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० के विजयकार्तिकेन, भा.प्र. सेवा, नगर आयुक्त, कोयंबटूर, नगर निगम, कोयंबटूर
- डॉ. आदित्य दहिया, भा.प्र. सेवा, नगर आयुक्त, फरिदाबाद, नगर निगम, फरिदाबाद
- डॉ० डेवाकर गोयल, महाप्रबंधक, (एच आर) भारतीय विमानन प्राधिकरण, नई दिल्ली
- श्री नीतीन सलुजा, लोक नीति प्रबंधक, भारत एवं दक्षिण एशिया, फेसबुक, नई दिल्ली
- श्री वी. राम, प्रसाथ, मनोहर, भा.प्र. सेवा, सीईओ, जिला पंचायत, उत्तर कनाडा जिला, कारवार, कर्नाटक
- सुश्री मानसी सहाय ठाकुर, भा.प्र. सेवा, उप आयुक्त, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश
- डॉ० सी. अशोकवर्धन, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त), पटना, बिहार
- श्री तुकाराम मुंडे, भा.प्र. सेवा, आयुक्त, नवी मुंबई, नगर निगम, नवी मुंबई
- श्री किरत कृपाल सिंह, भा.प्र. सेवा, प्रबंध निदेशक, पंजाब स्टेट, कोपरेटिव सप्लाई एण्ड मार्केटिंग फेडरेशन, चंडीगढ़
- डॉ० बगाडी गौतम, भा.प्र. सेवा सीईओ, जिला पंचायत, बेलागावी, कर्नाटक
- श्री नचीकेत मोर, कंट्री हेड बिल एंड मेलिन्डा गेट्य फाउंडेशन, नई दिल्ली
- श्री संजय दुबे, भा.प्र.सेवा, आयुक्त इंडोर डिविजन, मध्यप्रदेश
- श्री अमीत कटारिया, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़
- श्री प्रियांक भारती, निदेशक, भारत सरकार, सड़क परिवहन एवं महामार्ग मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री विजय किरण आनंद, भा.प्र. सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जिला वाराणसी, उत्तरप्रदेश
- सुश्री सौजन्य, भा.प्र. सेवा, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, बैंगलोर, कर्नाटक
- श्री दिलीप जावलकर, भा.प्र. सेवा, सचिव प्रभारी कार्मिक एवं जी ए डी विभाग, उत्तराखंड सरकार, देहरादून
- श्री दिपक गुप्ता, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली
- श्री अनिल स्वरूप, भा.प्र. सेवा, सचिव, कोल मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

भा.प्र. सेवा अधिकारियों के लिए मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनिवार्य एमसीटीपी कार्यक्रम के चरण-३, चरण-४ एवं ५ भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए हैं जिन्होंने क्रमशः सेवा के ७-६ वर्ष, १५-१८ वर्ष तथा २७-३० वर्ष पूरे कर लिए हैं। किसी अधिकारी के कैरियर में निश्चित चरणों के पश्चात आगे की पदोन्नति के लिए एमसीटीपी पाठ्यक्रम में उपस्थिति आवश्यक है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने अपने

दिनांक २० मार्च २००७ की अधिसूचना में भा.प्र. सेवा (वेतन) नियमावली, १६५४ में संशोधन किया था जिसके द्वारा विभिन्न स्तरों पर कैरियर प्रगति के लिए एमसीटीपी पाठ्यक्रम के संगत चरण को सफलता से पूरा करना आवश्यक है। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों के अगले स्तर की सक्षमता का निर्माण करना है। चरण-३, चरण-४ पाठ्यक्रम प्रत्येक ८ सप्ताह की अवधि के थे जबकि चरण-५, ३ सप्ताह की अवधि का था।

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-३ (१०वां दौर)

(२८ नवंबर, २०१६ से २३ दिसंबर, २०१६ तक)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	७-६ वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा अधिकारी (२००२,२००३,२००४,२००५,२००६,२००७,२००८ के बैच)
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती जसप्रीत तलवार, संयुक्त निदेशक
सह- पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती तुलसी मद्दिनेनी, उपनिदेशक श्रीमती अश्वती एस., उपनिदेशक श्री आलोक मिश्रा, उपनिदेशक (वरि.)
विदाई संबोधन	श्रीमती उपमा चौधरी, निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल १०४ (पुरुष ८१, महिलाएं २३)

लक्ष्य

उन अधिकारियों को उत्कृष्ट बनाना जो सेवा के सात से नौ वर्ष पूरे कर चुके हैं तथा जिससे वे फील्ड प्रशासन के अग्रणी क्षेत्र में कई तथा विभिन्न प्रकार की जिम्मेवारी निभा सके।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- अधिकारियों को ऐसे उपकरणों से अवगत करना जो उन्हें कार्यक्रम के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता उपलब्ध कराने में सहायक होंगे।
- सरकार में बी.पी.आर. डिजाइन एवं कार्यान्वयन करना तथा जनसेवा वितरण में सुधार हेतु सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना
- संचार, अंतर वैयक्तिक तथा टीम बिल्डिंग दक्षताओं को मजबूत करना तथा गवर्नेंस में मूल्यों की मुख्य भूमिका से अवगत होना
- पाठ्यक्रम का सप्ताहवार डिजाइन (इसमें मुख्य शैक्षिक विषय की योजनावार समीक्षा प्रदान करनी चाहिए)

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- चर्चा परियोजना आकलन तथा वार्ता
- सरकारी, निजी भागीदारी, नेतृत्व एवं संचार
- लोक सेवा वितरण, नेतृत्व एवं प्रबंधन परिवर्तन, परियोजना प्रबंधन, संचालन, सेवा वितरण में प्रोद्योगिकी एक प्रेरक रूप में, मॉनिटरिंग और अकलन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा
- ग्रामीण विकास में सेक्टर पर केंद्रित करना, जल एवं स्वच्छता, कृषि, शहरी प्रशासन, लोक वित्त प्रबंधन

अकादमी इनपुट

कार्यक्रम के मुख्य अंश में परियोजना और कार्यक्रम मूल्यांकन पर प्रकाश डाला गया है। जिसमें भा.प्र.सेवा के अधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विचार-विमर्श करने और सीखने की असीम संभावना है। अभ्यास और प्रकरण आधरित विचार-विमर्शों के जरिए सैद्धांति विषयों की जानकारी दी जाती है। प्रतिभागियों और अतिथि संकायों में और उनके बीच सहकर्मी अध्ययन पर जोर दिया जाता है ताकि प्रतिभागियों में नया काम करने के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य नए विचारों और सोंच अनुकरण किया जा सके।

पाठ्यक्रम समन्वयकारों की रिपोर्ट

चरण- ₚₚ कार्यक्रम के प्रतिभागियों को विस्तारित एवं अधिक व्यापक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु संशोधित किया गया था जिसमें कार्यान्वयन में उत्कृष्टता पर बल दिया गया। इस कार्यक्रम ने एक्सेल कंपोनेंट को घटाते हुए आने वाले परिणामों पर समझौता किए बगैर परियोजना मूल्यांकन तथा पीपीपीएस पर विषय घटा दिए गए। निर्णय विज्ञान, परियोजना प्रबंधन,

सरकार में पीपीपीएस तथा सेवा वितरण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग सरकार में टीक्यूएम को मॉड्यूल के बतौर रूप में शामिल किया गया। इनपुटों को सहर्ष स्वीकार किया गया। पाठ्यक्रम में 'वार्ता रणनीति' पर भी दो दिन का मॉड्यूल प्रविष्ट किया गया जिसे इन हाउस उपलब्ध कराया गया एवं इसे भी सहर्ष स्वीकार किया गया। इन अकादमी की फैकल्टी द्वारा संचालित मॉड्यूल को भागीदारों की काफी प्रसन्नाता के साथ स्वीकार किया गया। मूल्यांकन बहुत सख्त था जिसमें प्रश्नोंतरी, पत्र लेखन तथा कक्षा भागीदारी शामिल थी तथा इसको वस्तुनिष्ठ एवं संरचित रूप से किया गया। कुल मिलाकर पाठ्यक्रम तकनीकी, सख्त एवं बहुत मेहनत की मांग करने वाला होने के बावजूद सहर्ष स्वीकार किया गया।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- प्रो. डी.एन.एस. धाकल, सीनियर फैलो, ड्यूक सेन्टर फॉर इन्टरनेशनल डेवलपमेंट, डरहाम
- डॉ० प्रेम सिंह, भा.प्र.सेवा, उप अध्यक्ष के निजी सचिव नीति आयोग, नई दिल्ली
- डॉ० हिमांशु राय, प्रो. आई.आई.एम., लखनऊ
- श्री आलोक कुमार, भा.प्र.सेवा, सलाहकार नीति आयोग, नई दिल्ली
- डॉ० जी.डी. बाडियान, भा.प्र. सेवा, महानिदेशक, सुशासन राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली
- श्री चेरियन थोमस, भा.प्र. सेवा सीईओ, एवं राष्ट्रीय निदेशक, वर्ल्ड विजय इंडिया, चेन्नई
- श्री देबाशिश घोष, वरिष्ठ, उपाध्यक्ष, इंफरास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि. बैंगलौर
- श्री अमित कपूर, पाटनर, जे सागर एसोसिएट, नई दिल्ली
- श्री विवेक अग्रवाल, भा.प्र. सेवा, आयुक्त शहरी प्रशासन एवं विकास एवं मुख्यमंत्री के सचिव, मध्यप्रदेश सरकार, भोपाल
- श्री एस.के. अग्रवाल, वरिष्ठ उप अध्यक्ष, एसबीआई केपिटल मार्केट्स लि. नई, दिल्ली
- श्री अरविंद मायाराम, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष, सीयूटीएस इंस्टीट्यूट ऑफ रेगुलेशन एंड कंपटीशन, नई दिल्ली
- श्री कृष्णामूर्ति वेंगटेश, मुख्य अधिशासी एवं प्रबंधक निदेशक, लार्सन एंड टर्बो, इन्फ्रास्ट्रचर डेवलपमेंट, चेन्नई
- श्रीमती शर्मिला चावली, संयुक्त सचिव, आई एवं ई. आर्थिक मामले विभाग, नई दिल्ली
- प्रोफेसर आर.के. ककाणी, एक्सेल आर. आई. जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर
- डॉ० अमर केजेआर नायक, राजनीतिक प्रबंधन जेवियर प्रबंधन संस्थान भूवनेश्वर, ओडिशा
- श्री जयेश रंजन, भा.प्र. सेवा, सचिव, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद
- श्री ए.पी.एम. मुहम्मद हनीश, भा.प्र. सेवा, अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, केरल स्टेट, सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन, कोच्ची, केरल
- डॉ० श्रीनिवास आर. मेलकोट, प्रोफेसर, मीडिया प्रोडूक्शन एंड स्टडीज विभाग, स्कूल ऑफ मीडिया एंड कंप्यूनिकेशन, बाउलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए
- डॉ० प्रदीप कृष्णाट्राय, निदेशक, जॉन हॉप्किंस बलूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, नई दिल्ली
- श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मणयन, मुख्य सचिव (गृह) छत्तीसगढ़ रायपुर
- प्रोफेसर अजय पांडे, संकाय आई.आई.एम. अहमदाबाद
- प्रोफेसर निहारिका वोहरा, संकाय, आई.आई.एम. अहमदाबाद, प्रो. चेतन सोमन, संकाय आई.आई.एम. अहमदाबाद
- श्री जगदीप कोचर, विजिटिंग फेकल्टी, आई.आई.एम. अहमदाबाद तथा परामर्शदाता सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री राजेश अग्रवाल, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार जनजातीय मंत्रालय, नई दिल्ली
- सुश्री संध्या वेंकेटसवरण, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, नीति एवं एडवोकेसी, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, दिल्ली
- श्री मनोज झलानी, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नई दिल्ली
- श्री के. राजेश्वर राव, भा.प्र.सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नई दिल्ली
- श्री राहुल मलिक, कंट्री लीड, डिजिटल एंड सप्लाई चेन, बीएमजीएफ, श्री देवेन्द्र खंडेट, कंट्री लीड स्टेट हेल्थ पॉलिसी, बीएमजीएफ, यामिनी आत्मविलास, कंट्री लीड इवैल्यूएशन एण्ड रिसर्च, बीएमजीएफ
- सुश्री उष किरण, तारिगोपुला, कंट्री लीड स्टेट हेल्थ एण्ड कंम्यूनिटी सिस्टम बीएमजीएफ
- डॉ० विश्वजीत कुमार, सीईओ, एंड साइंटिस्ट, कम्यूनिटी इंपावरमेंट लैब, लखनऊ

- डॉ० अईयाज तंबोली, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर बिजापुर, छत्तीसगढ़
- सुश्री रिना रे, भा.प्र.सेवा, अपर सचिव, (मूल शिक्षा) भारत सरकार, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० नीता गोयल, वरि. मूल्यांकन विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव मूल्यांकन पहल,नई दिल्ली
- श्री एस. कृष्णन, भा.प्र.सेवा, प्रधान सचिव, तमिलनाडु सरकार योजना विकास एवं विशेष पहल विभाग चेन्नई
- श्री अमरजीत सिन्हा, भा.प्र. सेवा, सचिव ग्रामीण विकास, भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० नीता गोयल, वरि. मूल्यांकन विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव मूल्यांकन पहल,नई दिल्ली
- श्री राजेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, तरूण भारत संघ, अलवर (राजस्थान)
- श्री प्रवेश शर्मा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) पूर्व प्रबंधक निदेशक, एसएफएसी एंड विजिटिंग सिनियर रिसर्च फैलो आईसीआआईईआर, नई दिल्ली
- डॉ० बिमल एच. पटेल, निदेशक, एचसीपी डिजाइन एवं परियोजना प्रबंधन अहमदाबाद
- श्री प्रशांत नरनावारे, भा.प्र. सेवा, कलेक्टर ओसमानाबाद (महाराष्ट्र)
- श्री प्रमेश्वरण अय्यर, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, पेय जल एवं स्वच्छता मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० समीर शर्मा, अपर सचिव भारत सरकार, शहरी विकास मंत्रालय
- श्री प्रवीण प्रकाश, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, (एसबीएम) भारत सरकार, शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री अमृत अभिजात, भा.प्र.सेवा, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन, मंत्रलाय नई दिल्ली
- श्री अशोक लबाशा, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री प्रशांत गोयल, संयुक्त सचिव, बजट वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री अवविंद मोदी, आईआरएस, प्रधान आयुक्त आयकर एवं अध्यक्ष टीपीआरयू, नई दिल्ली
- श्री संदीप वर्मा, भा.प्र. सेवा, सचिव पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग एण्ड ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, जयपुर, राजस्थान

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-४ (११वां दौर)

(२७ जून, २०१६ से २२ जुलाई २०१६ तक)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	१५-१८ वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा अधिकारी (१९९१,१९९२,१९९३,१९९४,१९९६,१९९७,१९९८,१९९९ से २०००,२००१ के बैच)
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक
सह- पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री एम.एच.खान, संयुक्त निदेशक
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	राजीव कपूर, निदेशक ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
विदाई संबोधन	श्री जी.एस. दीपक, सचिव, दूरसंचार
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल ५७ (पुरुष ५०, महिलाएं ०७)

लक्ष्य

- नीति निर्माण एवं बेहतर कार्यान्वयन हेतु प्रभावी परिवर्तन के लिए १५ से १८ वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले अधिकारियों को अवगत कराना।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- लोक नीति तथा गवर्नेंस में राजनीतिक अर्थशास्त्र तथा संस्थानों की भूमिका की सराहना करना
- लोक नीति सूत्रीकरण, विश्लेषण, कार्यान्वयन तथा मूल्यांकन की प्रक्रिया समझना
- नीति समस्याओं को बेहतर समझना तथा उनके समाधान करने के लिए नीति विश्लेषण उपकरणों को प्रयोज्य करना
- नेतृत्व तथा बातचीत कौशल को बढ़ावा देना तथा

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- लोक नीति, नीति विश्लेषण तथा ई.पी.ओ.डी. मॉड्यूल का औचित्यीकरण
- मुख्य क्षेत्रों नीति कार्यान्वयन, नियमन तथा नीति रूप रेखा का प्रयोज्य करना
- नेतृत्व, वार्ता, नीति मूल्यांकन तथा सिंडिकेट कार्य
- विदेश अध्ययन भ्रमण

अकादमी इनपुट

पाठ्यक्रम का उद्देश्य व्याख्यानों प्रकरण मामलों चर्चाओं, व्यक्तिक कार्यों तथा सिंडिकेट कार्य के मिश्रण से प्राप्त किया गया। प्रमुख ध्यान लोक नीति समझने भागीदारों के कठिन एवं सरल दक्षताओं में वृद्धि करने, प्रमुख क्षेत्रों में नीति नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराने तथा उन उभरती हुई प्रवृतियों पर मनन करना था जो भविष्य में भा.प्र.से. के संसार में परिवर्तन कर सकती है। जैसा कि पूर्व में है। एक विदेश अध्ययन भ्रमण के माध्यम से एक विदेशी भाग भी था।

विदेश अध्ययन भ्रमण

प्रतिभागियों को एक सप्ताह के लिए विदेश अध्ययन भ्रमण के लिए सिंगापुर भेजा जाता है। जिसे नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में ली कॉन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के सहयोग से आयोजित किया जाता है। विदेश अध्ययन भ्रमण चरण-४ समग्र पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग होता है और प्रथम विश्व एशियाई देश के घरेलु घटक के अनुभव के संदर्भ में जानकारियों से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। इस ५ दिवसीय कार्यक्रम के जरिए प्रतिभागियों को निम्नलिखित तथ्यों की जानकारी दी जाती है।

- नीतिगत विचारों और सैद्धांतिक ढांचों की शुरूआत करना तथा नीतिगत प्रक्रियाओं के प्रबंधन में उनकी भूमिकाओं के बारे में रणनीतिक सोच विकसित करना।
- लोक नीतियों के निर्धारण, क्रियान्वयन और मूल्यांकन में सिंगापुर की बेहतर प्रक्रियाओं की जानकारी देना।
- नीति निर्माण में व्यवहारपरक आर्थिक नीतियों का नियामक अनुपालन और जवाबदेही तय करना तथा उन्हें लागू करना।

अध्ययन भ्रमण में एल.के.वाई. स्कूल में कक्षा सत्रों के साथ-साथ सिंगापुर में शासन की प्रक्रियाओं के बेहतर मूल्यांकन करने और प्रतिभागियों को ठोस जानकारी देने में सक्षम बनाना शामिल था।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- डॉ० टी.वी. सोमानाथन, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव भारत सरकार, प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली
- डॉ० ज्ञानेन्द्र बडगैयां, महानिदेशक, सुशासन राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली
- श्री प्रवेश शर्मा, भा.प्र.सेवा (सेनानिवृत्त) नई दिल्ली
- प्रो० पवन ममनिधी, संकाय, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
- डॉ० सेरॉन बानहाट, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
- प्रोफेसर रोहिणी पांडे, मुहम्मद कमाल प्रोफेसर ऑफ पब्लिक पॉलिसी हावर्ड कैनेडी स्कूल, कैम्ब्रीज यूएसए
- प्रोफेसर लेन्ट प्रिचेट, प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस ऑफ इंटरनेशनल डेवलपमेंट, हावर्ड कैनेडी स्कूल, कैम्ब्रीज यूएसए
- डॉ० चैरिटी ट्रॉयर मूर, संकाय, एविडेंस फॉर पॉलिसी डिजाइन हावर्ड कैनेडी स्कूल, कैम्ब्रीज यूएसए
- डॉ० नचिकेत मोर, कंट्री हेड, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, नई दिल्ली
- प्रोफेसर रोबर्ट केन्ट विवर, प्रोफेसर ऑफ पब्लिक पॉलिसी, जार्जटाउन युनिवर्सिटी, वाशिंगटन डी.सी.
- श्री शेखर गुप्ता, प्रख्यात पत्रकार, नई दिल्ली
- श्री राघव चंद्रा, भा.प्र. सेवा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण भारत, नई दिल्ली
- डॉ० प्रताप भानू मेहता, अध्यक्ष, एवं मुख्य अधिशासी सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली
- प्रोफेसर अजय साह, प्रोफेसर, लोक वित्त एवं नीति राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली
- डॉ० के.पी. कृष्णन, भा.प्र. सेवा, भारत सरकार अपर सचिव, भूमि संसाधन विकास, नई दिल्ली

- डॉ० राहुल खुल्लर, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) पूर्व अध्यक्ष, टेलीकॉम रेगुलेटरी ऑथोरिटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- श्री एम.जी. गोपाल, भा.प्र. सेवा, विशेष मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद
- श्री नितिन गढकरी, सड़क परिवहन तथा महामार्ग एवं शिपिंग, केन्द्रीय मंत्री, नई दिल्ली
- श्री शैलेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव
- श्री मनीष सभरवाल, सीईओ एंड संस्थापक, टीम लीज, बैंगलौर
- श्री सचिन बंसल, सीईओ, फिलीप कार्ड, बैंगलौर
- श्री राजीव रंजन मिश्रा, भा.प्र. सेवा, भारत सरकार संयुक्त सचिव
- आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० गौतम भान, संकाय, इंडियन इन्सटीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट, बैंगलौर
- श्री सी.के. मिश्रा, अपर सचिव, भारत सरकार एवं एम डी, एनएचएम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री नचिकेत मोर, कंट्री हेड, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, नई दिल्ली
- प्रोफेसर आशिश नंदा, निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
- सुश्री निधी शर्मा, आई आर एस, अपर आयकर आयुक्त, नई दिल्ली
- प्रोफेसर देवेश कपूर, निदेशक, यूनिवर्सिटी ऑफपेनसील्वानिया इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस स्टडी ऑफ इंडिया फिलाडेलफिया, यूएसए

मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-५ (१०वां दौर)

(०३ -२१ अक्टूबर २०१६)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	२६-२८ वर्ष की वरिष्ठता वाले भा.प्र. सेवा अधिकारी (१९८३,१९८४,१९८५,१९८६,१९८७ से १९८८, १९८९ के बैच)
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री राजीव कपूर, निदेशक
सह- पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री अमिताभ कांत, सीईओ नीति आयोग
विदाई संबोधन	श्री अनिल स्वरूप, भा.प्र. सेवा, सचिव, भारत सरकार, राज्य क्षमता निर्माण पर कोयल ।मंत्रालय
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल ८८ (पुरुष ७५, महिलाएं १३)

लक्ष्य

रणनीति निर्धारण तथा इसके क्रियान्वयन में प्रभावी परिवर्तन लाने के लिए २६ से २८ वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को तैयार करना।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- भावी चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने रणनीति प्रबंधन की ठोस सराहना विकसित करना
- नीति निर्धारण तथा कार्यान्वयन के लिए लोक नीति आचार तथा नियमन के सुक्ष्म क्षेत्रों समझना
- प्रमुख क्षेत्रों तथा उनके अंतर संबंधों में सरकार को आ रही नीति चुनौतियों की सराहना।
- नेतृत्व तथा वार्ता दक्षताओं की बेहतर समझ प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- गवर्नेन्स चुनौतियों, कृषि, शिक्षा नीति, स्वास्थ्य नीति, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों, शहरीकरण, कार्यक्रम कार्यान्वयन, वार्ता पर मॉड्यूल, मौसम परिवर्तन पर इनपुट।
- लोक नीति, आचार, नीति आकलन, शहरीकरण, दक्षता तथा रोजगार पात्रता, जीएसटी पर मॉड्यूल, नेतृत्व तथा भविष्य के लिए रणनीतिक विचार पर इनपुट।
- विनियमन पर मॉड्यूल सरकार में रणनीतिक प्रबंधन पर मॉड्यूल (आई.आई.एम. अहमदाबाद द्वारा), सरकार ने मानव संसाधन रणनीतियां

प्रसिद्ध अतिथि वक्ता

- श्री अमिताभ कांत, सीईओ, नीति आयोग, नई दिल्ली
- श्री रवि वेंगटेसन, बोर्ड अध्यक्ष, बैंक ऑफ बड़ोदा, एवं संस्थापक अध्यक्ष, सोसल वेनचर पार्टनर इंडिया, बैंगलोर
- प्रोफेसर अशोक गुलाटी, इंफोसिस चेयर प्रो. फॉर एग्रिकलचर, इंडियन कॉउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनोमिक रिलेशन्स (आईसीआरआईईआर), नई दिल्ली
- श्री प्रवेश शर्मा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) फॉरमर एमडी, एसएफएसी, भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ० स्वेता सैनी, परामर्शदाता, आईसीआरआईईआर, नई दिल्ली
- श्री शैलजा चंद्रा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य सचिव, नई दिल्ली राष्ट्रीय राजधारी क्षेत्र सरकार
- श्रीमती रिना रे, भा.प्र. सेवा, अपर सचिव भारत सरकार, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली
- डॉ० देवांग वी खाकर, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई
- डॉ. नरेन्द्र तनेजा, अग्रणी उर्जा विशेषज्ञ एवं अध्यक्ष उर्जा सूरक्षा समूह फिक्की, नई दिल्ली
- डॉ० प्रमोद देव, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) पूर्व अध्यक्ष सीईआरसी, नई दिल्ली
- श्री उपेन्द्र त्रिपाठी, भा.प्र. सेवा, सचिव भारत सरकार, नवीकरण एवं पुनर्नविकरण मंत्रालय, नई दिल्ली
- श्री मनोज झलानी, भा.प्र. सेवा, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० नचिकेत मोर, कंट्री हेड, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, नई दिल्ली
- डॉ० के. श्रीकांत रेड्डी, अध्यक्ष, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- श्री आर.एन. रवि, आई.पी.एस. भा.पु. सेवा (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष संयुक्त इंटेलिजेंस समिति, नई दिल्ली
- श्री प्रवीण स्वामी, राष्ट्रीय संपादक, रणनीतिक एवं अंतर्राष्ट्रीय मामले, इंडियन एक्प्रेस नोएडा
- श्री एम.ए. गणपति, भा.पु. सेवा महानिदेश पुलिस, उत्तराखंड सरकार, देहरादून
- श्री अमरजी सिन्हा, भा.प्र. सेवा, सचिव भारत सरकार, ग्रामीण विकास विभाग, नई दिल्ली
- श्री आरोमर रेवी, निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट, बैंगलौर
- प्रोफैसर हिमांशु राय, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेटमेंट, लखनऊ
- एमबेजडर श्याम सरण, आई.एफ.एस. (सेवानिवृत्त) पूर्व विदेश सचिव, नई दिल्ली
- प्रो. अजय साह, लोक वित्त एवं नीति, एवं राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली
- डॉ० प्रोदिप्तो घोष, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) डिस्टिंगविस फैलो द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीटयूट, नई दिल्ली
- प्रोफेसर पवन ममेदी, विजिटिंग फेकल्टी, भारतीय प्रबंधनसंस्थान अहमदाबाद
- डॉ० अरविंद सुब्रहमनयण, मुख्य आर्थिक सलाहकार भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री राजीव गॉबा, भा.प्र. सेवा, सचिव भारत सरकार, शहरी विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
- प्रोफेसर जगन साह, निदेशक, शहरी मामले राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली
- श्री एस. रामादोराई, अध्यक्ष, राष्ट्रीय दक्षता विकास कोरपोरेशन, नई दिल्ली
- डॉ० इमेनुअल जिमेनेज, कार्यकारी निदेशक, इंटरनेशनल इनिसिएटिव फॉर इम्पेक्ट इवैल्यूएशन मैसाचूसेट्स, वाशिंगटन डीसी
- डॉ० हसमुख आधिया, भा.प्र. सेवा, सचिव भारत सरकार, राजस्व विभाग, नई दिल्ली
- श्री अविंद मोदी, आईआरएस, प्रमुख आयुक्त आयकर तथा अध्यक्ष टीपीआरयू, नई दिल्ली
- श्री कौशिक गोपाल, कोचिंग टैलेन्ट प्रबंधक एवं संकाय एपीएसी सृजनात्मक नेतृत्व केंद्र, सिंगापुर
- श्री एनटॉन मुसग्रेव, वरिष्ठ भागीदार, फ्यूचर वर्ल्ड इंटरनेशनल, साउथ अफ्रिका
- श्री के. पी. कृष्णन, भा.प्र. सेवा, विशेष सचिव भारत सरकार, भूमि संसाधन विभाग, नई दिल्ली
- श्री आलोक कुमार, भा.प्र. सेवा, सलाहकार नीति आयोग, नई दिल्ली
- श्री सोमशेखर सुंदरेसन, सलाहकार, मुंबई
- डॉ० एम.एस. साहु, अध्यक्ष इसोलवेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- प्रोफेसर आशिश नंदा, निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद

- प्रोफेसर अजय पांडे, फैलो भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
- प्रोफेसर सुनील शर्मा, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
- श्री अनिल स्वरूप, भा.प्र. सेवा, सचिव भारत सरकार, कोल मंत्रालय, नई दिल्ली
- डॉ० ज्ञानेन्द्र बडगैयां, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त) महानिदेशक, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, नई दिल्ली
- श्री प्रदीप कुमार सिन्हा, भा.प्र. सेवा, मंत्रिमंडल सचिव, नई दिल्ली

राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिएप्रवेशकालीन प्रशिक्षण (८ सप्ताह)

प्रवेशकालीन पाठ्यक्रम विभिन्न राज्यों की चयनित सूची में अधिकारियों अथवा राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत किए गए अधिकारियों के लिए आयोजित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य ज्ञान, कौशल के स्तरों का उन्नयन करना तथा उन व्यक्तियों के साथ विचार, मत तथा अनुभव के आदान-प्रदान का अवसर उपलब्ध कराना है जिन्होंने राष्ट्र विकास के विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकसित किया है। नये प्रबंधन विचारों, तकनीकियों तथा कौशल एवं तकनीकी एवं प्रबंधन के अग्रणी क्षेत्रों को भी पर्याप्त बल दिया जाता है। इसके भागीदारों को एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य देने पर बल दिया जाता है। अधिकारियों को देश के अग्रणी संस्थानों के भ्रमण के लिए भी ले जाया जाता है, जिससे उन्हें सेवा की अखिल भारतीय प्रकृति से अवगत कराया जा सके।

भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए ११८वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

(१ अगस्त, २०१६ से १० सितंबर, २०१६)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में (पदोन्नत/चयनित सूची) अधिकारियों के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री तुलसी मद्दिनेनी, उपनिदेशक
पाठ्यक्रम टीम के सदस्य	श्री सी. श्रीधर, एवं श्री आर रविशंकर
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	डॉ० एम. रामाचंद्रन, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, शहरी विकास, भारत सरकार
विदाई संबोधन	डॉ० कृष्णकांत पौल, राज्यपाल, उत्तराखंड
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल ५६ (पुरुष ४७, महिलाएं ०९)

पाठ्यक्रम का लक्ष्य

प्रशासनिक सेवाओं के अखिल भारतीय प्रवृत्ति को बहेतर समझना तथा देश के लोक प्रशासन एवं माइक्रो इकोनोमी पर एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य विकसित करना।

- विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर नीतियों तथा कार्यक्रम के ज्ञान के साथ तथा अपने साथी भागीदारों के अनुभवों के सबक के साथ अपना कार्य निपटाने के लिए बेहतर रूप से उपस्कृत होना।
- अपने कार्य वातावरण में सहयोगी कार्य तथा नेतृत्व तथा वार्ता के सिद्धांतों का उपयोग करने में समर्थ्य होना।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में व्याख्यान, परिचर्चा, प्रकरण अध्ययन, पैनल चर्चा, कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान, अनुभव आदान-प्रदान, फिल्म प्रदर्शन तथा विचार-विमर्श, मैनेजमेंट गेम, समूह कार्य तथा क्षेत्र भ्रमण शामिल किए गए थे।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रथम सप्ताह में प्रमुख बल भारतीय प्रशासनिक सेवा, परियोजना मूल्यांकन, ऊर्जा तथा सामाजिक क्षेत्र पर एक परिप्रेक्ष्य प्रदान करना था। दूसरे सप्ताह में प्रमुख बल लोक वित्त, वित्तीय विवरणों को समझने, आपदा प्रबंधन, इ-गवर्नेन्स, लोक वित्त में सुधार के लिए तकनीकी में उपयोग सार्वजनिक निजी सहभागिता डाटा विश्लेषण एवं व्याख्यान, वित्तीय मामलों

तथा आरटीआई को समझने पर था जबकि चौथे सप्ताह में प्रमुख बल मीडिया का सामना करने, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्वीकरण, स्वच्छ भारत अभियान, लोक नीति में दुविधा तथा प्रतिभागियों को समस्या समाधान कार्य तथा प्रस्तुतियां देने के लिए कहा गया।

घरेलु एवं विदेश अध्ययन दौरे

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रतिभागियों के लिए २ सप्ताह का क्षेत्र अध्ययन दौरा कार्यक्रम आरंभ किया गया जिसमें भारत के सरकारी तथा गैर-सरकारी संस्थानों और संगठनों का भ्रमण और संबद्धता कार्यक्रम और उसके बाद सिओल साउथ कोरिया का भ्रमण कार्यक्रम शामिल है। इसका अभिप्राय प्रशासनिक ढांचों तथा प्रक्रियाओं की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करना ही नहीं बल्कि पूरी तरह से समाज और समुदाय की समीक्षा करना है ताकि इसकी विविधता को समझने में सहायता मिल सके और कुछ अलग करने के तरीकों का पता लगाया जा सके। यह उनके मानसिक क्षेत्र को विस्तारित करने तथा भारत और विदेश में सवोत्तम पद्धतियों से इनको आवश्यक रूप से अवगत कराने के लिए था।

घरेलु अध्ययन दौरे में शहरी स्थानीय निकायों, एनजीओ, जिला प्रशासन तथा देश के विभिन्न भागों के प्रतिष्ठित संस्थानों से इनको संबद्ध किया जाना था। इसके पश्चात सिओल, साउथ कोरिया का एक पांच दिवस का अध्ययन दौरा था जिसमें स्थानीय प्रशासन, स्वच्छता तथा नागरिक सेवा वितरण से उन्हें संबद्ध किया गया।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

११८वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में बहुत प्रबुद्ध एवं उत्साही भागीदारों का समूह था उन्होंने सभी शैक्षिक एवं पाठ्यत्तर गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया। कक्षा में सभी व्याख्यान देने वालों के साथ उनकी चर्चा बहुत केंद्रित थी तथा उन्होंने दिए गए व्याख्यानों का उत्तम उपयोग किया। प्रत्येक व्याख्यान के साथ प्रश्न एवं उत्तर सत्र विचार उत्तेजक था तथा अक्सर कक्षा के अवधि के बाद भी चर्चा में रहा। इस समूह को भारत के महामहिम राष्ट्रपति तथा माननीय प्रधानमंत्री के दौरे का विशेषाधिकार प्राप्त हुआ। यह पहला प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम समूह था जिसे विदेश अध्ययन दौरे के रूप में साउथ कोरिया के भ्रमण का अवसर प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के दौरान भागीदारों के बीच आपसी मेल-मिलाप उल्लेखनीय है।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री एम. रामाचंद्रन, आईएएस सेवानिवृत्त, फार्मर सेक्रेटरी, अर्बन डबलप्मेंट, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया
- डॉ. सी.के. मेथ्यू, आईएएस सेवानिवृत्त, फार्मर चीफ सेक्रेटरी राजस्थान, सीनियर फेलो पब्लिक अफेयर्स सेंटर
- डॉ. शालिनी रजनीश, आईएएस, प्रिसिंपल सेक्रेटरी, हैल्थ एण्ड फेमिली वेलफेयर डवलप्मेंट, विकास सौंधा, बेंगलूरू, कर्नाटका
- प्रो. जीमोल उन्नी, डायरेक्टर, इन्स्टीट्यूट ऑफ रूरल मैंनजमेंट, आन्नद, आईआरएमए
- श्री वेद आर्य, फाउंडर एण्ड सीईओ सृजन
- श्री संजीव चोपडा, आईएएस, एडिशनल चीफ सेकरेटरी, गवर्नमेंट आफॅ वेस्ट बंगाल, एग्रीकल्चर डवलप्मेंट
- प्रो. हिंमाशु, एसोसिएट प्रोफेसर, सेंटर फार इकोनोमिक स्टडीज एण्ड प्लानिंग, स्कूल ऑफ सोसल सांइसेज, जवाहर लाल नेहरू यूनिर्वसिटी, नई दिल्ली
- श्री अवनीश के. अवस्थी, आईएएस, ज्वांइट सेक्रेटरी, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, डबलप्मेंट ऑफ डिसबिलिटी अफेयर्स, मिनिस्टरी ऑफ सोसल जस्टिक एण्ड इम्पावरमेंट
- विंग कमांडर डॉ. ए.के. श्रीनिवास सिटायर्ड, फाउंडर डायरेक्टरः एआईपीईआर कंस्लटिंग
- श्री अमित कुमार घोष, आईएएस, मेनेजमेंट डायरेक्टर, यूपी स्टेट इंडस्ट्रियल डवलन्मेंट कॉपोरेशन लि.
- डॉ. जोहन्नी ओम्मेन, डिप्टी मेडिकल सुपरीटेंडेंट, क्रिस्चियन हॉस्पिटल, बिसाम कट्टक
- श्रीमती रूकमणी बेनर्जी, सीईओ, प्रथम एजुकेशन फांउडेशन
- श्री गौरव द्विवेदी, आईएएस, सीईओ, माई गव.
- श्री एम. गोविंदा राव, इमेरिटस प्रोफेसर, नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फरइनेस एण्ड पॉलिसी

- डॉ. जी.डी. बडगंयां, आईएएस सेवानिवृत्त, डीजी,एनसीजीजी, नई दिल्ली
- श्री अरविंद मायाराम, आईएएस सेवानिवृत्त, फार्मर सेक्रेटरी टू जीओआई मिनिस्टरी ऑफ अफेयर्स
- श्री चेरिन थॉमस, सीईओ एण्ड नेशनल डायरेक्टर, वर्ल्ड विजन इंडिया
- डॉ. जे.एन. बार्लोवालिया, एडवोकेट, हाईकोर्ट ऑफ हिमाचल प्रदेश एण्ड सुप्रीम कोर्ट
- श्री उपेंद्र त्रिपाठी, आईएएस, सेकरेटरी, गवर्नमें ऑफ इंडिया, मिनिस्टरी ऑफ न्यू एण्ड रिन्यूवल एनर्जी
- श्री हुकुम सिंह मीना, आईएएस, ज्वांइट सेकरेटरी, लैंड रेगुलेशन डिवीजन, डिपार्टमेंट ऑफ लैंड रिसोर्स, मिनिस्टरी ऑफ रूरल डवलप्मेंट
- ले.जन. सैय्यद ए. हस्नैन,पीवीएसएम, यूवाईएवीएसएम, एसएम, बार, वीएसएम इार, फार्मर मिलिट्री सेकरेटरी एण्ड कंमाडर, एस.वी. क्रोप्स
- सुश्री सुनीता डावरा, आईएएस. प्रिंसिपल सेकरेटरी, हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ आंध्र प्रदेश
- श्री देवधर सिंह, आईएएस. प्रिंसिपल सेकरेटरी, टू गवर्नमेंट, हरियाणा, इन्डस्टरीज एण्ड कॉमर्स डिपार्टमेंट
- डॉ. पी.जी. दिवाकर, सांइटिफिक सेकरेटरी, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन
- श्री एस.के. दास, आईएस, फार्मर सेकरेटरी, उत्तराखण्ड एण्ड आनरेरी मेम्बर, दून लाइब्रेरी एण्ड रिसर्च सेंटर, देहरादून उत्तराखण्ड
- श्री आलोक कुमार जैन, आईएएस रिटायर्ड, फार्मर चीफ सेकरेटरी गवर्नमेंट ऑफ उत्तराखण्ड एण्ड चीफ कमिश्नर, उत्तराखण्ड, राइट टू सर्विस कमीशन
- डॉ. जी.डी बडगैयां, भा.प्र. सेवा, (सेवानिवृत्त) डीजी, एनसीजीजी, नई दिल्ली
- श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, ज्वांइट सेकरेटरी, मिनिस्टरी ऑफ स्कील डवलप्मेंट इण्टरप्रिटर्नेशिप
- डॉ. सी.वी. आन्नदा बोष, आईएएस रिटायर, चेयरमेंन सेंटरल वारहाउसिंग कार्पोरेशन

अल्पकालीन पाठ्यक्रम/संकोष्ठी/कार्यशाला/अन्य

नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त ला.ब.शा.रा.प्र.अ. ने कई अल्पकालीन पाठ्यक्रम सेमिनार , कार्यशालाएं तथा बैठकें भी आयोजित की

भा.प्र. सेवा १९६६ बैच के अधिकारियों का स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	जिन अधिकारियों ने सेवा के ५० वर्ष पूरे कर लिए हों
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री एम.एच. खान
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल ८८ (पुरुष ८१, महिलाएं ०७)
दिनांक	३० मई २०१६ से ३१ मई, २०१६ तक

अकादमी प्रतिवर्ष उन अधिकारियों का पुनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित करती है जो ५० वर्ष पूर्व सेवा में शामिल हुए थे। पहला पुनर्मिलन, स्वतंत्र भारत के स्वर्णजयंती वर्ष अर्थात, १९९७ में आयोजित किया गया था जिसमें स्वतंत्रता के समय सेवारत भारतीय सिविल सेवा तथा भा०प्र० सेवा के अधिकारियों ने भाग लिया। तब से, सेवानिवृत्त अधिकारियों को प्रतिवर्ष तीन दिनों की अवधि के लिए संकाय एवं अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों से अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। वरिष्ठ अधिकारियों का दृष्टिकोण बेहद सामाजिक होता है तथा प्रशासन के इस बदलते परिवेश में बहुमूल्य जानकारियां देते हैं। शासन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर औपचरिक सत्रों के बीच, भा.प्र. सेवा तथा सिविल सेवाओं पर विचार, आधारिक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लेने वाले अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ पारस्परिक सत्रों, संस्मरणों तथा अकादमी परिसर के दौरे भी शामिल होते हैं।

इस वर्ष १९६६ बैच का स्वर्णजयंती पुनर्मिलन ३० मई तथा ३१ मई २०१६ को आयोजित किया गया तथा बैच के ८१ पुरुष तथा ७ महिला अधिकारी इस पुनर्मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए।

अध्याय -४

क्लब और सोसाइटियां

एक परिचय

अकादमी में प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है।

क्लब और सोसाइटियों के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विभिन्न इंडोर और आउट डोर कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं। इनका संचालन निदेशक नामिति के समग्र दिशानिर्देश में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्वयं ही किया जाता है। क्लब और सोसाइटियों की गतिविधियां स्व-अभिव्यक्ति और विकास के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को एक श्रेष्ठ माध्यम उपलब्ध कराता है। अपने सृजनात्मक कार्यों के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षणार्थी ऐसे कार्यकलाप आयोजित करते हैं जो मनोरंजन ही प्रदान नहीं करते बल्कि अकादमी के परिसरीय जीवन को भी समृद्ध करते हैं। सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे कार्यकलापों में सक्रीय रूप से भाग लें और सुविधाओं का इष्टतम उपयोग करें। क्लबों और सोसाइटियों के पदाधिकारियों का चुनाव अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में से ही किया जाता है किन्तु क्लब और सोसाइटियों के कार्यकलाप सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के सहयोग और सहायता से चलाए जाते हैं। निदेशक नामिति/सह-निदेशक नामिति क्लबों और सोसाइटियों के संचालन में और उनके द्वारा चलाए जा रहे गतिविधियों के आयोजन में आवश्यक दिशानिर्देश और सहायता देते हैं। संकाय सदस्य और उनके परिवार के सदस्यों को ऐसे सभी कार्यकलापों में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किए जाते हैं। उनके कार्यकलापों को चलाने के लिए क्लबों और सोसाइटियों को कोर्स के अलावा वार्षिक और द्वि-वार्षिक अनुदान दिए जाते हैं जिसे वे सदस्यता शुल्क के माध्यम से प्राप्त करते हैं। निदेशक के मूल्यांकन के भाग के रूप में पाठ्यक्रम के अंत में क्लबों तथा सोसाइटियों की गतिविधियों में भागीदारी का मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक क्लाबों और सोसाइटियों के उद्देश्यों और गतिविधियों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

साहसिक खेलकूल क्लब

गठन : १ सचिव और ३ सदस्य

उद्देश्य

- विभिन्न साहसिक खेलकूद का आयोजन करके अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के बीच साहस की भावना को उत्पन्न करना।
- क्रॉस कंट्री दौड़, घुड़सवारी प्रदर्शनी, रिवर राफ्टिंग, पर्वतारोहण, रॉक क्लाइंबिंग, हैंग ग्लाइडिंग, पैरासेलिंग आदि जैसे साहसिक खेल का समय-समय पर अयोजन करना।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

इस वर्ष के दौरान साहसिक खेलकूद क्लब ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए रिवर राफ्टिंग (ऋषिकेश), जॉर्ज एवरेस्ट के लिए ट्रेक, केम्पटी फॉल के लिए शॉर्ट ट्रेक, बेनोग हिल्स के लिए शॉर्ट ट्रेक, लाल टिब्बा के लिए शॉर्ट ट्रेक, नाग मंदिर के लिए शॉर्ट ट्रेक तथा फ्लाइंग फॉक्स एवं बंगी जंपिंग का आयोजन किया।

कंप्यूटर सोसाइटी

गठन : १ सचिव और ३ सदस्य

उद्देश्य

- अनौपचरिक और मैत्रीपूर्ण तरीके से अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में कंप्यूटर का ज्ञान और कौशलता को बढ़ाना।
- ऑन लाइन गैम्स, कंप्यूटर प्रश्नोत्तरी, प्रस्तुती और अन्य प्रतिस्पर्द्धाओं जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजित करके अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के बीच रूचि और जागरूकता उत्पन्न करना।

- प्रशिक्षण के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ-साथ अकादमी के लिए महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर/कोडिंग का विकास करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करना।
- इंडिया डे, फेट आदि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए अन्य क्लबों और सोसाइटियों को सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता प्रदान करना।

गतिविधियां

- कंप्यूटर सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य है ऐसे अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को लाभ पहुंचाने के लिए नियमित कक्षा सत्र के अलावा कंप्यूटर टूटोरियल सत्र का आयोजन करना जिन्हें इसकी आवश्यकता है।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए मल्टीमीडिया सूविधा प्रदान करना।
- इंटरनेट या दूसरे क्षेत्र पर उपलब्ध नवीनतम सुविधाओं/सेवाओं/सॉफ्टवेयर का प्रचार-प्रसार करना।
- ऐसे प्रतिस्पर्द्धाओं, प्रस्तुतियों आदि का आयोजन करना जिससे कंप्यूटरों और इसके अनुप्रयोग के क्षेत्रों में रूचि उत्पन्न हो।
- पाठ्यक्रम गतिविधियों और प्रशिक्षणार्थियों की निर्देशिका पर सीडी तैयार करना।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

वर्ष २०१६-१७ के दौरान कंप्यूटर अनुभाग, ला.ब.शा.रा.प्र.अ. मसूरी द्वारा निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए गए:

- भा.प्र.से. व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। (२०१५ बैच) के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए गए :
  - अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए ''ऑन लाइन चैस'' कंप्यूटर गैम का आयोजन किया गया।
  - अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए ''पॉकेट टैक्स'' कंप्यूटर गैम का आयोजन किया गया।
  - अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए ''काउंटर स्ट्राईक'' कंप्यूटर गैम का आयोजन किया गया।
- ९१वां आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए गए :
  - अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए ''काउंटर स्ट्राईक'' और ''नीड फॉर स्पीड'' कंप्यूटर गैम का आयोजन किया गया।
  - कंप्यूटर सोसाइटी तथा प्रकृति प्रेमी क्लब ने सर्वश्रेष्ठ हिमालयन ट्रैक प्रतियोगिता को प्रायोजित किया।
  - श्री नंद कुमार सर्वडे पूर्व आई.पी.एस. द्वारा साइबर सुरक्षा पर व्याख्यान दिया गया।
  - सरगम पोर्टल के लिए ''प्रूफ ऑफ कंसेप्ट्स'' एनड्रॉइड एप विकसित किया गया।
- भा.प्र.से. व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। (२०१६ बैच) के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए गए :
  - अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के एक कंप्यूटर गैम का आयोजन किया गया।
  - एनड्रॉइड एप के डेवलपर की सुविधा दी गई।

ललित कला एसोसिएशन

गठन : १ सचिव और ५ सदस्य

उद्देश्य

- ललित कला एसोसिएशन ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यापक विविधता के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को बांधे रखा जो समूह प्रतिभागिता पर आधारित था। एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में संघ-भाव को उत्पन्न किया तथा धर्म एवं भाषा के बंधनों को तोड़ा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने अनेक अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को उनके रचनात्मक पक्ष को उजागर करने का अवसर दिया।

कार्यकलाप

- अपने कलात्मक प्रतिभा को दिखाने के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा सी.जी.एम. के आधार पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।
- सोसाइटी ने श्री ए.के.सिन्हा एकांकी नाटक के अंतर्गत नाटकों का निर्देश भी दिया जिससे उन्हे अपने आप को अभिव्यक्त करने का मौका मिला। सोसाइटी ने नियमित तौर पर कराओक नाईट, डी.जे. नाईट का भी आयोजन किया।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

ललित कला एसोसिएशन ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यापक विविधता के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को बांधे रखा जो समूह प्रतिभागिता पर आधारित था। एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में संघ-भाव को उत्पन्न किया तथा धर्म एवं भाषा के बंधनों को तोड़ा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने अनेक अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को उनके रचनात्मक पक्ष को उजागर करने का अवसर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम ललित कला एसोसिएशन विभिन्न कलाकारों और समूहों के कार्यक्रम के आयोजन में भी सक्रीय रूप में भाग लेती है। ललित कला एसोसिएशन भारतीय सुगम संगीत, स्पैनिस गिटार और ड्रम के लिए पाठ्येत्तर मॉड्यूल भी आयोजित करती है।

आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान स्वर्गीय श्री ए.के. सिन्हा समृति एकांकी प्रतिस्पर्द्धा का भी आयोजन किया गया।

फिल्म सोसाइटी

गठन : १ सचिव और २ सदस्य

उद्‌देश्य

- एक कला और सामाजिक ताकत के रूप में फिल्मों के अध्ययन को बढ़ावा देना।
- फिल्मों से जुड़ी आवश्यक प्रयोगशाला, पुस्तकालय और उपस्कर का रख-रखाव करना।
- फिचर और डॉक्यूमेन्ट्री फिल्मों का प्रदर्शन करना।
- राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म सोसाइटियों से संपर्क बनाए रखना।
- सोसाइटी के द्वारा चलाए जाने वाले फिल्मों से जुड़े अकादमी के उपकरणों, प्रयोगशाला कोष तथा स्टाफ का दक्षतापूर्वक प्रबंध करना।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सिनेमा को एक कला के रूप में और जनसंचार के ताकतवर माध्यम के रूप में परिचय कराना।

कार्यकलाप

- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों, भा.प्र. सेवा यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-एण्एट के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए सामाजिक मुद्‌दों सहित विभिन्न विषयों पर चलचित्र दिखाए जाते हैं। इस चलचित्र में श्रोताओं की अलग-अलग रूचियों को ध्यान में रखा जाता है।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

- ९१वें आधारिक पाठ्यक्रम की फिल्म सोसाइटी नेहरू ऑडिटोरियम तथा गंगा ओटी लॉन्ज के चौथे तल पर आधिकारिक तौर पर सक्रिय रूप से चलचित्र का प्रदर्शन करती रही है।
- इस इर्ष के दौरान कई चलचित्र प्रदर्शित किए गए। अधिकांश फिल्म प्रेमी अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने आधारिक पाठ्यक्रम के व्यस्त कार्यक्रम के बीच विविध शैली के चलचित्र का आनंदर लिया।
- अधिकांश मामलों में जो चलचित्र लोग देखना चाहते थे उन चलचित्रों को दिखाने के लिए प्रजातांत्रिक तरीके से चलचित्र के लिए मतदान का अयोजन किया गया।

अभिरूचि क्लब

गठन : १ सचिव और ४ सदस्य

उद्‌देश्य

- फोटोग्राफी, पेंटिंग, डाक टिकट संग्रह, पौद्य संग्रह जैसे विभिन्न अभिरूचियों में उनकी इच्छा का विकास करना, बढ़ावा देना और लोकप्रिय बनाना और
- फिल्मों और गीतों पर आधारित प्रश्नोत्तरी।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की अभिरूचियों में रूचि बढ़ाने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए वर्ता, चर्चा, प्रदर्शनी आदि की व्यवस्था करना ताकि उनमें ज्ञान और दक्षता का विकास किया जा सकें।
- विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करना।
- अभिरूचियों का अनुशीलन करने के लिए आवश्यक सुविधाएं तथा सामग्री और उपकरण उपलब्ध कराना।

कार्यकलाप

क्लब को सोसाइटी सैल के डार्क रूम और स्टूडियो की चाबियां एकत्रिक करने और कमरों का निरीक्षण करने तथा टिकाऊ और उपभोग योग्य माल सूची का सत्यापन करने का दायित्व दिया गया है। प्रत्येक मुख्य परिसरीय पाठ्यक्रम की

शुरूआत से पहले यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी मूल सभी टिकाऊ तथा उपभोग योग्य सामान सही ढंग से अपने स्थान में रखे गए हैं। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कमरे उचित आकार में हैं।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

अभिरूची क्लब का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में अभिरूची को बढ़ावा देना है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए अभिरूची क्लब ने इंटर सर्विस मिट, ट्रेजर हंट, फोटोग्राफी, भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। (२०१५ बैच) में पाककला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, अंताक्षरी, डंबचरादेस, फोटोग्राफी और भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-।। (२०१४ बैच) में खौफनाक लंबी देहर माइंस, मसूरी तक चलना और रंगोली, ट्रेजर हंट, पेंटिंग एंड स्केचिंग, फोटोग्राफी प्रतियोगिता तथा ६१वें आधारिक पाठ्यक्रम में निकोन इंडिया फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

गृह पत्रिका सोसाइटी

गठन : १ सचिव और ४ सदस्य

उद्देश्य

- सृजनात्मक लेखन के माध्यम से सायित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
- अन्य व्यक्तियों के साथ निःसंकोच अभिव्यक्ति तथा संवाद के लिए एक मंच प्रदान करना।
- पत्रकारिता के संपादन तथा अन्य पहलुओं के लिए योग्यता का विकास करना।

कार्यकलाप

- सोसाइटी विभिन्न विषयों और रचनात्मक लेखन पर आलेख शामिल करते हुए एक इनहाउस न्यूज लेटर प्रकाशित करती है। गृह पत्रिका सोसाइटी मासिक समाचार पत्र 'द एकेडमी' का संकलन करती है। द एकेडमी' में अकादमी तथा इसके सहयोगी केंद्रों द्वारा संचालित की गई विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यशालाओं को प्रकाशित किया जाता है। यह अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा एल्यूमनी को उनकी सक्रियता तथा साहित्यिक कौशल को प्रदर्शित करने के लिए मंच भी प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, गृह पत्रिका सोसाइटी विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंत में एक बैच पिक्चर डाइरेक्टरी को भी एक साथ रखती है।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

- मासिक न्यूज लेटर – 'द एकेडमी' का प्रकाशन
- आधारिक पाठ्यक्रम के इतिहास का प्रकाशन
- एक नया पहल कदम : **अभिव्यक्ति :** अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा रचित कविताओं का एक संग्रह।
- लघु कथा प्रतियोगिता
- काव्य प्रतियोगिता
- गृह पत्रिका सोसाइटी मासिक समाचार पत्र 'द एकेडमी' का संकलन करती है। द एकेडमी' में अकादमी तथा इसके सहयोगी केंद्रों द्वारा संचालित की गई विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यशालाओं को प्रकाशित किया जाता है। यह अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा एल्यूमनी को उनकी सक्रियता तथा साहित्यिक कौशल को प्रदर्शित करने के लिए मंच भी प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, गृह पत्रिका सोसाइटी विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंत में एक बैच पिक्चर डाइरेक्टरी को भी एक साथ रखती है।

प्रबंधन मंडल

गठन : १ सचिव और ४ सदस्य

उद्देश्य

- प्रबंधन के क्षेत्र में मुख्य कार्यों में नवीनतम विकास का अध्ययन करना तथा उसको प्रोत्साहित करना।
- प्रबंधकीय विषयों पर सूचना और टिप्पणियों का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करना।
- प्रयोगात्मक ज्ञान के माध्यम से जानकारी देने तथा स्व-जागरूकता लाने के लिए एक मंच प्रदान करना।
- प्रबंधन अभ्यास करने और मैनेजमेंट गेम खेलने के लिए अवसर प्रदान करना।
- संगठन से संबंधित प्रबंधकीय समस्याओं पर व्याख्यान और सेमिनार का आयोजन करना।
- प्रबंधन अवधारणाओं तथा तकनीकों पर फिल्म प्रदर्शन करना।

- राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन एसोसिएशन के साथ संपर्क स्थापित करना तथा बनाए रखना।

कार्यकलाप

क्लब ने २६ जुलाई २०१६ को अपनी स्कीम जानीय - गवर्नेंस प्रश्नोत्तरी आयोजित की प्रारंभिक दौर में कुल १८ दलों ने भाग लिया जो प्रश्नों का एक लिखित प्रश्नोत्तरी थी तथा भारत सरकार के विभागों की योजनों और नीति पर आधारित थी।

प्रकृति प्रेमी क्लब

गठन : १ सचिव और ३ सदस्य

उद्देश्य

- प्रकृति को संरक्षित करने के उद्देश्य से इसके विभिन्न रूपों से प्यार को बढ़ावा देना।
- पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसके सदस्यों के बीच जागरूकता लाना।
- आउटडोर गतिविधियों (प्रकृति अवलोकन भ्रमण, हाइक्स एण्ड ट्रैक्स सहित) के साथ-साथ (आउटडोर और इंडोर दोनों) सिनेमा, स्लाइड शो, प्रदर्शनी का आयोजन करना।
- सदस्यों को पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में कानूनी प्रावधानों से संबंधित जानकारी देना य पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के लिए प्रशासक के रूप में क्या उपाए किये जा सकते हैं, और कानून का उल्लंघन करने वाले को किस प्रकार का दंड दिया जाना चाहिए।

कार्यकलाप

- पर्यावरणीय मुद्दों पर सेमिनारों का आयोजन।
- प्रकृति के गुण-दोष की विवेचना के लिए ट्रैकिंग।
- प्रश्नोत्तरी का आयोजन।
- हिमालय और ग्रामीण भ्रमण में ट्रैकिंग के दौरान लिए गए चित्रों की प्रदर्शनी।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

- प्रकृति प्रेमी क्लब अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का बहुत सक्रिय व लोकप्रिय क्लब है। इस अवधि के दौरान क्लब द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गई।
- भारत दर्शन तथा शीतकालीन अध्ययन भ्रमण के फोटोग्राफ को सम्मिलित करते हुए फोटोग्राफी प्रतियोगिता तथा प्रदर्शनी आयोजित की गई।
- वनरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय किस्म के २५० पौधे रोपे गए।
- परिसर के अंदर पेड़ों पर नाम के टैग लगाए गए।
- कैनन इंडिया द्वारा एक फोटोग्राफी कार्यशाला आयाजित की गई।
- धनोलटी से मसूरी तक साइकिलिंग अभियान आयोजित किया गया।
- प्रकृति, वन, वातावरण तथा मौसम परिवर्तन पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

अधिकारी क्लब

गठन : १ अध्यक्ष १ सचिव और ६ सदस्य

उद्देश्य

- सामाजिक और मनोरंजनात्मक गतिविधियों के लिए केंद्र के रूप में कार्य करना।
- सदस्यों के लिए खेलकूद तथा मनोरंजनात्मक गतिविधियां आयोजित करना।
- इंडोर और आउटडोर गैम्स के लिए प्रोत्साहित करना और सुविधाएं प्रदान करना।
- अकादमी की ओर से अकादमी में और अकादमी से बाहर समारोह आयोजित करने के लिए विभिन्न खेलों और एथलेटिक मीट में क्लब के टीम का चयन करना और प्रशिक्षण देना।
- अकादमी में समय-समय पर खेलकूद समारोह और प्रतियोगिताएं आयोजित करना।

- अकादमी के अन्य क्लबों और सोसाइटियों के सहयोग से क्लब के क्षेत्र से संबंधित खेलकूद प्रश्नोत्तरी, वार्ता, फिल्मों आदि का आयोजन करना।

कार्यकलाप

- पाठ्यक्रम के दौरान बैडमिंट टेनिस, टेबल टेनिस, शतरंज, स्क्वैश, स्नूकर, कैरम आदि जैसे विभिन्न गेमों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
- पाठ्यक्रम के दौरान व्याख्यान समूहवार वॉलीबॉल, फुटबॉल, बासकेट बॉल और क्रिकेट प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
- एथलेटिक मिट और क्रॉसकंट्री दौड़ आयोजित की गई।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

अधिकारी क्लब अपने सदस्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों, सेवाकालीन पाठ्यक्रमों, चरण-ट, प्ट, और चरण- प्प्प पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों, संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को बाह्य और आंतरिक खेलकूद की सुविधाएं प्रदान करता है। बाह्य खेलकूद में टेनिस, बास्केट बाल, वॉलीबाल, क्रिकेट, फुटबाल, इत्यादि की सुविधाएं प्रदान की जाती है और आंतरिक खेलकूद में बिलियर्ड्स, कैरम, शतरंज, ब्रिज, स्नूकर, टेबल टेनिस, स्क्वैश तथा बैडमिंटन शामिल हैं। क्लब में सुसज्जित जिम्नाजियम भी मौजूद है जो वर्ष भर संचालित होता है। क्लब ने कई क्रियाकलाप आयोजित किए, जिनका पाठ्यक्रमवार विवरण निम्नवत् हैः

अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के बीच निम्नलिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईः

- बैडमिंटन - पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
- टेनिस - पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
- कैरम - पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
- शतरंज - पुरुष एकल
- स्क्वैश - पुरुष एकल
- बिलियर्ड्स - पुरुष एकल
- स्नूकर - पुरुष एकल

अधिकारी क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अकादमी संकाय सदस्यों की टीमों के बीच बैडमिन्टन मैच आयोजित किया।

- पाठ्यक्रम के दौरान बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस, शतरंज, स्क्वैश, स्नूकर, कैरम इत्यादि की खुली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
- पाठ्यक्रम के दौरान व्याख्यान समूहवार वॉलीबाल, फुटबॉल, बास्केट बॉल तथा क्रिकेट के टूर्नामेन्ट का आयोजन किया गया।
- ९१वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए पोलो ग्राउंड में एथलीट्स मीट का आयोजन किया गया।
- ९१वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा संकाय सदस्यों के लिए क्रॉस कंट्री दौड़ का भी आयोजन किया गया।
- व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण - । तथा चरण-।। और ९१वें आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान क्लब ने टेनिस, बैडमिंटन, बासकेट बॉल, स्क्वैश, टेबल टेनिस तथा बिलियर्डस के लिए कोचिंग का भी आयोजन किया गया।

अधिकारी मेस

गठन : १ अध्यक्ष, १ सचिव, १ कोषाध्यक्ष और ५ सदस्य

उद्देश्य

- मेस अकादमी की एक संस्था है जहां प्रशिक्षु अधिकारी भोजन तथा आराम के लिए एक औपचारिक और अनौपचारिक वातावरण में मिलते हैं।
- भोजन कक्ष, मेस के पास आराम तथा मनोरंजन हेतु एक ऑफिसर लाउंज है। यह अकादमी में सामुदायिक जीवन का केंद्र है। एक सक्रिय मेस जीवन विभिन्न संवर्गों एवं सेवाओं के प्रशिक्षुओं के बीच महत्वपूर्ण रूप से मेल-मिलाप की भावना बढ़ाता है।

मेस की सक्षमता, भोजन की गुणवत्ता तथा लागत मित्तव्यता के आधार पर आकलित की जाती है। प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी मेस का सदस्य है।

- मुख्य परिसर में अधिकारी मेस योगदान के आधार पर प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा ही संचालित किया जाता है। मेस समिति को प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा चयनित किया जाता है तथा यह मेस में निदेशक के नामिती तथा सहायक नामिति के दिशा निर्देश में कार्य करता है। इसमें एक पूर्णकालिक प्रबंधक १ मेस परिवेक्षक, १ मेस लेखाकार, १ स्टोर कीपर तथा करीब ४० कर्मचारियों के स्टाफ के द्वारा सहयोग किया जाता है जिसमें बावर्ची, हैल्पर, टेबल बीयरर, रूम बीयरर, स्वीपर तथा डिशवॉशर होते हैं। यह संगठन प्रशिक्षुओं के मेस की आवश्यकताओं को पूरा करने के अतिरिक्त पदधारकों के बीच प्रबंधकीय तथा संगठनिक दक्षताओं को विकसित करने में सहयोग करता है।

गतिविधियां

- अधिकारी मेस कर्मशिला, ज्ञानशिला तथा इंदिरा भवन परिसर में लगभग ५०० लोगों की सेवा करता है। अधिकारी मेस प्रतिभागियों को इस राष्ट्र के कोने-कोने के विभिन्न व्यंजन (मेस में तैयार की हुई) परोसता है। अधिकारी मेस ए.एन.झा प्लाजा कैफे. कार्यकारी छात्रावासों के केफेटेरिया, अधिकारी प्रशिक्षणार्थी छात्रावासों तथा हैप्पी वैली के खेल परिसरों में अपनी सेवा प्रदान करता है। अधिकारी मेस बेकरी के द्वारा भी अपनी सेवाएं देता है।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

- लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी परिसर में अधिकारी मेस एक पवित्र संस्थान है। यह एक स्थान है जहां व्यंजनों की विविधता के माध्यम से संस्कृति, परंपराएं, प्रथाएं तथा विश्वास मिल जाते हैं। यह संस्थान परिवीक्षाधीनों के बीच विश्व बन्धुत्व एवं भाईचारे की भावना को सदैव बढ़ावा देता है। मेस को अनिवार्य रूप से शिष्टाचार, आचार तथा सेवाओं के संदर्भ में उच्च मानक प्राप्त करना होता है। प्रत्येक परिवीक्षाधीन इस संस्थान का अभिन्न हिस्सा होता है।
- अधिकारी मेस का संचालन परिवीक्षाधीनों द्वारा किया जाता है। मेस समिति के सदस्य परिवीक्षाधीनों में से होते हैं। मेस समिति में एक अध्यक्ष, एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष तथा पांच अन्य सदस्य होते हैं जो स्वयं संघ भाव के अधारभूत दर्शन को बढ़ावा देने के लिए निर्विवाद रूप से कार्य करते हैं।
- मेस समिति अधिकारी मेस के निदेशक नामिति के समग्र दिशा निर्देश तथा देख-रेख में कार्य करती है। मेस की सहायता हर समय मेस प्रबंधक, लेखाकार, स्टोर कीपर तथा पर्यवेक्षकों द्वारा की जाती है। इस संस्थान में अधिकारी मेस के कर्मचारी, कुक, सहायक, टेबल बीयरर, रूम बीयरर, स्वीपर तथा डिशवॉशर होते हैं।
- अधिकारी मेस कर्मशिला, ज्ञानशिला तथा इंदिरा भवन परिसर में लगभग ५०० लोगों की सेवा करता है। अधिकारी मेस प्रतिभागियों को इस राष्ट्र के कोने-कोने के विभिन्न व्यंजन (मेस में तैयार की हुई) परोसता है। अधिकारी मेस अपनी लागत केंद्रों से सेवाएं प्रदान करता है।
  १. ए.एन.झा प्लाजा कैफे
  २. होम टर्फ केफेटेरिया
  ३. शॉवेनियर शॉप ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

मुख्य गतिविधियां :

- एमडीओ के संस्थान को मजबूत करने हेतु फीड बैक फॉर्म
- ए.एन.झा प्लाजा कैफे की पुनः संरचना जिससे ग्राहकों को उत्तम सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।
- मेस फर्निचर का नवीकरण
- क्रॉकरी में सुधार
- रसोई के उपकरणों का अद्यतन
- स्वेपिंग कार्ड मशीनों द्वारा नगदी रहित लेन-देन
- शॉवेनियर शॉप में नए मदों को शामिल करना
- अधिकारी मेस अकादमी के सभी शैक्षिक और गैर शैक्षिक गतिविधियों में जीवन उल्लसास तथा उत्साह लाने में प्रमुख रहा है।

राइफल एवं धनुर्विद्या क्लब

गठन : १ सचिव और ३ सदस्य

उद्देश्य

- क्लब के सदस्यों को शस्त्रों तथा धनुष एवं तीर को सक्षमता से संचालित करने में प्रशिक्षण देना।
- एक स्वस्थ खेल के रूप में सदस्यों के बीच निसानेबाजी की कला एवं विज्ञान को प्रोत्साहित एवं पदोन्नत करना।
- टीमों तथा/अथवा व्यक्तियों के लिए अवधिवार निसानेबाजी प्रतियोगिताएं आयोजित करना एवं पुरस्कार प्रदान करना।
- आखेट तथा निसानेबाजी दोनों में मनोरंजन कार्यक्रम प्रायोजित/आयोजित करना।
- निम्न ६ अथियारों के साथ रेंज तथा आउटडोर निसानेबजी की सुविधाएं उपलब्ध करना। १२ बोर राइफल, स्मौल बोर राइफल, पिस्टल और रिवोल्वर, एयर रायफल तथा धनुष तीर।
- निसानेबाजी के अन्य भाग जो कि निदेशक के नामांकित द्वारा उपयुक्त समझे जा सकते हैं।

गतिविधियां

- निसानेबाजी गतिविधि (छोटी रेंज)
- हैप्पी वैली ग्राउंड में धनुर्विद्या गतिविधि

अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाला प्रत्येक अधिकारी इस क्लब का सदस्य होता है। क्लब की कार्यकारी समिति में एक निर्वाचित/नामित सचिव तथा तीन सदस्य होते हैं।

राइफल एवं धनुर्विद्या क्लब के पास २२ स्पोर्टिंग गनें, तीन ३८ रिवाल्वर ५ एयर गनें तथा एक १२ बोर एसबीबीएल गन हैं। क्लब के पास एक ऑटोमेटिक राइफल तथा एक लाइट मशीन गन भी है जो १६७२ में लेफ्टिनेंट जनरल जे. एस. अरोड़ा ने प्रदान की थी। क्लब ने उपरोक्त हथियारों के प्रयोग के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा संकाय के लिए अभ्यास सत्र आयोजित किया। २२ राइफलों, ३८ रिवॉल्वरों तथा ५.५६ आईएनएसएएस राइफल का फायरिंग सत्र आयोजित किया गया था।

समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी

गठन : १ सचिव और ४ सदस्य

उद्देश्य

- यह सोसाइटी परिचर्चा चर्चा, वाद-विवाद तथा सामान्य अभिरूचि के सभी मामलों के अध्ययन, जिसमें सामयिकी, विज्ञान तथा तकनीकी एवं सामयिक अभिरूचि के विषयों के लिए मंच प्रदान करती है।
- अकादमी में अधिकारियों उन सभी सामान्य गतिविधियों के लिए फॉरम उपलब्ध कराना। अन्य क्लबों तथा सोसाइटियों द्वारा विशेष रूप से प्रदान नहीं की जाती है।

गतिविधियां

- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
- वाद-विवाद प्रतियोगिता
- सगोष्ठी चर्चा
- अंतः सेवा मिलन

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

- लोक प्रशासन मॉड्यूल के एक भाग के बतौर कक्षा की अवधि के दौरान पारंपरिक फॉरमेट में ३ वाद-विवाद
- एक संसदीय वाद-विवाद टूर्नामेंट जो कि वैश्विक विश्वविद्यालय की वाद-विवाद चैंपियनशिप के दो पर दो के शैली पर आधारित है।
- भारत दिवस कार्यवाहियों के दौरान एक पैशेवर क्वीज मास्टर द्वारा ''इंडिया क्वीज'' का आयोजन तथा अधिकारी क्लब एवं प्रबंधन सर्किल के समन्वय के साथ एक नियमित आंतरिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन।

- 'देखें और चर्चा करें' सत्र जहां सोसाइटी ने छोटी डॉक्यूमेंट्रीज स्क्रीन की तथा समकालिन संगती के विषयों पर टैड चर्चा जिसके पश्चात प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच एक सामान्य रूप से संचालित चर्चा की जाती है।

समाज सेवा सोसाइटी

गठन : १ सचिव, और ४ सदस्य

उद्देश्य

अकादमी के कर्मचारियों तथा स्थानीय समुदाय के आवासियों के कल्याण के लिए भी विभिन्न पहलें करना।

गतिविधियां

- नियमित स्वास्थ्य शिविर- स्वास्थ्य क्लिनिक तथा दो बार जांच निःशुल्क दवाईयों के साथ।
- सोसाइटी १९७० के पूर्व के वर्षों से बालवाड़ी चलाती है इसका नाम स्वर्गीय ललिता शास्त्री के नाम पर रखा गया है। यह हैप्पी वैली ग्राउंड भवन से कार्य कर रहा है।
- बच्चों का पार्क - बच्चों के एक पार्क का सोसाइटी द्वारा प्रबंधन किया जाता है।
- टेलरिंग केंद्र - सोसाइटी द्वारा आस-पास के महिलाओं द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए चलाया जाता है।
- सोसल सर्विस सोसाइटी अकादमी के ललीता शास्त्री बालवाड़ी क निकट कम्यूनिटी सेंटर में एक निःशुल्क होमियोपैथी औषद्यालय चला रही है जहां डॉ० एन.पी. उनियाल एक नियमित दौरा करने वाले डॉक्टर हैं। इसके अतिरिक्त सोसाइटी उन बच्चों सहायता करती है जो अपने स्वास्थ्य खर्चे को वहन नहीं कर सकते।

कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

- समाज सेवा सोसाइटी (एस.एस.एस.) यथासंभव कई व्यक्तियों की जीवन की गुणवत्ता की वृद्धि के लिए विभिन्न गतिविधियों को पूरा करने में कार्यरत होता है। इसने शिक्षा तथा स्वास्थ्य क्षेत्रों जैसे जागरूकता उत्पन्न करना, स्वास्थ्य क्लीनिक आदि के आयोजन से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों का आयोजन किया। यह ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी की आंतरिक सोसाइटी है जिसमें प्रत्येक वर्ष अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का एक निर्वाचित समूह पुनर्गठित होता है। निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी तथा निदेशक नामिती के मार्गदर्शन में सोसाइटी न केवल अकादमी के कर्मचारियों की बल्कि स्थानीय समुदाय के निवासियों की देखभाल के कई पहलों को आगे बढ़ाने में भी सहायक है।
- परंपरा को जारी रखते हुए तथा नए क्षेत्रों को अपनाते हुए, २०१६ बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की समाज सेवा सोसाइटी (एस.एस.एस.), ने निम्नलिखित मुख्य पहल तथा कार्यक्रम करायेः

ललिता शास्त्री बालवाड़ी स्कूल : समाज सेवा सोसाइटी अकादमी के स्टाफ के बच्चों तथा कर्मचारियों के लिए स्वयं द्वारा बालवाड़ी स्कूल चलाती है। क्योंकि ललिता शास्त्री बालवाड़ी सोसाइटी चलाती है हम सभी पात्र विद्यार्थियों की नियमित रूप से स्कूल शुल्कों को अदा कर रहे हैं।

निःशुल्क होमियोपैथी औषद्यालय : सोसाइटी स्टाफ तथा स्थानीय लोगों के लिए निःशुल्क होम्योपैथिक औषधालय का भी संचालन करती है।

रक्तदान शिविर : आधारिक पाठ्यक्रम के दोरान रिकार्ड १४७ रक्त युनिट एकत्रित किए गए।

साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच : सामुदायिक केंद्र में एक सप्ताह में दो बार स्वास्थ्य क्लिनिक आयोजित किया गया।

छात्रवृत्ति वितरण : इस वर्ष केन्द्रीय विद्यालया के प्रिंसिपल तथा ललिता शास्त्री बालवाड़ी के प्रिन्सिपल द्वारा विद्यार्थियों को चयनित किया गया तथा उनकी कुल २७४६०० के शुल्क को सोसाइटी की छात्रवृत्ति के अंतर्गत लाया गया।

इसके अतिरिक्त सोसाइटी ने पूर्व के प्रयत्नों को बढ़ाया तथा निम्न पहलें की गईं।

- **कैरियर काउंसिलिंग :** सोसाइटी ने विद्यार्थियों के बीच उन विभिन्न अवसरों जिनको वे प्राप्त कर सकते हैं के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कैरियर काउंसिलिंग की।

- **धूम्रपान निषेध सत्र :** केंद्रीय तिब्बती स्कूल, मसूरी में एक धूम्रपान निषेध सत्र का आयोजन किया गया।
- **विद्यालयों के लिए सहायक अवसंरचना :** बालवाड़ी स्कूल की भैतिक अवसंरचना को सुधारा गया। स्कूल के फर्श को पुनः निर्मित किया गया तथा मध्याह्न भोजन योजना (मिड-डे-मील) के बर्तनों की खरीद के लिए धनराशि तथा कैमरा प्राप्त किया गया।
- **धन जुटाना :** ९१वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु अधिकारियों ने एस.एस.एस. की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सोसाईटी की अपनी गतिविधियों में विस्तार किया और नई पहलें कीं। अतः विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों से ५००५००.०० राशि एकत्रित की।

अध्याय - ५

एन.आई.सी. प्रशिक्षण यूनिट

अकादमी में एन.आई.सी. की यह यूनिट अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान, उन्हें सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करती है। एन.आई.सी यूनिट द्वारा प्रशिक्षण कैलेण्डर २०१६-१७ के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां संचालित की गई।

भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-१ (२०१५-१७ बैच)	**सत्र** **20x2 = 40**	**प्रतिभागी** **181**
गतिविधियां : What-if-analysis uses Excel, Descriptive Statistics and Graphical Analysis using MS Excel, Survey Analysis, Time, Value and Money, Capital Budgeting, Introduction to Database Management System, Multiple Table with Primary Key, Application Utility using MS Access, Tenancy database, Introduction to MS Project, Project Appraisal with Management Faculty.		
भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-२ (२०१४-१६ बैच)	**सत्र** **2x2 = 4**	**प्रतिभागी** **180**
गतिविधियां : Population Pyramid Analysis, Descriptive Statistics & Graphical Analysis and Survey Analysis.		
मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण-३)	**सत्र** **10**	**प्रतिभागी** **102**
गतिविधियां : Absolute and Relative Cell Addressing, User Defined Formula and In-built Function, What-if Analysis, Financial Management (Time Value of Money, PV,FV,PMT,IRR,NPV), Project Appraisal (Financial and Investment Criteria, Constructing Project Cash Flows, Case Studies – Small and Large).		
९१वां आधारिक पाठ्यक्रम (१५ सप्ताह)	**सत्र** **19x4 = 76**	**प्रतिभागी** **382**
गतिविधियां : Word Processing Basics using MS Word, Effective Document Management, Special Publication Features for Quality work, Boiler Plate Features to Minimise Time & Efforts, Generating Table of Contents and Indexing, Document Sharing and Security issues, Presentation Basics, Visual Tools of Enhancement of Presentation, Customization of Presentation, Object Animation, Spread sheet Basics, Absolute and Relative Cell Referencing and User Defined Formula Vs in-built functions, Income Tax Calculation, Regression Analysis, Data Analysis.		
भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए ११८वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	**I =** **09**	**ifrHkkxh** **59**
गतिविधियां : Word Processing Basics, Effective Document Management, Special Publication Features for Quality work, Boiler Plate Features to Minimize Time & Efforts, Presentation Basics, Visual Tools of Enhancement of Presentation, Customization of Presentation, Object Animation, Spread sheet Basics, Absolute and Relative Cell Referencing and User Defined Formula Vs in-built functions.		

प्रशिक्षण विधि अपनाई गई

- व्याख्यान – सह–निदर्शन
- हैन्ड्स – ऑन
- प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतिकरण
- प्रकरण अध्ययन

सॉफ्टवेयर का विकास

अकादमी की आवश्यकता अनुसार निम्नलिखित सॉफ्टवेयर तैयार किए गए :

- आई.ए.एस. १९६६ बैच के स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन समारोह की वेबसाइट का डिजाइन एवं विकास।
- अंतर सेवा बैठक संगम २०१६ की वेबसाइट का डिजाइन एवं विकास
- ऑनलाइन परीक्षा मॉड्यूल का अनुकूलन

अन्य गतिविधियां

- अकादमी के ९१वें आधारिक पाठ्यक्रम के ३८२ परिवीक्षाधीनों के लिए ऑनलाइन एन्ट्री लेवर टेस्ट सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- ११८वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के भागीदारों के लिए सफलतापूर्वक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई।
- लोक प्रशासन, विधि, प्रबंधन, अर्थशास्त्र तथा राजनीतिक अवधारणाओं एवं भारत के संविधान पर भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-। (२०१५ बैच) के प्रतिभागियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई।
- सभी ऑनलाइन परीक्षा के लिए प्रश्न बैंक परीक्षा नियंत्रक की आवश्यकता के अनुसार तैयार किया गया है।

संकाय विकास पहल

The Faculty of NIC Training Unit participated in various training program such as E-Governance (TTT: RTeG) “from 18-30th January 2016 at Hyderabad; “Geospatial Technologies for Urban Planning” from 11.02.2016 to 15.03.2016 conducted by Indian Institute of Remote Sensing, Department of Space, Government of India, Dehradun, Uttrakhand and “Public Procurement” at National Institute of Finance Management (NIFM), Faridabad from 07-12 November 2016.

अध्याय - ६

अनुसंधान केन्द्र

आपदा प्रबंधन केंद्र

आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम), ला.ब.शा.रा.प्र.अ. एक क्षमता वर्धन तथा अनुसंधान केंद्र है जो ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी की छत्रछाया में कार्य करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के अलावा यह केन्द्र आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विश्व के श्रेष्ठ कार्यों के अनुकूलन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति का निर्धारण करता है।

केंद्र निदेशक : श्री सी श्रीधर उपनिदेशक वरिष्ठ ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम : आपदा प्रबंधन केंद्र ने रिपोर्टिंग के दौरान निम्नलिखित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए।

- आपदा प्रबंधन पर मॉड्यूल
- आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (२३ से २५ मई २०१६)
- जिला आपदा प्रबंधन योजना (२५ से २७ जुलाई २०१६) की प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
- घटना प्रतियुत्तर व्यवस्था (०७ से ०६ नवंबर, २०१६)की तैयारी पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

इन प्रशिक्षणों के विवरण निम्न पैराओं में दिए गए हैं :

प्रकाशन

पुस्तक/संपादित खंड

- आपदा प्रतियुत्तर एवं प्रबंधन खंड - ४, अंक - १, आपदा प्रबंधन केंद्र ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी ;फ्छिरू २३४७.२५५३द्ध द्वारा
- भारत में आपदा गवर्नेंस खंड -४, अंक -१ आपदा प्रबंधन केंद्र ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी द्वारा
- ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के लिए आपदा प्रबंधन योजना
- आपातकालीन हैंड बुक
- आपदा प्रबंधन पुस्तक -१
- आपदा प्रबंधन पुस्तक -२
- आपदा प्रबंधन पुस्तक -३
- आपदा प्रबंधन पुस्तक -४

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के प्रकाशित शोध लेख

- आपदा गवर्नेंस में चुनौतियां एवं अवसर : मौसम परिवर्तन के काल में चेन्नै का शहरी बाढ़ मामला
- वालिया ए. एवं आई. पाल २०१३ : उत्तराखंड के २०१३ के हिमालय बाढ़ आपदा प्रबंधन में सोसल मीडिया की भूमिका, आपदा एवं विकास (प्रेस में)
- विषमतम के लिए तैयारी : जोखिमों का आकलन क्यों महत्वपूर्ण है : एर्नाकुलम केरला का मामला
- मुंबई में शहरी बाढ़ चुनौतियों के मामला का केस अध्ययन (प्रक्रियाधीन)
- ओडिशा में आपदा गवर्नेंस एवं प्रतियुत्तर : चक्रवात फैलीन का केस मामला (प्रक्रियाधीन)
- जम्मू-कश्मीर के २०१७ के बाढ़ की आपदा प्रतियुत्तर एवं राहत का अध्ययन :
- भीड़ प्रबंधन की घटना प्रतियुत्तर व्यवस्था : पंधारपुर वारी २०१५ का एक मामला

आपदा प्रबंधन पर मॉड्यूल

आपदा प्रबंधन केंद्र ने वर्ष २०१६-१७ के दौरान राज्य सिविल सेवा से पदोन्नत परिविक्षाधीन अवधि प्रशिक्षण/आई.ए.एस. अधिकारियों के प्रशिक्षण के दौरान सभी अखिल भारतीय एवं समूह क केन्द्रीय सेवा/आई.ए.एस अधिकारियों के लिए वर्ष २०१३६-१७ के दौरान आपदा प्रबंधन पर मॉड्यूल्स आयोजित किए।

आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (२३ से २५ मई २०१६)

क्रम संख्या	विषय	विवरण
१.	पाठ्यक्रम का नाम	आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
२.	अवधि	३ दिन (२३ से २५ मई २०१६)
३.	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	श्री जयंत सिंह निदेशक सीडीएम तथा डीडी वरि. ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
४.	पाठ्यक्रम दल के अन्य सदस्यों का नाम	प्रो. एम.बी. राव, सलाहकार, सीडीएम, श्री अभिनव वालिया, अनुसंधान अधिकारी, सीडीएम
५.	भागीदारों की संख्या	कुल भागीदार २३
६.	बैच प्रतिनिधि	जिला कलेक्टर एवं वरि. भा.प्र. सेवा अधिकारी
७.	कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री राजीव कपूर, भा.प्र.सेवा, निदेशक ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
८.	विदाई संबोधन	श्री राजीव कपूर, भा.प्र.सेवा, निदेशक ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

कार्यक्रम का उद्देश्य

- आपदा स्थितियों के दौरान तत्काल एवं सक्षम प्रतिउत्तर सुनिश्चित करने के लिए भारत में आपदा प्रबंधन पर किए गए हाल के पहलुओं पर एक व्यापक दृष्टिकोण उपलब्ध कराना तथा विभिन्न आपदाओं तथा उनके प्रभावों का स्पष्टीकरण देना।
- प्रशासन द्वारा आवश्यक जोखिम घटाने के उपाय लेने आवश्यक है तथा भारत में सक्षम तत्काल आपदा प्रतियुत्तर के लिए घटना प्रतियुत्तर व्यवस्था का व्यापक दृष्टिकोण उपलब्ध कराना।

पाठ्यक्रम गतिविधियां इनपुट तथा विशेषताएं

- पाठ्यक्रम के विषयवस्तु इस प्रकार से डिजाइन की गई है जो भागीदारों को भारत में आपदा प्रबंधन के मूल सिद्धांत अवधारणाओं तथा व्यवहार के समझ में सक्षम कर सके। भूकंप, चक्रवात, सुनामी तथा सूखा इत्यादि जैसी आपदाओं तथा सरकार के हाल के पहलुओं जिसमें राष्ट्रीय रूपरेखा राष्ट्रीय नीति तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 शामिल है। प्रशासन द्वारा उपयुक्त उपाय किए जाने चाहिए।

जिला आपदा प्रबंधन योजना (२५ से २७ जलाई २०१६)

क्रम संख्या	विषय	विवरण
१.	पाठ्यक्रम का नाम	जिला आपदा प्रबंधन योजना
२.	अवधि	३ दिन (२५ से २७ जुलाई २०१६)
३.	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	श्री सी.श्रीधर, भा.प्र.सेवा उपनिदेशक (वरि.) तथा निदेशक सी.डी.एम. ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी
४.	पाठ्यक्रम दल के अन्य सदस्यों का नाम	प्रो. एम.बी. राव, सलाहकार, सीडीएम, श्री अभिनव वालिया, अनुसंधान अधिकारी, सीडीएम
५.	भागीदारों की संख्या	कुल भागीदार २७
६.	बैच प्रतिनिधि	जिला कलेक्टर एवं वरि. भा.प्र. सेवा अधिकारी
७.	कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री राजीव कपूर, भा.प्र.सेवा, निदेशक ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
८.	विदाई संबोधन	श्री राजीव कपूर, भा.प्र.सेवा, निदेशक ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

जिला आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी में जिला प्रशासन की भूमिका स्पष्ट करना तथा डीडीएमपी के महत्वपूर्ण घटकों एवं विशेषताओं को इंगित करना तथा भागीदारों को उनके जिले के लिए एक जिला आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने हेतु भागीदारों को एक नमूना उपलब्ध कराना है। पाठ्यक्रम भारत में आपदा घटाने तथा उसके प्रतियुत्तर से संबंधित आपदा प्रबंधन तथा महत्वपूर्ण विषयों के सिद्धांतों तथा अवधारणों के प्रति भागीदारों की समझ एवं उनके ज्ञान में वृद्धि करने पर भी केन्द्रीत होता है।

कोर्स गतिविधियां इनपुट तथा विशेषताएं

भागीदारों द्वारा एक अनुभव आदान प्रदान प्रस्तुतीकरण दिया गया जिसमें उन्होंने अपने अनुभव में विभिन्न आपदा स्थितियों का आदान-प्रदान किया जो पूर्व में उन्होंने निपटाई हैं। ईएसपी सत्र के अतिरिक्त भागीदारों को ५ समूहों में बांटा गया है तथा उन्होंने समूह प्रयोग बतौर ५ चयनित डीडीएमपी की समीक्षा की है।

घटना प्रतियुत्तर व्यवस्था की तैयारी हेतु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ७ से ९ नवंबर २०१६

क्रम संख्या	विषय	विवरण
१.	पाठ्यक्रम का नाम	घटना प्रतियुत्तर व्यवस्था पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
२.	अवधि	३ दिन (०७ से ०९ नवंबर २०१६)
३.	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	श्री सी.श्रीधर, भा.प्र.सेवा उपनिदेशक (वरि.) तथा निदेशक सी.डी.एम. ला.ब.शा.रा.प्र.अ., मसूरी
४.	पाठ्यक्रम दल के अन्य सदस्यों का नाम	प्रो. एम.बी. राव, सलाहकार, सीडीएम, श्री अभिनव वालिया, अनुसंधान अधिकारी, सीडीएम
५.	भागीदारों की संख्या	कुल भागीदार २४ पुरुष - २०, महिला - ४
६.	बैच प्रतिनिधि	जिला कलेक्टर एवं वरि. भा.प्र. सेवा अधिकारी
७.	कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री राजीव कपूर, भा.प्र.सेवा, निदेशक ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
८.	विदाई संबोधन	श्री राजीव कपूर, भा.प्र.सेवा, निदेशक ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

पाठ्यक्रम उद्देश्य

पाठ्यक्रम उद्देश्य घटना प्रतियुत्तर भारत में आपदा प्रबंधन के लिए घटना प्रतियुत्तर व्यवस्था का परिचय देना तथा

ग्रामीण अध्ययन केंद्र (सीआरएस)

ला.ब.शा.रा.प्र.अ. मसूरी का एक अनुसंधान केन्द्र है इसे वर्ष १९८९ में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक बहुविविध कार्यसूची के साथ स्थापित किया गया जिसमें अन्य के अलावा भारत में भूमि सुधार कार्यान्वयन तथा गरीबी प्रसमन कार्यक्रम से संबंधित लगातार सामने आ रही जमीनी वास्तविकताओं का समवर्ती आकलन करना था। शिक्षाविदों, प्रशासकों, कार्यकर्ताओं, योजनाकारों, हितधारियों तथा संबंधित नागरिकों के बीच भूमि सुधार सामाजिक, आर्थिक विकास तथा गरीबी प्रसमन पर विचारों के नियमित आदान-प्रदान के लिए एक फॉरम स्थापित करना तथा गैर सरकारी संगठनों द्वारा भारत सरकार द्वारा विभिन्न शुरू किए गए पाठ्यक्रमों के प्रति जनता में जागरूकता उत्पन्न करना भी ग्रामीण अध्ययन केंद्र के महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। भूमि सुधार, गरीबी प्रसमन कार्यक्रम ग्रामीण, सामाजिक, आर्थिक समस्याओं इत्यादि से संबंधित कई पुस्तकें, रिपोर्ट जो दोनों बाहर और आंतरिक रूप से प्रकाशित की गई है वह केंद्र की उत्तम गुणवत्ता का प्रमाण है। वर्षों के दौरान केंद्र ने अपनी गतिविधियों का विस्तार किया है जिसमें अनुसंधान अध्ययन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तथा कार्यशाला/संगोष्ठियां आयोजित करना तथा नीति सुझाव उपलब्ध कराना शामिल है।

केन्द्र निदेशक : सी श्रीधर उपनिदेशक (वरिष्ठ)

गतिविधियां

- सीआरएस आधारिक पाठ्यक्रम तथा आई.ए.एस. प्रोफेशनल पाठ्यक्रम के दौरान अकादमी के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों शामिल है। चालू वर्ष में सीआरएस ने निम्नलिखित प्रशिक्षण गतिविधियां की :

भा.प्र.से. व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-।

ग्रामीण अध्यन केंद्र (सीआरएस) दो मॉड्यूलों पर सक्रिय रूप से कार्य करता है। इन मॉड्यूलों में २०१५ बैच के १८१ अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए अकादमिक कांउसलिंग सदस्यों द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम रूप रेखा के अनुसार पाठ्यक्रम संचालित किए गए।

केन्द्र भा.प्र.सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को भू-प्रशासन प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्रदान करता है। सीआरएस का एनएलआरएमपी प्रकोष्ठ भू-अभिलेख आधुनिकीकरण के सभी घटकों का प्रशिक्षण प्रदान करता है। क्योंकि यह प्रकोष्ठ आधुनिक सर्वेक्षण उपकरणों और जीआईएस सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। केंद्र भू-प्रशासन और भू-अभिलेख प्रबंधन पर व्यावहारिक तथा सैद्धांति प्रशिक्षण देता है जिसमें भूमि के कंप्यूटरीकरण, श्रेष्ठ पद्धतियां अपनाने, पंजीकरण और भू-बैंक, भू-शासन आदि जैसे भूमि से संबंधित विषयों पर विशेष जोर देता है।

भा.प्र.से. व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-।।

यह असाइनमेंट भा.प्र.से. के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के जिला प्रशिक्षण असाइनमेंट का बड़ा भाग होता है। केन्द्र ने २०१४-१६ बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों से १७१ सामाजार्थिक और भूसुधार संबंधी रिपोर्टें प्राप्त की और उनका मूल्यांकन किया।

इन रिपोर्टों की जांच विद्यमान स्थिति, सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक विशलेषण व गरीबी उन्मूलन पहल कदमों पर बेहतर रिपोर्टिंग के लिए की गई। इन रिपोर्टों का संकलन, संपादन और प्रकाशन किया जाता है क्योंकि इनका उपयोग ग्रामीण भारत के सामाजार्थिक परिदृश्य पर संपादित वाल्यूम के रूप में किया जाता है। अभी तक इस सृंखला के ४ खंड प्रकाशित किए जा चुके हैं। केन्द्र अपने पांचवे सृंखला पर कार्य कर रहा है।

विस्तृत अध्ययन :

केन्द्र ने २०१५-१७ बैच के भा.प्र.सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के जरिए १४० गांवों में विस्तृत अध्ययन किया। इस अध्ययन के अंतर्गत केन्द्र ने १९६० ले कर २००६ तक भा.प्र.से. के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा पूर्व में किए गए ग्रामीण अध्ययनों का पता लगाया। इस विस्तृत अध्ययन का उद्देश्य पिछले ३ दशकों विकास की गति का अध्ययन करना था। इस अध्ययन में गरीबी, कृषि, शिक्षा, भूमि सुधार, पंचायती राज संस्थान और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न विषय शामिल किए गए।

ग्रामीण अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम - ९१वां आधारिक पाठ्यक्रम

ग्रामीण अध्ययन कार्यक्रम ३ गतिविधियां शामिल थीं : कक्षा विषय, क्षेत्रीय भ्रमण और अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन रिपोर्ट। ग्रामीण अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन ५ से १२ नवंबर तक किया गया।

क्षेत्रीय भ्रमण के विषय के रूप में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को पार्टीसिपेटरी लर्निंग एंड एक्शन (पीएलए) तकनीकों से परिचित कराया जाता है। क्षेत्रीय अध्ययन भ्रमण के दौरान मुख्य रूप से ६ विषय शामिल किए जाते हैं : - गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायती राज संस्थान, स्वच्छ भाग अभियान और वित्तीय समावेशन। अधिकारी प्रशिणार्थी स्वच्छ भारत अभियान और वित्तीय समावेशन के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हैं। जैसे : ग्रामीणों और विद्यार्थियों को स्वच्छ

भारत का शपथ दिलाना, रैलियां आयोजित करना, ग्राम स्तर पर बैठकें करना, नुक्कर नाटक आयोजित करना और गीत गाना आदि तथा बैंकिंग के माध्यम से बचत और बीमा के साथ-साथ साफ-सफाई और स्वच्छता का संदेश पहुंचाया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री की जन धन योजना और बीमा स्कीमों के बारे में जागरूकता फैलाई।

कुल ६३ समूह का गठन किया गया, प्रत्येक उप-समूह को गांव में ही ठहराया गया। इस कार्यक्रम के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार और उत्तरप्रदेश राज्यों के १२ जिलों का भ्रमण किया।

प्रत्येक उप समूह ने ६ स्कीमों पर व्यक्तिगत और समूह के आधार पर अपनी-अपनी रिपोर्टें प्रस्तुत कीं। मूल्यांकन के आधार पर केन्द्र ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए।

अनुसंधान पूर्णकार्य

- राज्यों की मौजूदा क्षमता का पता लगाना और राष्ट्रीय भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के निष्पादन के लिए समय सीमा निर्धारित करना : मध्यप्रदेश का मूल्यांकन
- राज्यों की मौजूदा क्षमता का पता लगाना और राष्ट्रीय भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के निष्पादन के लिए समय सीमा निर्धारित करना : राजस्थान का मूल्यांकन
- भारत के भू-संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में श्रेष्ठ पद्धतियों का दस्तावेजीकरण : आंध्रप्रदेश, गुजरात, दिल्ली, बिहार और गोवा
- भू-स्वामित्व में जेंडर का मुद्दा : मौजूदा भूमि कानूनों की समीक्षा
- भारत में वक्फ अभिलेख प्रबंधन
- राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के साथ राज्यों का पुनः भ्रमण अध्ययन

प्रकाशन वर्ष २०१६ के दौरान प्रकाशित

- डायनेमिक्स ऑफ लैंड मार्केट्स एण्ड इमरजिंग लैंड यूज पैटर्न
- राज्यों की मौजूदा क्षमता का पता लगाना और राष्ट्रीय भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के निष्पादन के लिए समय सीमा निर्धारित करना : मध्यप्रदेश का मूल्यांकन
- राज्यों की मौजूदा क्षमता का पता लगाना और राष्ट्रीय भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के निष्पादन के लिए समय सीमा निर्धारित करना : राजस्थान का मूल्यांकन
- भारत के भू-संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में श्रेष्ठ पद्धतियों का दस्तावेजीकरण : आंध्रप्रदेश, गुजरात, दिल्ली, बिहार और गोवा
- भू-स्वामित्व में जेंडर का मुद्दा : मौजूदा भूमि कानूनों की समीक्षा
- भारत में वक्फ अभिलेख प्रबंधन

आगामी प्रकाशन

- सोसियों इकोनोमिक प्रोफाइल ऑफ रूरल इंडिया, सीरीज-३, वोल्यूम-१ (कंसेप्ट्स पब्लिकेशन्स) (डॉ० सी. अशोकवर्धन, संपादक)
- सोसियों इकोनोमिक प्रोफाइल ऑफ रूरल इंडिया, सीरीज-३, वोल्यूम-२ (कंसेप्ट्स पब्लिकेशन्स) (प्रो. सुचा सिंह गील, संपादक)
- राष्ट्रीय भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के साथ राज्यों का पुनः भ्रमण अध्ययन
- जर्नी टू-वर्डस लैंड टाईटलिंग

भूमि और ग्रामीण अध्ययन संबंधी जॉर्नल (एसएजीई प्रकाशन के साथ सह-प्रकाशन)

- यह अर्द्धवार्षिकी अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका है जिसमें निम्नलिखित खंड शामिल हैं : विशेष आलेख, लेख, नीति संक्षेपण, वर्किंग पेपर और पुस्तक समीक्षा
- अब तक जनवरी २०१६ और जुलाई २०१६ के दो संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं तथा जनवरी २०१७ (वोल्यूम-५, संस्कण-१), संस्करण को अंतिम रूप दिया गया है।
- जॉर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज, वोल्यूम-४, संस्कण-१ (जनवरी २०१६), इसमें भू-अधिग्रहण भारत में पुनर्वास तथा बंदोबस्त पर विषय शामिल हैं।
- जॉर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज, वोल्यूम-४, संस्कण-२ (जुलाई २०१६)

राष्ट्रीय भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीरण कार्यक्रम कोष्ठ (एलएलआरएमपी)

एनएलआरएमपी कोष्ठ सीआरएस का एक भाग है तथा यह २०११ में स्थापित किया गया था। इसने निम्न उपकरणों का प्रापण किया ;पद्ध मॉनिटर के साथ दो कर्वस्टेशन ;पपद्ध आठ इलैक्ट्रानिक टोटल स्टेशन ;पपपद्ध जी एन एस एस ग्लोबल पॉजिशनिग सिस्टम का एक जोड़ा ;पअद्ध एक ए० फ्लैट बैड स्कैनर, ए. प्रिन्टर तथा ;अद्ध पांच जिओ - स्पेशल सॉफ्टवेयर के फ्लोटिंग लाइसैंस

यह कोष्ठ प्रशिक्षु अधिकारियों को डीआईएलआरएमपी के सभी अंशों पर व्यापक प्रशिक्षण देने के लिए एक महत्वपूर्ण इकाई है। इस सर्वे तथा निर्धारण प्रचालनों में प्रशिक्षण आयोजित करता है तथा प्रशिक्षु अधिकारियों को आधुनिक भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन में सुग्राह्य करता है। आधुनिक प्रौद्योगिकी तथा सॉफ्टवेयर से उपस्कृत यह कोष्ठ स्वतंत्र रूप से विभिन्न उद्देश्यों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने तथा अकादमी की अन्य इकाइयों के साथ समन्वय के लिए भी सक्षमहै। यह कोष्ठ भूमि संसाधन विभाग द्वारा आवंटित किए जाने वाले तािा भूमि रिकार्ड पर स्वयं आरंभ किए गए डीआईएलआरएमपी के कार्यान्वयन तथा अन्य संबंधित विषयों पर अनुसंधान अध्ययन भी आयोजित करता है।

प्रकाशनों की वेबसाइट पर लोडिंग

केन्द्र वेबसाइट पर अपने प्रकाशनों की नियमित अपलोडिंग करता है। इस तिथि तक पाठकों की सुविधा के लिए तथा अपने प्रकाशनों का क्षेत्र बढ़ाने के लिए ३० प्रकाशन अपलोड किए गए है।

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र

राष्ट्रीय जेंडर प्रशिक्षण, योजना तथा अनुसंधान केन्द्र (राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र) की स्थापना १९९३ में की गई थी तथा १९९८ में सोसाइटीज एक्ट १८६० के अंतर्गत सोसाइटी के रूप में पंजीकृत किया गया था। राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र एक क्षमतावर्धक केन्द्र है जो ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी के हिस्से के रूप में कार्य करता है।

इस केन्द्र का मिशन ग्लोबल नेटवर्क पार्टनर के साथ कार्य करना तथा सरकार में नीतिगत मामलों, कार्यक्रम निर्धारण तथा क्रियान्वयन में जेंडर तथा बाल अधिकारों को मुख्य धारा से जोड़ना है ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि जेंडर तथा बाल अधिकार मुद्दा सरकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि पुरुष, महिला तथा बच्चों का समान विकास किया जा रहा है। यह केन्द्र अकादमी में अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्र सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्यक्रमों तथा सुग्राह्य विषयों के जरिए जेंडर संबंधी प्रशिक्षण देता है।

अकादमी के नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा केन्द्र शासन में जेंडर तथा बाल अधिकारों की योजनाओं को संस्थित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सम्मेलनों से संबंधित विषय विशेष के आयोजन में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग,एमडब्ल्यूडीसी, एनसीडब्ल्यू, एनसीपीसीआर, यूएनआईसीईएफ, यूएन-वूमेन, जैसी द्विपक्षीय एजेंसियों से संबद्ध रहता है।

वर्ष २०१६-१७ के दौरान की गई गतिविधियां

संयुक्त राष्ट्र - परियोजना ''अवसरों से सक्षमताओं तक जेन्डर सुग्रह्य गवर्नेन्स बढ़ाने के लिए एक मल्टी सेक्टरल अप्रोच'' (२०१६ से २०१८) इस कार्यक्रम का उद्देश्य मुख्य स्कीमों तथा नीतियों के कार्यान्वयन तथा जेन्डर रिस्पोन्सिव डिजाइन के लिए राष्ट्रीय और उपराष्ट्रीय सरकारों की क्षमता का विकास करना है। यह प्रमुख सक्षमता विकास निर्माण संस्थानों के कार्यक्रम को मजबूत करके प्रचालित किया गया (जैसे प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई), ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज राष्ट्रीय संस्थान तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज के राज्य संस्थान।

वैधीकरण कार्यशाला (२ फरवरी २०१७)

कार्यक्रम समन्वयक	सुश्री अश्वती एस, भा.प्र. सेवा
कार्यक्रम सहायक समन्वयक	सुश्री अंजली चौहान
भागीदारों की संख्या	कुल २६ (पुरुष :१०, महिला : १६)
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	सुश्री उपमा चौधरी, भा.प्र. सेवा

कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य

राष्ट्रीय जेन्डर केन्द्र, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी ने संयुक्त राष्ट्र महिला, नई दिल्ली के साथ सहयोग से अशोक होटल, नई दिल्ली में एक एकदिन का वैधीकरण कार्यक्रम २ फरवरी २०१७ को आयोजित किया, इस परियोजना के एक भाग के बतौर एक सक्षमता आकलन प्रयोग फील्ड सर्वेक्षण तथा ऑनलाइन सर्वेक्षण द्वारा किया गया। इस प्रयोग का समन्वयन एनजीसी, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी द्वारा किया गया तथा इसका संचालन श्रीमती सरोजिनी जी ठाकुर, वरिष्ठ परामर्शदाता के नेतृत्व के अंतर्गत किया गया। इसका उद्देश्य संस्थागत स्तर पर प्रमुख अंतराल/मुद्दों की पहचान करना था। यह आशा की गई कि सक्षमता आकलन प्रयोग जीआरजी पर राष्ट्रीय एवं उपराष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक सक्षमता निर्माण नीति विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण सूचना उपलब्ध कराएगा तथा एक आधार रेखा के बतौर भी काम करेगा जिससे भविष्य के सक्षमता विकास प्रयत्न जिसमें जेन्डर समता शामिल है का आकलन किया जा सकेगा।

प्रसिद्ध अतिथिवक्ता

- श्री जे.एस. माथूर, भा.प्र. सेवा, सचिव, पंचायत राज्य मंत्रालय
- संयुक्त सचिव पंचायत राज्य मंत्रालय, सुश्री कीरण ज्योती, पंचायती राज्य मंत्रालय
- श्री जिसनु बरूआ, भा.प्र.सेवा, संयुक्त सचिव, एस.एन.वी. ।। प्रशिक्षण प्रभाग कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
- सुश्री सीमा श्रीवास्तव, एलआरसी निदेशक, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
- श्रीमती सरोजनी जे. ठाकुर (सेवानिवृत्त), भा.प्र.सेवा, वरि. परामार्शदाता, संयुक्त राष्ट्र महिला
- सुश्री उपमा चौधरी, भा.प्र. सेवा, निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
- डॉ. रेबेका आर, टावारेस, प्रतिनिधि, यू.एन. वीमेन
- श्री डी. चक्रपाणी, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), महानिदेशक तथा पदेन सचिव, जी.ए.डी. जीओए, आंध्रप्रदेश, मानव संसाधन विकास संस्थान
- श्री वी. रंगा, अतिरिक्त आयुक्त, एपीएसआईआरडी
- श्री विनोद के. अग्रवाल, भा.प्र.सेवा, महानिदेशक एवं ईओ, सरकार के विशेष सी.एस., डॉ० एम.सी.आर. एचआरडी संस्थान
- डॉ० डब्ल्यू आर. रेड्डी, भा.प्र. सेवा, महानिदेशक, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, राष्ट्रीय संस्थान
- सुश्री सैयदा नूर फातिमा, राज परियोजना अधिकारी, कर्नाटक, यू.ए.एन. महिला
- सुश्री कंचन जैन, भा.प्र.सेवा, महानिदेशक, आरसीवीपी, नोरोना प्रशासन एवं प्रबंधन, अकादमी
- डॉ० प्रज्ञा अवस्थी, संयुक्त निदेशक, आरसीवीपी, नोरोना प्रशासन एवं प्रबंधन, अकादमी
- सुश्री गुरजोत कौर, महानिदेशक, एचसीएम, राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान
- श्री सुदर्शन शेट्टी, महानिदेशक, एवं प्रधान सचिव, आईडीपीआरएस, एवं ग्रामीण विकास संस्थान
- डॉ० अनिता ब्रेन्डेन, प्रो. एवं नोडल अधिकारी (पीआरआई प्रशिक्षण एवं यू.एन. महिला) एस.आई.आर.डी. राजस्थान
- श्री जुलियस लाकरा, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), संसाधन व्यक्ति पाठ्यक्रम एवं विषयवस्तु विकास विशेषज्ञ, गोपा बंधु प्रशासन अकादमी
- श्री सरोज कुमार दास उपनिदेशक, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज्य संस्थान (एसआईआरडीएनपीआर)

महिलाओं और बच्चों पर मानव व्यापार रोकने के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम

(२० से २२ मार्च, २०१७)

पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री अश्वती एस., भा.प्र. सेवा एवं केंद्र निदेशक
सह - पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री अंजली चौहान
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	सुश्री अश्वती एस., भा.प्र. सेवा
विदाई संबोधन	श्री तेजवीर सिंह, भा.प्र. सेवा, संयुक्त निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल २० (पुरुष १४, महिलाएं ०६)

राष्ट्रीय जेन्डर केंद्र ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी ने एक तीन दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण पाठ्यक्रम महिला एवं बच्चों के व्यापार रोकने पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ २०-२२ मार्च, २०१७ को ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी में २०-२२ मार्च २०१७ को न्यायपालिका, अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए की जिसका उद्देश्य उनको प्लेट फॉर्म पर एक साथ लाना था।

कार्यक्रम का लक्ष्य

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अखिल भारतीय सेवाओं तथा न्यायपालिका के अधिकारियों को मानव व्यापार से संबंधित विषयों पर चर्चा करने तथा मानव व्यापार रोधी कार्रवाइयों पर सूचना आदान-प्रदान करना एवं आपस में बांटना था।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- मनव व्यापार के विभिन्न रूपों, प्रकार तथा प्रक्रियाओं की अवधारणा, प्रकार तथा प्रक्रियाओं
- मनव व्यापार के विरुद्ध कानूनों के प्रति भागीदारों को परिचित कराना
- टंतर ऐजेंसी समन्वयन को उन्नत करना तथा मानव व्यापार रोकने की कार्रवाइयों को समझना
- मनव व्यापार पीड़ितों को प्राप्त सुरक्षा व्यवस्था के प्रति समझ का निर्माण करना
- भागीदारों के बीच मानव व्यापार से संबंधित विषयों पर जेन्डर और मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य विकसित
- राज्यों के बीच उत्तम व्यवहार का आदान-प्रदान एवं भागीदारी
- अपने कार्य क्षेत्रों में संगत प्रशिक्षण आयाजित करने के लिए भागीदारों को उपयुक्त संसाधन सामग्री से उपस्कृत करना।

प्रसिद्ध अतिथिवक्ता

- श्री चेतन वी. सांगी, भा.प्र.सेवा, संयुक्त सचिव
- डॉ० पी.एम. नायर, आई.पी.एस. (सेवानिवृत्त)
- चेयर प्रो. टाटा, सामाजिक विज्ञान संस्थान मुंबई
- सुश्री फलेविया एग्निस, निदेशक, मजलिस (एनजीओ)
- सुश्री रौशन डावली, (सेवानिवृत्त) न्यायाधीश, महाराष्ट्र उच्च न्यायालय
- सुश्री लाहु राज माली, आयुक्त महिला एवं बाल विभाग, महाराष्ट्र सरकार
- श्री रजीव के. हलदर, क्षेत्रीय समन्वयक, दक्षिण एशिया ईएसपीएटी अंतर्राष्ट्रीय
- सुश्री तपोती भौमिक, सचिव एवं वरि. कार्यक्रम समन्वयक संलाप केन्द्रीय कार्यालय
- श्री प्रवीण पाटकर, फाउंडर संस्थापक निदेशक, प्रेरणा
- प्रो. रोमा देवा व्रता, संस्थापक, मदर, स्टॉप इंडिया
- सुश्री नंदनी ठक्कर, विधिक अध्यक्ष, मानव व्यापाररोधी पहलें, बच्चों को बचाओ

अध्याय - ७

अन्य गतिविधियां

गांधी स्मृति पुस्तकालय

अकादमी के पास सुसज्जित पुस्तकालय है। अकादमी पुस्तकालय नैसर्गिक सौंदर्य के बीच स्थित है जहां से भव्य हिमालय का मनोरम दृश्य दिखाई पड़ता है और प्रकृति से जुड़ाव का अनंत भाव उत्पन्न होता है। गांधी स्मृति पुस्तकालय महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया है। यह पुस्तकालय कंप्यूटरीकृत है तथा पुस्तकालय की सभी पुस्तक सूची ऑनलाइन है।

पुस्तक/सीडी/डीवीडी आरएफआईडी टैग किए गए हैं तथा पुस्तकाल पटल (लाइब्रेरी काउन्टर) पर आरएफआईडी स्व-निर्गमन/स्व-वापसी कियोस्क संस्थापित किए गए हैं। अकादमी मुख्य परिसर के कर्मशिला भवन तथा इंदिरा भवन के प्रवेश स्थल पर आरएफआईडी बुक ड्रॉप कियोस्क लगाए गए है। पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय आए बिना पुस्तक वापसी के लिए इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। यह सेवा सातों दिन २४ घंटे उपलब्ध है।

पुस्तक संसाधन –गांधी स्मृति पुस्तकालय अध्ययन संसाधनों से भरा पड़ा है जिसमें १.६५ लाख आरएफआईडी टैग लगी पुस्तकें तथा बॉड वोल्यूम, जॉर्नल, ८००० सीडी/डीवीडी, विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों/संस्थानों द्वारा प्रकाशित २५० सामायिकी तथा लोकप्रिय पत्रिकाएं ३८ राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्र तथा और ७ ऑनलाइन संसाधन सब्सक्राइब करने की सुविधा शामिल हैं।

पुस्तकालय निम्नलिखित ई-रिसोर्सेज सबस्क्राइब कराता हैः

ईबीएससीओ का बिजनेस सोर्स कंप्लीट : डाटाबेस ग्रंथ सूचियों का संग्रह तथा ३००० से अधिक पत्र पत्रिकाओं के लेखों, व्यवसाय का अनुशासन, मार्केटिंग, प्रबंधन, प्रबंधन सूचना प्रणाली उत्पादन एवं प्रबंधन संचालन, लेखांकन, वित्त तथा अर्थशास्त्र की पूरी पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराता है।

जेएसटीओआर ऑनलाइन मानवशास्त्र, एशियाई एफ्रो-अमेरिकन अध्ययन, परिस्थिति विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा, वित्त सामान्य विज्ञान, इतिहास, साहित्य, गणित, संगीत, दर्शन, राजनैतिक विज्ञान, समाजशास्त्र तथा सांख्यिकी में वैज्ञानिक पत्रिकाओं का डिजिटल संग्रह है।

इंडिया स्टेट्स : ऑनलाइन सांख्यिकीय डेटाबेस भारतीय सांख्यिकीय डेटाबेस में भारत तथा उनके राज्यों के बारे में गौण स्तरीय सामाजार्थिक आंकड़ों का व्यापक संकलन है।

मनुपत्र : एक विधिक डेटाबेस है जिसमें भारत और अमरीका, ब्रिटेन, श्रीलंका, बंगलादेश तथा पाकिस्तान के कानूनों के संबंध में विधिक मामलों, विधिक शोध तथा लेख शामिल है।

ईबीएससीओ इकोनलिट पूरी पाठ्य सामग्री के साथ :

यह सोर्स अर्थशास्त्र, पूंजी बाजार, देश का अध्ययन, अर्थमिति, आर्थिक पूर्वानुमान, पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, सरकारी नियमों, श्रम अर्थशास्त्र, मौद्रिक सिद्धांत, शहरी अर्थशास्त्र तथा बहुत से क्षेत्रों में लेखों की पूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराता है।

ईबीएससीओ पॉलिटिकल साइंसः विश्व केंद्रित वैश्विक राजनीतिक विषयों का व्यापक कवरेज उपलब्ध कराता है, समकालीन राजनीतिक लेख के वैश्वीकरण को दर्शाता है। यह ३४० से अधिक संदर्भ पुरस्तकों तथा मोनोग्राफ की पूर्ण पाठ्य सामग्री तथा ४४,००० से अधिक सम्मेलन पेपरों की पूर्ण पाठ्य सामग्री प्रदान करता है।

यह डेटाबेस विश्व का सबसे व्यापक तथा उच्चतम गुणवत्ता वाला समाजशास्त्र शोध डेटाबेस है। इसमें लगभग ६०० पत्रिकाओं की पूरी पाठ्य सामग्री है तथा इसमें १८६५ तक की १५०० से अधिक कोर कवरेज पत्रिकाओं के शिक्षाप्रद सार है। इसके अतिरिक्त, यह लगभग ४२० प्राथमिकता कवरेज वाली पत्रिकाएं तथा लगभग ३,००० चयनित कवरेज वाली पत्रिकाओं से डेटा माइंड उपलब्ध कराता है।

ezproxy ¼ रिमोट ऑथेंटिकेशन एंड एक्सेस सर्विस **(ezproxy)** की भी सदस्यता ली है। ezproxy एक ऐसी सेवा है जो ई-संसाधनों के उपयोगकर्ताओं के परिसर से बाहर होने पर भी पुस्तकालय तक पहुंचने की अनुमति देता है।

वर्ष २०१६ के दौरान पुस्तकालय ने निम्नलिखित सेवाएं/डाटाबेस शामिल किए

जे -गेट जे-गेट वैश्विक ई-जरनल साहित्य का एक इलैक्ट्रानिक गेटवे है। वर्ष २००१ में इन्फॉर्मेटिक्स इंडिया लिमिटेड द्वारा आरंभ, जे-गेट लाखों पत्रिका लेखों पर सुगम पहुंच उपलब्ध कराता है जो १३,२२१ प्रकाषकों द्वारा उपलब्ध कराए जाते है। वर्तमान में इसका पत्रिका साहित्य का एक विषाल डाटाबेस है जो ४६,६३७ पत्रिकाओं से सूचीबद्ध होता है जिसकी प्रकाशकों की साइट पर पूरी पाठ्यवस्तु होती है। जे-गेट पत्रिकाओं का ऑनलाइन अंशदान, इलैक्ट्रॉथ्नक दस्तावेज वितरण, अभिलेखीय तथा अन्य संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध कराता है।

- विषय-वस्तु की तालिका - ४६,६३७ ई-पत्रिकाओं के लिए
- डाटाबेस - ५०,०३५,४४३ लेखों का एक व्यापक डाटाबेस जिसमें १०,००० से अधिक लेख प्रति दिन जोड़े जाते हैं।

फेडगेट - फेडगेट पुस्तकालय में उपलब्ध विविध सूचना संसाधनों के माध्यम एक सिंगल सर्च बॉक्स के माध्यम से एक संरचित फॉरमेंट में रियल टाइम में खोज करता है। यह विशाल खोज उपकरण, विद्यार्थियों एवं अनुसंधानकर्ताओं को बहुतायत सूचना से हटकर सटीक सूचना में पहुंचने पर सहायता करता है तथा इस तरह उत्पादकता बढ़ाता हे। फेडगेट शैक्षिक, सरकारी तथा कोरपोरेट क्षेत्रों में विद्यार्थियों, अनुसंधानकताओं, प्रोफेशनल्स तथा लाइब्रेरियन्स के लिए एक अमूल्य उपकरण हे। यह उनको किसी संस्थान द्वारा लिए गए विषय-वस्तु को एक खोज में संगत क्रम से पुनः प्राप्त करने, विश्लेषित करने और खोजने में सहायता करता है।

ला.ब.शा.रा.प्र.अ. भंडार : ला.ब.शा.रा.प्र.अ. ने एक डी-स्पेस ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके ला.ब.शा.रा. प्र.अ. भंडार शुरू किया है।

इसके अतिरिक्त पुस्तकालय पाठकों की नियमित आधार पर ज्ञान में समृद्धि के लिए निम्न सेवाएं जारी कर रहा है।

- न्यूज अलर्ट - एक साप्ताहिक बुलेटिन
- संपादकीय - एक संग्रह -एक साप्ताहिक बुलेटिन
- समीक्षा - एक मासिक बुलेटिन
- विशिष्ट विषयों पर सार - एक मासिक बुलेटिन
- समकालीन विषय - एक मासिक बुलेटिन

पुस्तकालय ने ८६६ पुस्तकें, पत्रिकाओं के २ खण्ड तथा ५०० सीडी/डीवीडी जनवरी २०१६ से दिसम्बर २०१६ के दौरान जोड़े हैं।

कर्मचारी विकास

- चार पुस्तकालय प्रोफेशनल पुस्तकालय तथा सूचना केन्द्रों पर अगस्त १२ -१३, २०१६ को आईजीएनएफए, देहरादून में आयोजित कार्यशाला के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।
- तीन लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स को एनईएचयू शिलांग, मेघालय में आयोजित नवम्बर ६-११, २०१६ को आयोजित १०वें संगोष्ठी आयोजन २०१६ में भागीदारी के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।
- प्रधान पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी को डेलनेट, नई दिल्ली में १३ दिसंबर, २०१६ को डिजिटल तथा भौतिक संरक्षण प्रबंधन पर वार्षिक बैठक में भागीदारी के लिए नियुक्त किया गया।

राजभाषा

भारत सरकार के कार्यालयों में भारत संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार हिंदी पदों का सृजन किया जाना अपेक्षित है। अतः राजभाषा नीति के कर्यान्वयन हेतु अकादमी में वर्ष १९८६ में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए -

१. भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष २०१६-१७ के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, 'क' 'ख' और 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया जा रहा है। तदनुसार, अकादमी द्वारा 'क' एवं 'ख' क्षेत्रों के साथ लगभग ८६ प्रतिशत और 'ग' क्षेत्र के साथ लगभग ६८ प्रतिशत पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा ३ (३) के अंतर्गत द्विभाषी जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, यह अकादमी, हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए ३७.४८ प्रतिशत राशि व्यय कर राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित ५० प्रतिशत बजट के व्यय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहा है। अकादमी के निदेशक की अध्यक्षता में प्रति माह राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की जाती है तथा यथोचित मार्गदर्शन किया जाता है।

२. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में दिनांक १ सितंबर से १४ सितंबर, २०१६ तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में, अकादमी स्टाफ तथा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए राजभाषा नीति से संबंधित सामान्य ज्ञान, तीन वर्गों के लिए अलग-अलग हिंदी निबंध लेखन, श्रुत लेखन तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

३. हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को हिंदी दिवस के अवसर पर दिनांक १४ सितंबर, २०१६ को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि अकादमी के निदेशक, श्री राजीव कपूर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती जसप्रीत तलवार, संयुक्त निदेशक द्वारा की गई तथा कार्यक्रम का संचालन, सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री नंदन सिंह दुग्ताल ने किया। समारोह में अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए।

इस समारोह में, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना - २०१५-१६ के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस तरह, इस समारोह में कुल ३७ प्रतिभागियों को, निदेशक महोदय ने प्रशस्ति पत्र, नकद धनराशि तथा स्टेशनरी के वाउचर पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए।

४. निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में अकादमी में हिंदी के प्रयोग को अधिकाधिक बढ़ाने पर जोर दिया तथा इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका के चतुर्थ अंक ''सृजन'' का विमोचन भी किया। इस समारोह में अकादमी के उप निदेशक वरिष्ठ, श्री आलोक मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त किए तथा निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। अंत में, निदेशक महोदय ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट करते हुए, सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया।

५. अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यकतानुसार समय-समय पर उपलब्ध कराई जाने वाली प्रशासनिक सामग्री यथा-पत्रों, परिपत्रों, सूचनाओं, निविदा सूचनाओं, वार्षिक रिपोर्ट, प्रश्नपत्रों इत्यादि के अनुवाद के अतिरिक्त, राजभाषा अनुभाग ने विभिन्न पाठ्यक्रमों, आधारिक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम पुस्तिका तथा मानक पत्रों के प्रारूप का अनुवाद संपन्न किया।

इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण, दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

गणमान्य व्यक्ति/प्रतिनिधि मंडल

अकादमी में प्रतिवर्ष कई गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिनिधि-मण्डलों का आगमन होता है। इस दौरान आपसी अनुभव आदान-प्रदान द्वारा ज्ञानार्जन किया जाता है जिससे अतिथि तथा अकादमी, दोनों ही लाभान्वित होते हैं। वर्ष के दौरान प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा विकास प्रकोष्ठ द्वारा समन्वय किए गए कुछ भ्रमण कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है-

- एनसीजीजी नेशनल सेंटर फहर गुड गवर्नेंश का २६.२.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- इंडियन स्टेटिस्टिकल सेवा के प्रशिक्षणार्थियों का ११.३.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- मानवाधिकार विकास का २१.०१.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- पारूल इंस्टिटयूट अहफ इंजिनियरिंग एण्ड टेक्नहलोजी, गुजरात के ३५ विधयार्थियों का१७.२.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल के २० प्रशिक्षुओं का १६.३.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- उत्तराखण्ड संस्कृत यूनिवर्सिटी, हरिद्वार के ५ अध्यापकों का १२ विधार्थियों के साथ१०.३.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- शहीद भगत सिंह कहलेज, भटिंडा के ४ संकाय सदस्यों का ४० विधयार्थियों के साथ१२.३.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- ज्ञानी जैल सिंह कैम्पस कहलेज अहफ इंजिनियरिंग एण्ड टेक्नहलोजी, भटिंडा के २ अध्यापकों का ३० विधयार्थियों के साथ ३१.३.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- एनसीजीजी नेशनल सेंटर फहर गुड गवर्नेंश का ४.४.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- डिपार्टमेंट अहफ लाइब्रेरी सांइस एण्ड इंफारमेशन, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के २ अध्यापक का ५० विधयार्थियों के साथ ३०.३.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- आर्मी कैडेट कहलेज, देहरादून के ५० कैडेटस का १६.३.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- एनसीजीजी नेशनल सेंटर फहर गुड गवर्नेंश का २७.५.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- सशस्त्र सीमा बल अकादमी, श्रीनगर, गढ़वाल के २५ अधिकारियों का १.६.२०१६को अकादमी भ्रमण
- एनसीजीजी नेशनल सेंटर फहर गुड गवर्नेंश का १४.६.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- मवार वैली सदद्यभावना ग्रुप, काश्मीर के २ अध्यापकों का २० विधयार्थियों के साथ १८.७.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- १६ प्रतिभागी इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम, एटीआई, प. बंगाल का १५.७.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- एनसीजीजी नेशनल सेंटर फहर गुड गवर्नेंश का २०.७.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- विवेकानंद इंस्टिटयूट अहफ टेक्नहलोजी, जयपुर के ५० विधयार्थियों का २३.७.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- विवेकानंद इंस्टिटयूट अहफ टेक्नहलोजी, जयपुर के ५ अध्यापकों का ५० विधयार्थियों के साथ २८.७.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- विवेकानंद इंस्टिटयूट अहफ टेक्नहलोजी, जयपुर के ७ अध्यापकों का १०० विधयार्थियों के साथ ३०.७.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- एनसीजीजी नेशनल सेंटर फहर गुड गवर्नेंश का ४.८.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- हायर डिफेंश प्रबंधन के ६ विदेशी प्रतिभागियों का २.६.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- ५५ क्लास अहफिसर, मेटा, नासिक का ५.६.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- वेटनररी कहलेज एवं रिसर्च इंस्टिटयूट, तमिलनाडू के २ प्रोफेसरों का ३१ छात्र एवं ३६ छात्राओं के साथ ७.६.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- नेशनल इंस्टिटयूट अहफ हाइड्रोलोजी, रूड़की के २५ प्रतिभागियों का २६.६.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- ओक ग्रो स्कूल, मसूरी के ३० छात्र एवं २० छात्राओं का२७-२८/६/२०१६ को अकादमी भ्रमण
- उत्कल यूनिवर्सिटी, उड़ीसा के ३६ विधार्थियों का ६.१०.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- सेंटर फहर एम्बिशन, आगरा का ४.१०.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- एनसीजीजी नेशनल सेंटर फहर गुड गवर्नेंश का १०.१०.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- पीजीडीईपीए, नई दिल्ली के ३० अधिकारियों का १०.१०.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- एनसीजीजी नेशनल सेंटर फहर गुड गवर्नेंश का २०.१०.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- डिवाइन लाइट स्कूल, हरिद्वार के २ संकाय सदस्यों का ४१ विधयार्थियों के साथ ७.११.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- एग्रीककल्चर यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर, तमिलनाडू के २ संकाय सदस्यों का १६ विधयार्थियों के साथ १.१२.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- एनसीजीजी नेशनल सेंटर फहर गुड गवर्नेंश का ७.१२.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- सशस्त्र सीमा बल अकादमी, श्रीनगर, गढ़वाल के २० अधिकारियों का ७.१२.२०१६ को अकादमी भ्रमण
- सशस्त्र सीमा बल अकादमी, श्रीनगर, गढ़वाल के १८ अधिकारियों का १८.३.२०१७ को अकादमी भ्रमण

- सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल के १६ अध्यापकों का २२.३.२०१७ को अकादमी भ्रमण

संकाय विकास

अकादमी में अपने संकाय सदस्यों की कौशलता, ज्ञान तथा उनकी शैक्षणिक तकनीकों को उन्नत करने तथा उसे अद्यतन करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। इसे प्राप्त करने के लिए ऑन कैंपस प्रशिक्षण तथा देश विदेश दोनों के प्रख्यात संस्थानों से संकाय सदस्यों की नियुक्ति कर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संकाय विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, सेमीनारों में भाग लेने तथा भारत तथा विदेश दोनों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए निम्नलिखित संकाय सदस्यों की तैनाती की गई।

संकाय का नाम	**प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमीनार**	**अवधि**	**स्थान**
तेजवीर सिंह आलोक मिश्रा	इविडेन्स-बेस्ड प्रशिक्षको का प्रशिक्षण	१५-१७ मार्च, २०१७	काठमांडु
सुरेन सिस्ता	फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन बिजनेस स्टडी	०२-०३ मार्च, २०१७	एनालिटिक सोसाइटी ऑफ इंडिया एण्ड जानी युनिवर्सिटी, बैंगलोर
श्रीधर सी	ग्लोबल फ्लेगशीप कोर्स ऑन हेल्थ सिस्टम स्ट्रेंथिंग एण्ड स्टनेबल फाइनेंसिंग	२४ अक्टूबर से ०१ नवंबर २०१६	द चाइलेंज ऑफ युनिवर्सिटी, कवरेज, वाशिंगटन, डी.सी., यू.एस.ए.
अश्वती एस.	इनर इंजीनियरिंग फॉर लीडरशीप प्रोग्राम	२३-२७ जनवरी, २०१७	ईशा (फाउंडेशन) योगा सेंटर, कोयंबटूर
आर. रविशंकर	ओरिएन्टेशन प्रोग्राम फॉर इंस्टीच्यूशनल एनएलएमएस टू भेरीफाई ओ.डी.एफ. डिस्ट्रीक्स ऑफ द कंट्री	०६ जनवरी, २०१७	पेय जल और स्वच्छता मंत्रालय
आलोक मिश्रा	डिसिपिलिन ऑफ स्ट्रेटजी एक्सक्यूशन	१६ से १८ फरवरी २०१७	आई.आई.एम. अहमदाबाद

इनहाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम

- १७ से १६ अगस्त २०१६ को आईएसटीएम के साथ सहयोग से ला.ब.शा.रा.प्र.अ. में बी एव ंबी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- २४ अगस्त २०१६ को नैतिकता एवं भ्रष्टाचार विरोधी रणनीतियों कि मॉड्यूल के विकास पर कार्यशाला
- २२ से २२ फरवरी २०१७ कलर्क स्टाफ के लिए विशेष कार्यक्रम पर प्रशिक्षण
- २० मार्च २०१७ को केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान के प्रमुखों का १६वीं संगोष्ठी

परस्पर सहयोग

- ला.ब.शा.रा.प्र.अ. तथा इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स बैग्लुरू के बीच १४ जुलाई, २०१५ को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- ला.ब.शा.रा.प्र.अ. तथा एम.आई.एस.बी. बोकॉनी, मुंबई के बीच २५ अगस्त, २०१५ को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रकाशन

अकादमी स्टाफ के लिए भ्रमण आयोजन तथा प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन सहित, टीआरपीसी तिमाही पत्रिका **''द एडमिनिस्ट्रेटर''** का प्रकाशन भी करता है। ला.ब.शा.रा.प्र.अ. १६६१ से **''द एडमिनिस्ट्रेटर''** का प्रकाशन करती आ रही है। इसकी आधी से अधिक लम्बी शताब्दी से पत्रिका ने क्षेत्र में अपने अनुभव से प्राप्त शिक्षा बांटने के लिए सिविल सेवकों तथा शिक्षाविदों को मंच प्रदान किया। योगदानकर्ता मुख्यतः सिविल सेवक रहे हैं परंतु इसमें केवल उन्हीं का

योगदान नहीं रहा। पत्रिका को उन व्यक्तियों, विद्वानों और प्रख्यात व्यक्तियों का योगदान मिला है जिन्होंने लोकप्रशासन तथा लोक नीति में कार्य किया है।

वर्ष २०१६-१७ में, अकादमी ने पत्रिका के दो मुद्‌दे प्रकाशित किए। इन मुद्‌दों में शामिल पेपरों में विभिन्न विषय हैं, जैसे :

- कृषि, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा तथा भूमि अधिग्रहण अधिनियम आदि में लोक नीति से संबंधित मुद्‌दे।
- शहरी नियोजन, सार्वजनिक निजी सहभागिता, स्वच्छता तथा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज आदि से संबंधित मुद्‌दे।
- तथा कुछ सामान्य मुद्‌दे जैसे भ्रष्टाचार, जन लोकपाल बिल, मनरेगा, आर्थिक संकट आदि।

अध्याय - ८

वित्तीय विवरण

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी का बजट आबंटन ''मांग सं० - ६४-कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय'' के अंतर्गत किया जाता है। बजट प्रावधान में स्थापना से संबंधित व्यय गैर-योजना (राजस्व), अवसंरचना से संबंधित योजना व्यय (राजस्व), तथा योजना (पूंजीगत) व्यय शामिल है। बजट आबंटन अकादमी के विभिन्न मुख्य गतिविधियों के लिए किया जाता है जिसमें आधारिक पाठ्यक्रम, रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। योजना पूंजी तथा योजना राजस्व के अंतर्गत बजट का आबंटन ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी में अवसंरचना कार्य तथा आवश्यक सुविधाओं के उन्नयन के लिए किया जाता है।

वर्ष 2014–15, २०१५-१६ तथा २०१६-१७ के वास्तविक व्यय और चालू वर्ष २०१७-१८ के बजट आबंटन का ब्योरा नीचे दिया गया है।

(आंकड़े हजार में)

क्रम सं.	गैर योजना (राजस्व)	वास्तविक व्यय			बजट आबंटन
		२०१४.१५	२०१५.१६	२०१६.१७	२०१७.१८
१	वेतन	१२५१८८	१३१४३२	१४८७८०	१७२६००
२	मजदूरियां	६८७६	१००७१	१२५००	१६२००
३	समयोपरि भत्ता	११०	७४	१००	१००
४	चिकित्सा उपचार	५३६६	५४७७	५०००	५०००
५	घरेलू यात्रा व्यय	४११५	३८५०	४०००	४०००
६	विदेश यात्रा व्यय	१३७	६७	६००	४००
७	कार्यालय व्यय	५७३७१	५१५७४	८०१००	६००००
८	किराया, दर तथा कर	१३२५	१२८१	१४२५	१४५०
९	प्रकाशन	३१	२२६	३५०	३५०
१०	अन्य प्रशासनिक व्यय	१५४	१३५	१६५	२००
११	लघु कार्य	१३५	६००	५००	१०००
१२	व्यावसायिक सेवाएं	४८६०२	४६४०१	५५३००	६४३००
१३	अनुदान सहायता	४८५	५००	५००	५००
१४	अन्य प्रभार	२३४४	८६२	१८००	१५००
विभागीय कैंटीन					
१५	वेतन	१६४७	१६४७	२५५०	२८००
१६	समयोपरि भत्ता	८	८	१५	१५
१७	चिकित्सा उपचार	५७	५७	२००	२००
सूचना प्रौद्योगिकी					
१८	अन्य प्रभार (सूचना प्रौद्योगिकी)	५६६	५५८	६६०	६४२
मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम					
१९	व्यावसायिक सेवाएं	१५६८५८	१३१५२५	५०००	६००००
२०	**कुल (गैर योजना)**	**४१७८८३**	**३८६६४६**	**३६४५४५**	**३६४५८२**
२१	योजना (राजस्व)	१०३८६८	१४८५००	१५००००	११००००
२२	योजना (पूंजी)	२३१६०५	२११६००	१६००००	१६००००

संलग्नक -9

भौतिक अवसंरचना

क. कक्षा/व्याख्यान/सम्मेलन कक्ष		क्षमता
i)	अम्बेडकर हॉल	१८० सीटें
ii)	सम्मेलन कक्ष (कर्मशिला)	३५ सीटें
iii)	गोविन्द वल्लभ पंत हॉल	११५ सीटें
iv)	होमी भाभा कंप्यूटर हॉल	१०७ टर्मिनल्स
v)	नेहरू ऑडिटोरियम	१३५ सीटें
vi)	डॉ० सम्पूर्णानंद ऑडिटोरियम	४७२ सीटें
vii)	सेमिनार कक्ष १-५ (ज्ञानशिला)	३० (राउंड टेबल) प्रत्येक
viii)	सेमिनार कक्ष ६-७ (ज्ञानशिला)	७० सीटें प्रत्येक
ix)	सेमिनार कक्ष ८-१२ (ज्ञानशिला)	२० (राउंड टेबल) प्रत्येक
x)	सेमिनार कक्ष-ए एंड बी (कर्मशिला)	६० सीटें प्रत्येक
xi)	टैगोर हॉल	१८८ सीटें
xii)	विवेकानंद हॉल	१८८ सीटें
ख. छात्रावास		
i)	ब्रह्मपुत्र निवास	१२ कमरे
ii)	गंगा छात्रावास	७८ कमरे
iii)	हैप्पी वैली छात्रावास	२६ कमरे
iv)	इंदिरा भवन छात्रावास (पुराना)	२३ कमरे
v)	कालिंदी अतिथि गृह	२१ कमरे
vi)	कावेरी छात्रावास	३२ कमरे
vii)	महानदी छात्रावास	३६ कमरे
viii)	नर्मदा छात्रावास	२२ कमरे
ix)	सिल्वरवुड छात्रावास	५४ कमरे
x)	वैली व्यू होटल (इंदिरा भवन)	४८ कमरे
ग. आवासीय व्यवस्था		
i)	टाईप - Vए	२ गृह
ii)	टाईप - V	१४ गृह
iii)	टाईप - IV	२४ गृह
iv)	टाईप - III	५७ गृह
v)	टाईप - II, टाईप - I	२१८ गृह
vi)	**कुल**	३१५ गृह

संलग्नक -२

अकादमी प्रमुख

अकादमी का नेतृत्व भारत सरकार के अपर सचिव रैंक का अधिकारी करता है। अकादमी में सेवा के प्रसिद्ध सदस्यों द्वारा इसकी अध्यक्षता की गई है। अकादमी के आरंभ से इसके निदेशकों तथा संयुक्त निदेशकों की सूची निम्न प्रकार से है।

अकादमी के निदेशक

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल
१.	श्री ए.एन. झा, भा.सि.सेवा	०१.०६.१९५९ से ३०.०९.१९६२
२.	श्री एस.के. दत्ता, भा.सि.सेवा	१३.०८.१९६३ से ०२.०७.१९६५
३.	श्री एम.जी. पिम्पुटकर, भा.सि.सेवा	०४.०९.१९६५ से २९.०४.१९६८
४.	श्री के.के. दास, भा.सि.सेवा	१२.०७.१९६८ से २४.०२.१९६९
५.	श्री डी.डी. साठे, भा.सि.सेवा	१९.०३.१९६९ से ११.०५.१९७३
६.	श्री राजेश्वर प्रसाद, भा.प्र. सेवा	११.०५.१९७३ से ११.०४.१९७७
७.	श्री बी.सी. माथुर, भा.प्र. सेवा	१७.०५.१९७७ से २३.०७.१९७७
८.	श्री जी.सी.एल. जोनेजा, भा.प्र. सेवा	२३.०७.१९७७ से ३०.०६.१९८०
९.	श्री पी.एस. अप्पू, भा.प्र. सेवा	०२.०८.१९८० से ०१.०३.१९८२
१०.	श्री आई.सी. पुरी, भा.प्र. सेवा	१६.०६.१९८२ से ११.१०.१९८२
११.	श्री आर.के. शास्त्री, भा.प्र. सेवा	०९.११.१९८२ से २७.०२.१९८४
१२.	श्री के. रामानुजम, भा.प्र. सेवा	२७.०२.१९८४ से २४.०२.१९८५
१३.	श्री आर.एन. चोपड़ा, भा.प्र. सेवा	०६.०६.१९८५ से २९.०४.१९८८
१४.	श्री बी.एन. युगांधर, भा.प्र. सेवा	२६.०५.१९८८ से २५.०१.१९९३
१५.	श्री एन.सी. सक्सेना, भा.प्र. सेवा	२५.०५.१९९३ से ०६.१०.१९९६
१६.	श्री बी.एस. बसवान, भा.प्र. सेवा	०६.१०.१९९६ से ०८.११.२०००
१७.	श्री वजाहत हबीबुल्लाह, भा.प्र. सेवा	०८.११.२००० से १३.०१.२००३
१८.	श्री बिनोद कुमार, भा.प्र. सेवा	२०.०१.२००३ से १५.१०.२००४
१९.	श्री डी.एस. माथुर, भा.प्र. सेवा	२९.१०.२००४ से ०६.०४.२००६
२०.	श्री रुद्र गंगाधरन, भा.प्र. सेवा	०६.०४.२००६ से २०.०९.२००६
२१.	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा	०२.०९.२००६ से २८.२.२०१४
२२.	श्री राजीव कपूर, भा.प्र. सेवा	२०.०५.२०१४ से ०६.१२.२०१६
२३.	श्रीमती उपमा चौधरी, भा.प्र. सेवा	११-१२-२०१६ से अब तक

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी के संयुक्त निदेशक

क्रम सं.	नाम	अवधि
1.	श्री जे.सी. अग्रवाल	१६.०६.१६६५ से ०७.०१.१६६७ तक
2.	श्री टी.एन. चुतुर्वेदी	२७.०७.१६६७ से ०६.०२.१६७१ तक
3.	श्री एस.एस. बिसेन	०१.०४.१६७१ से ०६.०६.१६७२ तक
4.	श्री एम. गोपालकृष्णन	२०.०६.१६७२ से ०५.१२.१६७३ तक
5.	श्री एच.एस. दुबे	०३.०३.१६७४ से १८.१२.१६७६ तक
6.	श्री एस.आर. एडिगे	१२.०५.१६७७ से ०७.०१.१६८० तक
7.	श्री एस.सी. वैश	०७.०१.१६८० से ०७.०७.१६८३ तक
8.	श्री एस. पार्थसारथी	१८.०५.१६८४ से १०.०६.१६८७ तक
9.	श्री ललित माथुर	१०.०६.१६८७ से ०१.०६.१६६१ तक
10.	डॉ० वी.के. अग्निहोत्री	३१.०८.१६६२ से २६.०४.१६६८ तक
11.	श्री बिनोद कुमार	२७.०४.१६६८ से २८.०६.२००२ तक
12.	श्री रुद्रगंगाधरन	२३.११.२००४ से ०६.०४.२००६ तक
13.	श्री पदमवीर सिंह	१२.०३.२००७ से ०२.०२.२००६ तक
14.	श्री पी.के. गेरा	२४.०५.२०१० से २०.०५.२०१२ तक
15.	श्री संजीव चोपड़ा	०६.०६.२०१० से ०५.१२.२०१४ तक
16.	श्री दुष्यंत नरियाला	२४.१२.२०१२ से १६.०१.२०१६ तक
17.	सुश्री रंजना चोपड़ा	०६.०८.२०१३ से १५.१२.२०१४ तक
18.	श्री तेजवीर सिंह	०६.०८.२०१३ से ३१.०३.२०१७
19.	सुश्री जसप्रीत तलवार	२४.१०.२०१४ से ३१.०३.२०१७

संलग्नक -३

अकादमी में संकाय एवं अधिकारी

अकादमी की शैक्षणिक परिषद

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
१.	श्रीमती उपमा चौधरी, भा.प्र. सेवा (हि.प्र. : ८३)	निदेशक
२.	श्री तेजवीर सिंह, भा.प्र. सेवा (पंजाब. : ९४)	संयुक्त निदेशक
३.	श्रीमती जसप्रीत तलवार, भा.प्र. सेवा (पंजाब. : ९५)	संयुक्त निदेशक
४.	श्री सी.श्रीधर, भा.प्र. सेवा (बिहार. : ०१)	उपनिदेशक (वरिष्ठ)
५.	श्री आलोक मिश्रा, आई.आई.एस. (९८)	उपनिदेशक (वरिष्ठ)
६.	श्री एम.एच. खान, आई.डी.ए.एस (२००२)	उपनिदेशक (वरिष्ठ)
७.	श्री मनस्वी कुमार, भा.प्र. सेवा (पंजाब. : ०४)	उपनिदेशक
८.	श्रीमती अश्वती एस., भा.प्र.सेवा, (ओडिशा : ०३)	उपनिदेशक
९.	श्री आर. रविशंकर, भा.व.सेवा, (कर्नाटक : ०३)	उपनिदेशक
१०.	श्रीमती तुलसी मद्दिनेनी भा.प्र.सेवा, (कर्नाटक : ०५)	उपनिदेशक
११.	श्री ए.एस. रामचंद्रा,	प्रोफेसर, राजनीतिक सिद्धांत एवं संवैधानिक विधि
१२.	श्रीमती सुनीता रानी	प्रोफेसर, सामाजिक प्रबंधन
१३.	डॉ० मोनोनिता कुंडूदास	प्रोफेसर, विधि
१४.	डॉ० सुरेन सिस्ता	प्रोफेसर, प्रबंधन
१५.	श्री सचिव कुमार	रीडर, विधि
१६.	श्रीमती मिरांडा दास	सहायक निदेशक

अन्य संकाय सदस्य

क्रम सं.	संकाय सदस्य का नाम	पदनाम
१७.	डॉ० कुमुदिनी नौटियाल	रीडर हिंदी
१८.	श्रीमती भावना पोरवाल	सहायक प्रोफेसर, हिंदी
१९.	श्री दिनेश चंद्र तिवारी	हिंदी अनुदेशक
२०.	श्रीमती अलका कुलकर्णी	भाषा अनुदेशक (गुजराती एवं मराठी)
२१.	श्री ए. नल्लासामी	भाषा अनुदेशक (तमिल एवं तेलुगु)
२२.	श्री अरशद एम नंदन	भाषा अनुदेशक (उर्दू एवं पंजाबी)
२३.	श्री के.बी. सिंघा	भाषा अनुदेशक (असामी एवं मणिपुरी)
२४.	सुश्री सौदामिनी भूयां	भाषा अनुदेशक (उड़िया एवं बंगाली)
२५.	श्री वी. मुत्तिनमठ	भाषा अनुदेशक (मल्यालम एवं कन्नड)

२६.	श्री सतपाल सिंह	घुड़सवारी अनुदेशक
२७.	रिसलदार चंद्रमोहन सिंह	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
२८.	ए.एस.आई श्री मनोज के.	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
२६.	रिसलदार मेजर पृथ्वी सिंह	घुड़सवारी अनुदेशक
३०.	एन.बी. रिसलदार जैसमैल सिंह	सहायक घुड़सवारी अनुदेशक
३१.	डॉ० बी.एस. काला	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एनएफएसजी)
३२.	डॉ० रामवीर सिंह	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एनएफएसजी)
३३.	डॉ० ओ.पी. वर्मा	प्रधान पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
३४.	श्री नंदन सिंह दुग्ताल	सहायक निदेशक (राजभाषा)
३५.	श्री सत्यबीर सिंह	प्रशासनिक अधिकारी
३६.	श्री अशोक के. दलाल	प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
३७.	श्रीमती पूनम सिन्हा	प्रोग्राफर (रेप्रो)
३८.	श्री मलकीत सिंह	सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
३६.	श्री पुरुषोत्तम कुमार	निजी सचिव
४०.	डॉ० अशोक के. नहरिया	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसएजी)
४१.	श्री एस.के. थपलियाल	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
४२.	श्री अजय कुमार शर्मा	निजी सचिव
४३.	श्री बालम सिंह	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
४४.	श्री बिक्रम सिंह	सहायक प्रशासनिक अधिकारी